

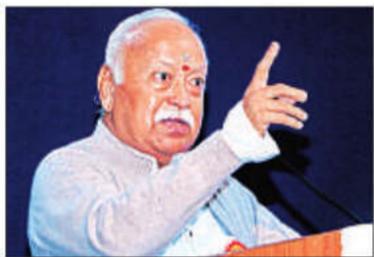


आरएसएस प्रमुख भागवत ने जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट पर चिंता जताई, कहा हर दंपति कम से कम तीन बच्चे पैदा करे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने जनसंख्या वृद्धि में गिरावट पर चिंता जताते हुए रविवार को कहा कि भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) मौजूदा 2.1 के बजाए कम से कम तीन होनी चाहिए। टीएफआर का तात्पर्य एक महिला द्वारा जन्म दिए जाने वाले बच्चों की औसत संख्या से है।

नागपुर में 'कठाले कुलसम्मेलन' में उन्होंने परिवारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला और आगाह किया कि जनसंख्या विज्ञान के अनुसार, यदि किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो यह विलुप्त होने के कगार पर पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या में कमी गंभीर चिंता का विषय है। परिवार समाज की



नागपुर में एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते भागवत।

बुनियाद के रूप में कार्य करता है और हर परिवार अपनी-अपनी विशेषताओं और भूमिका के साथ समाज में योगदान करता है। जनसांख्यिकी

तेलंगाना भी दो बच्चों की नीति खत्म कर सकता है

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (ब्यूरो)।

जनसंख्या नियंत्रण पर बहस के बीच और आंध्र प्रदेश द्वारा अपनी 'दो-बच्चा नीति' को खत्म करने के हफ्तों बाद पड़ोसी राज्य तेलंगाना भी ऐसा ही फैसला लागू करने की तैयारी में है।

-पूरी खबर पेज 10

जरूरी नहीं कि बाहरी खतरे हो कोई समाज धीरे-धीरे अपने आप ही विलुप्त हो सकता है। भागवत ने कहा कि इस मुद्दे के कारण कई भाषाएं और संस्कृतियां पहले ही विलुप्त हो चुकी हैं। इसलिए, प्रजनन दर को 2.1 से ऊपर बनाए रखना आवश्यक है। परिवार समाज का अभिन्न अंग है और हर परिवार की समाज के गठन में अहमियत है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि हमारे देश की जनसंख्या नीति कहती है कि जनसंख्या वृद्धि दर 2.1 से नीचे नहीं होनी चाहिए। यह कम से कम तीन होनी चाहिए। (जनसंख्या) विज्ञान ऐसा कहता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षणके 2021 में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की टीएफआर 2.2 से घटकर दो हो गई है, जबकि गर्भनिरोधक इस्तेमाल की दर 54 फीसद से बढ़कर 67 फीसद हो गई है। कुल प्रजनन दर 2.1 को प्रतिस्थापन दर माना जाता है, जो जनसंख्या वृद्धि में एक महत्वपूर्ण कारक है।

अध्ययनों से पता चलता है कि जब किसी समाज की कुल प्रजनन दर 2.1 से नीचे जाती है, तो उसके विलुप्त होने का खतरा होता है। इस गिरावट के लिए

अजमेर शरीफ दरगाह मामला

पूर्व नौकरशाहों ने मोदी को पत्र लिखा, कहा- 'अवैध' गतिविधियों पर रोक लगाने की जरूरत

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

एक स्थानीय अदालत की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह के सर्वेक्षण का आदेश देने के कुछ दिनों बाद पूर्व नौकरशाहों और राजनयिकों के एक समूह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर उन सभी 'अवैध और हानिकारक' गतिविधियों को रोकने लगाने के लिए हस्तक्षेप की मांग की है, जो भारत की सभ्यतागत विरासत पर वैचारिक हमला हैं और एक समावेशी देश के विचार को विकृत करती हैं।

समूह ने दावा किया कि सिर्फ प्रधानमंत्री 'सभी अवैध, हानिकारक गतिविधियों' को रोक सकते हैं। समूह ने मोदी को याद दिलाया कि उन्होंने खुद 12वीं शताब्दी के संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उत्सव के अवसर पर शांति और सद्भाव के उनके संदेश को सम्मान देते हुए चादर भेजी थी। समूह में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसबाई कुरेशी, सेना के पूर्व उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के पूर्व डिप्टी गवर्नर रवि वीरा गुप्ता शामिल हैं।

समूह ने दावा किया कि सिर्फ प्रधानमंत्री 'सभी अवैध, हानिकारक गतिविधियों' को रोक सकते हैं। समूह ने मोदी को याद दिलाया कि उन्होंने खुद 12वीं शताब्दी के संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के वार्षिक उत्सव के अवसर पर शांति और सद्भाव के उनके संदेश को सम्मान देते हुए चादर भेजी थी। समूह में दिल्ली के पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, ब्रिटेन में भारत के पूर्व उच्चायुक्त शिव मुखर्जी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसबाई कुरेशी, सेना के पूर्व उप-प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल जमीरुद्दीन शाह और भारतीय रिजर्व बैंक

बाकी पेज 8 पर

जिरीबाम में गोली लगने से हुई थी 10 कुकी युवकों की मौत

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसी)।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ कथित मुठभेड़ में मारे गए 10 कुकी-जो युवकों को कई गोलियां लगीं और उनमें से अधिकांश को पीछे से गोली मारी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह पता चला है।

दस्तावेजों के अनुसार, एक नाबालिग सहित 10 युवकों की पहचान रामनेइलियन (29), फिमिलियन कुंग नगुटे (31), एल्विस लालरोपेई जोटे (21), लालथानेई (22), जोसेफ लालदिम (19), फ्रांसिस लालजारलियन (25), रौलिनसिंग

'बांग्लादेश में भारतीय बस पर हमला'

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हुई। चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर बस की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'त्रिपुरा से कोलकाता जा रही श्यामोली परिवहन बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी।

-पूरी खबर पेज 10



स्वस्थ होने के बाद सतारा में एकनाथ शिंदे ने कहा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का फैसला भाजपा करेगी, मेरा पूरा समर्थन

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अभी तक नई सरकार का गठन और मुख्यमंत्री का नाम नहीं तय हो सका है। इस सबके बीच कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि राज्य के नए मुख्यमंत्री के बारे में भाजपा फैसला करेगी, जिसे उनका पूरा समर्थन प्राप्त होगा। सरकार गठन को लेकर महायुति सहयोगियों के बीच कोई मतभेद नहीं है।

इस बीच, भारतीय जनता पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने रविवार रात को बताया कि महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री के रूप में देवेंद्र फडणवीस का नाम तय हो गया है, जिन्हें दो या तीन दिसंबर को होने वाली बैठक में विधायक दल का नेता चुना जाएगा।

सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दारे में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार गठन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे। शिंदे ने यह भी कहा कि वे नियमित रूप से अपने गांव आते हैं और उनके वॉर को लेकर कोई भ्रम नहीं होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने पिछले सप्ताह ही मुख्यमंत्री पद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया था। शिवसेना नेता शुक्रवार को अपने पैतृक गांव गए थे। ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नई सरकार के गठन से खुश नहीं हैं, लेकिन उनके एक सहयोगी ने बताया कि वह बीमार हैं।



शिंदे ने पिछले सप्ताह कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फैसले का समर्थन करेगी। शिंदे ने रविवार को कहा कि मैं हमेशा अपने गांव आता

भाजपा, शिवसेना और अजित पवार की राकांपा के महायुति गठबंधन ने विधानसभा चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता बरकरार रखी, जिसके परिणाम 23 नवंबर को घोषित किए गए।

भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा कि नई महायुति सरकार का शपथ ग्रहण समारोह पांच दिसंबर की शाम दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे। अभी तक इस बात की घोषणा नहीं हुई है कि मुख्यमंत्री कौन होगा, लेकिन भाजपा सूत्रों ने बताया कि दो बार

सतारा जिले में अपने पैतृक गांव दारे में पत्रकारों से बातचीत में शिंदे ने कहा कि सरकार गठन पर बातचीत चल रही है और सभी निर्णय महायुति के तीनों सहयोगियों शिवसेना, भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) द्वारा आम सहमति से लिए जाएंगे।

अपने बेटे और लोकसभा सदस्य श्रीकांत शिंदे के उपमुख्यमंत्री बनने की अटकलों पर शिंदे ने कहा कि बातचीत चल रही है। अब हम तीनों गठबंधन सहयोगी सरकार गठन की बारीकियों पर चर्चा करेंगे।

हूं। जब मैंने पिछले सप्ताह ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया, तो इसमें कोई भ्रम क्यों होना चाहिए। शिवसेना नेता शुक्रवार को अपने पैतृक गांव गए थे। ऐसी अटकलें थीं कि शिंदे नई सरकार के गठन से खुश नहीं हैं, लेकिन उनके एक सहयोगी ने बताया कि वे बीमार थे।

मुख्यमंत्री रह चुके देवेंद्र फडणवीस इस पद की दौड़ में सबसे आगे हैं। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली निवर्तमान सरकार में फडणवीस उपमुख्यमंत्री थे।

शिंदे ने पिछले सप्ताह कहा था कि शिवसेना महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री के नाम पर प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के फैसले का समर्थन करेगी। शिंदे ने रविवार को कहा कि मैं हमेशा अपने गांव आता हूं। जब मैंने पिछले सप्ताह ही अपना रुख स्पष्ट कर दिया, तो इसमें कोई भ्रम क्यों होना चाहिए। मैंने पहले ही कहा है कि भाजपा नेतृत्व द्वारा

बाकी पेज 8 पर

ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को चेताया डालर इस्तेमाल नहीं किया तो लगेगा 100% शुल्क

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी डालर की जगह किसी दूसरी मुद्रा के इस्तेमाल को लेकर ब्रिक्स देशों को चेतावनी दी। ट्रंप ने कहा है कि मुद्रा के रूप में ब्रिक्स देशों ने अगर डालर का इस्तेमाल नहीं किया तो अमेरिका उनपर सौ फीसद शुल्क लगा देगा।

कुछ साल से ब्रिक्स देश, विशेष रूप से रूस और चीन, अमेरिकी डालर के विकल्प के तौर पर ब्रिक्स की अपनी मुद्रा लाने की कोशिश कर रहे हैं। ट्रंप ने भारत, रूस, चीन और ब्राजील समेत नौ देशों



के समूह ब्रिक्स से यह वादा करने को कहा कि वे ऐसा नहीं करेंगे। साल 2009 में स्थापित ब्रिक्स

प्रधानमंत्री ने साइबर अपराधों पर चिंता जताई, कहा विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप अपने को ढाले पुलिस

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को डिजिटल धोखाधड़ी, साइबर अपराध और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) प्रौद्योगिकी के कारण उत्पन्न संभावित खतरों, विशेष रूप से सामाजिक और पारिवारिक संबंधों को बाधित करने के लिए 'डीफेक' की क्षमता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने पुलिस से आह्वान किया कि वह आधुनिक बने और विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप खुद को ढाले।

प्रधानमंत्री ने पुलिस महानिदेशकों/महानिरीक्षकों के 59वें अखिल भारतीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए पुलिस आरक्षियों के कार्यभार को कम करने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस थातों को संसाधन आबंधन का केंद्र बिंदु बनाया जाना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मोदी ने सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा की रेखांकित किया एवं सम्मेलन के दौरान उभरी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई, जिनमें



प्रधानमंत्री मोदी ने शहरी पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को एकीकृत किया जाए और देश के 100 शहरों में पूरी तरह से लागू किया जाए।

आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद, साइबर अपराध, आर्थिक सुरक्षा, आंत्रजन, हटीय सुरक्षा और मादक पदार्थों की तस्करी शामिल हैं।

मोदी ने सुरक्षा चुनौतियों के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आयामों पर व्यापक चर्चा रेखांकित की और सम्मेलन के दौरान उभरी जवाबी रणनीतियों पर संतोष व्यक्त किया।

इस मौके पर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए मौजूदा और उभरती चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई, जिनमें

बाकी पेज 8 पर

दिल्ली में संविधान बचाओ रैली में बोले खरगे मंदिर-मस्जिद पर भागवत की सलाह नहीं सुन रही भाजपा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व पर देश की हर मस्जिद में सर्वेक्षण करारकर समाज को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसा करके सत्तारूढ़ दल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की सलाह की अवहेलना कर रहा है।

रामलीला मैदान में दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के एक संघ द्वारा आयोजित एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस तरह के सर्वेक्षणों की अनुमति देकर लोगों को एकजुट या सुरक्षित नहीं रहने देने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार या चार मीनार जैसी इमारतों को ध्वस्त करेंगे, जिनका निर्माण मुसलमानों ने कराया था? खरगे की टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संघल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है, जहां एक मस्जिद में यह पता लगाने के लिए सर्वेक्षण किया जा रहा था कि क्या वहाँ पहले वहाँ कोई मंदिर था। कांग्रेस अध्यक्ष कर रहे हैं। हालांकि भारत अभी तक ऐसे किसी ने दलितों, अल्पसंख्यकों और ओबीसी से एकजुट



कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कल लालकिला, ताजमहल, चारमीनार सब तुड़वाकर उसके नीचे कुछ दूढ़ेंगे। आज देश में हर जगह सर्वेक्षण वाले ये पता लगा रहे हैं कि कहां पहले मंदिर थे और कहां मस्जिद थी।

रहने का आह्वान किया क्योंकि तभी वे संविधान, लोकतंत्र और अपने अधिकारों की रक्षा के अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि हमें हर कीमत पर एकजुट रहना होगा। समाज और यहां तक कि जातियों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। उत्पीड़ितों के बीच

बाकी पेज 8 पर

नवंबर में जीएसटी संग्रह 8.5 फीसद बढ़ा

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने से नवंबर में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.5 फीसद बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपए, एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा।

-पूरी खबर पेज 10

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा का दावा

ब्योरा

संक्रमण के खतरों के प्रति युवाओं को किया आगाह

एड्स से जुड़ी मौत में 79 फीसद की कमी, नए मामले 44 फीसद घटे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने वर्ष 2030 तक एड्स के खतरे के सतत विकास लक्ष्य के प्रति भारत की तेज प्रगति का ब्योरा देते हुए रविवार को बताया कि देश में एड्स से जुड़ी मौतों में 79 फीसद की कमी आई है, जबकि इस बीमारी के नए मामले 44 फीसद घटे हैं।

नड्डा ने विश्व एड्स दिवस पर इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सरकारी आंकड़ों के हवाले से बताया कि देश में फिलहाल करीब 17.30 लाख लोग एड्स के साथ जी रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्ष 2030 तक एड्स को जड़ से मिटाने को लेकर संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य हासिल करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को पाने के लिए जांच और चिकित्सा के नवीन उपाय अपनाए जाएंगे तथा



एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017 को पूरी तरह लागू किया जाएगा। सरकार ने 2030 तक एड्स के खतरे के लक्ष्य के मद्देनजर '95-95-95' का फार्मूला तय किया है, यानी देश के 95 फीसद मरीजों को पता होना चाहिए कि वे एचआइवी से संक्रमित हैं, 95 फीसद मरीजों को इलाज मिलना चाहिए और एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी की दवाओं के जरिये 95 फीसद मरीजों का 'वायरल लोड' घटाया जाना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि फिलहाल देश के 81 फीसद मरीजों को पता है कि वे एचआइवी से संक्रमित हैं, 88 फीसद मरीजों का इलाज किया जा रहा है और 97 फीसद मरीजों का वायरल लोड घटाया जा चुका है। वर्ष 2023 के दौरान देश में एड्स के नए संक्रमणों में 44 फीसद की कमी आई है और एड्स से जुड़ी मौतें 79 फीसद घटी हैं। नड्डा ने यह भी बताया कि फिलहाल 0.70 फीसद वैश्विक

का वायरल लोड घटाया जा चुका है। नड्डा ने यह भी बताया कि फिलहाल 0.70 फीसद वैश्विक आबादी में एड्स का प्रसार है, जबकि भारत में यह 0.20 फीसद के स्तर पर है। एड्स के खिलाफ देश की लंबी लड़ाई के बाद इस बीमारी के खिलाफ मजबूत चिकित्सा तंत्र विकसित किया गया है।

नड्डा ने बताया कि मैं आपके साथ यह बात साझा करना चाहता हूँ कि फिलहाल देश के 81 फीसद मरीजों को पता है कि वे एचआइवी से संक्रमित हैं, 88 फीसद मरीजों का इलाज किया जा रहा है और 97 फीसद मरीजों का वायरल लोड घटाया जा चुका है। वर्ष 2023 के दौरान देश में एड्स के नए संक्रमणों में 44 फीसद की कमी आई है और एड्स से जुड़ी मौतें 79 फीसद घटी हैं। नड्डा ने यह भी बताया कि फिलहाल 0.70 फीसद वैश्विक

आबादी में एड्स का प्रसार है, जबकि भारत में यह 0.20 फीसद के स्तर पर है। एड्स के खिलाफ देश की लंबी लड़ाई के बाद इस बीमारी के खिलाफ मजबूत चिकित्सा तंत्र विकसित किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार मरीजों को एड्स की दवा मुफ्त में दे रही है और किसी मरीज के एचआइवी संक्रमित पाए जाते ही उसे दवा दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

नड्डा ने यह भी बताया कि भारतीय दवा कंपनियां अफ्रीका, दक्षिण अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को एड्स की सबसे सस्ती और प्रभावी दवाओं की आपूर्ति कर रही हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने एड्स के खतरों के प्रति युवाओं को आगाह करते हुए कहा कि वे अपनी त्वचा पर टैटू (गोदना) बनवाते वक्त एहतियात बरते। आज हमें पता चल रहा है कि लोग टैटू बनवाने के कारण भी एड्स से पीड़ित हो रहे हैं। नड्डा ने विश्व एड्स दिवस पर लोगों से अपील की कि वे वर्जनाओं को छोड़ें और एड्स के साथ जी रहे लोगों के प्रति संवेदनशील रवैया अपनाएं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा, चुनिंदा लोगों को श्रेय देने के लिए

इतिहास से की गई छेड़छाड़

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि इतिहास की पुस्तकों में स्वतंत्रता संग्राम के कुछ नायकों के साथ अन्याय हुआ है, क्योंकि केवल चुनिंदा व्यक्तियों को श्रेय देने के लिए इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ियों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए 'बिना किसी लाग-लपेट के' ऐतिहासिक चित्रण प्रस्तुत करना आवश्यक है।

उपराष्ट्रपति ने किसानों के साथ बातचीत के माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए काम करने की भी अपील की। राजा महेंद्र प्रताप के 138वीं जयंती समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि देश ऐतिहासिक भूमिका निभाने वाले लोगों को 'चांदूकार बता कर अपने



उपराष्ट्रपति ने किसानों के साथ बातचीत के माध्यम से समस्याओं के समाधान के लिए काम करने की भी अपील की।

इतिहास को समझ नहीं कर सकते... हम अपने नायकों का कद कम करके नहीं दिखा सकते।' उपराष्ट्रपति ने किसानों का संदर्भ देते हुए कहा, 'हमें यह याद रखना होगा कि हम अपने ही लोगों से नहीं लड़ रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'जब किसानों की समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं हो रहा है तो भला किसी को नौद कैसे आ

सकती है?' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टकराव की स्थिति में अड़ियल रुख अपनाया खराब कूटनीति है।

धनखड़ ने कहा, 'इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है और आजादी दिलाने में केवल कुछ लोगों के योगदान को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया कि जैसे ये उनका एकाधिकार था। यह हमारे अंतःकरण को कचोटता है और हमारी आत्मा और हृदय पर बोझ है।' उन्होंने कहा कि यह न्याय का उपहास है कि हम राजा महेंद्र प्रताप जैसे लोगों के वीरतापूर्ण कार्यों को मान्यता देने में 'बुढ़ी तरह विफल' रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यदि आप हमारे देश की आजादी की बुनियाद को देखें तो हमें बहुत अलग तरीके से पढ़ाया गया है। हमारी (देश की) आजादी की बुनियाद राजा महेंद्र प्रताप सिंह और अन्य गुप्तनाम नायकों या कम चर्चित नायकों के सर्वोच्च बलिदान पर टिकी की। ने

नई दिल्ली

देश

तेलंगाना : मुठभेड़ में 20 लाख का इनामी व छह अन्य माओवादी ढेर

हैदराबाद, 1 दिसंबर (भाषा)।

तेलंगाना के मुलुगु जिले में रविवार सुबह पुलिस से हुई मुठभेड़ में प्रतिबंधित संगठन के 20 लाख रुपए के इनामी एक प्रमुख नेता समेत सात माओवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मारे गए लोगों में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य और येलंडु-नरसंपेट क्षेत्र समिति के सचिव कुरसाम मंगु उर्फ भूदू और एक महिला कार्यकर्ता भी शामिल हैं। मारे गए सात माओवादियों में से छह छत्तीसगढ़ के मूल निवासी थे।

पुलिस ने बताया कि एतुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल रोधी बल 'ग्रेहाउंड्स' और माओवादियों के बीच यह मुठभेड़ हुई। मुलुगु जिले के पुलिस अधीक्षक शबरीश पी. ने

बताया, 'इस मुठभेड़ में एक प्रमुख नेता समेत सात माओवादी मारे गए।' उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से दो एके-47 राइफलें भी बरामद की गई हैं। अधिकारी ने कहा कि भाकपा (माओवादी) के हथियारबंद कार्यकर्ताओं ने आत्मसमर्पण करने के लिए कहे जाने के बावजूद पुलिसकर्मीयों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की।

मुठभेड़ के बाद पुलिस की सात शव मिले, जबकि बाकी उयावादी भाग निकलें। पिछले महीने मुलुगु जिले के एक गांव में पुलिस मुखबिर होने के संदेह में दो लोगों की हत्या में माओवादियों का हाथ था।

अतिरिक्त डीजीपी (कानून-व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने अभियान के लिए पुलिस टीम की प्रशंसा की और शेष माओवादी कार्यकर्ताओं से मुख्यधारा में शामिल होने का आग्रह किया।

महाराष्ट्र का अपमान है सरकार के गठन में देरी : आदित्य ठाकरे

मुंबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी महायुति द्वारा मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला नहीं किया जाना और सरकार न बना पाना महाराष्ट्र का 'अपमान' है।

ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए सवाल उठाया कि राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगाया गया है? महायुति के सबसे बड़े घटक भाजपा पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा कि सरकार बनाने का दावा पेश किए बिना ही शपथ ग्रहण की तारीख को एकतरफा घोषणा करना 'पूर्ण अराजकता' है। भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के गठबंधन वाले महायुति गठबंधन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में भारी जीत के साथ सत्ता बरकरार रखी।

न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, कर्जमुक्ति समेत लंबित मांगों का मामला

छह दिसंबर को दिल्ली कूच करेंगे किसान, रोज आठ घंटे पैदल चलेंगे

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली/ चंडीगढ़, 1 दिसंबर।

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)की कानूनी गारंटी, कर्जमुक्ति समेत लंबित मांगों के समर्थन में 13 फरवरी से आंदोलनरत किसानों ने छह दिसंबर को एक बार फिर दिल्ली कूच की तैयारी कर ली है। किसानों का जत्था शंभू सीमा से जरूरी सामान के साथ शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली कूच के लिए पैदल रवाना होगा। उधर, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड और तमिलनाडु के किसानों को अपना समर्थन देने की घोषणा की है।

किसान नेता सरवन सिंह पंथेर ने रविवार को चंडीगढ़ में संवाददाताओं को बताया कि छह

दिसंबर को किसानों का पहला जत्था सतनाम सिंह पन्नु, सुरिंदर सिंह चौटाला, सुखदेव सिंह फूल और बलजिंदर सिंह के नेतृत्व में शंभू सीमा से रवाना होगा। यह जत्था जरूरी वस्तुओं के साथ शांतिपूर्ण तरीके से दिल्ली की तरफ रुख करेगा। दिल्ली कूच के दौरान अंबाला के जगजी सिंघर, मोहड़ा अनाज मंडी, खानपुर जट्टान और पिपली में यह जत्था रुकेगा। पंथेर ने कहा कि किसान रोजाना सुबह नौ से शाम पांच बजे तक पैदल चलेंगे और सड़क पर रात बिताएंगे। पहले समूह में किसानों की संख्या बाद में साढ़ा की जाएगी।

पंथेर ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के झंडे तले किसान, 293 दिन से शंभू और खनैरी सीमा पर

विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार ने उनसे किसी तरह की बातचीत नहीं की। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने उनके साथ बातचीत बंद कर दी है। अनुबंध खेती किसानों को स्वीकार्य नहीं है, वह फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं। तत्कालीन तीन केंद्रीय मंत्रियों अर्जुन मुंडा, पीपूष गोंयल और नित्यानंद राय के एक पैनल ने 18 फरवरी को किसान प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की थी। तब किसानों ने पांच साल तक सरकारी एजेंसियों द्वारा एमएसपी पर दाल, मक्का और कपास खरीदने के केंद्र के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। किसान नेता गुप्तमती सिंह मंगत ने कहा कि जब किसानों का पहला समूह छह दिसंबर को

दिल्ली के लिए मार्च करेगा। उधर, केरल, उत्तराखंड और तमिलनाडु के किसान संगठनों ने अपने-अपने राज्यों में विधानसभाओं का खूब करों। की तरफ और मार्च निकालेंगे।

अपनी मांगों के समर्थन किसान 13 फरवरी से शंभू और खनैरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। किसानों ने 13 फरवरी और 21 फरवरी को दिल्ली की ओर मार्च करने का प्रयास किया था, लेकिन सीमाओं पर उन्हें रोक दिया गया। उधर, खनैरी सीमा पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल, छठे दिन भी आग्रह अनशर पर रहे। किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह लड़ाई अगली पीढ़ी के भविष्य को बचाने की है और हमें हर कुर्बानी देने के लिए तैयार रहना है।

धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए

राज कुंद्रा को ईडी ने किया तलब

मुंबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा को अश्लील फिल्मों के कथित वितरण से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कुंद्रा को मामले के जांच अधिकारी के समक्ष सोमवार को पेश होने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर वह सोमवार को नहीं आ सकते तो सप्ताह में किसी और दिन पेश हो सकते हैं। सूत्रों ने बताया कि मामले में शामिल कुछ अन्य लोगों को भी इस सप्ताह के दौरान पेश होने के लिए कहा गया है, जिनमें उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का एक कारोबारी भी

शामिल है। केंद्रीय एजेंसी ने 29 नवंबर को कुंद्रा के मुंबई और उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में स्थित अन्य व्यक्तियों के परिसरों पर छापे मारे थे। मई, 2022 का धनशोधन का यह मामला कुंद्रा और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर मुंबई पुलिस की कम से कम दो प्राथमिकियों और आरोपपत्र से जुड़ा है।

इस मामले में कुंद्रा और कुछ दूसरे आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था तथा बाद में उन्हें जमानत मिल गई थी। कुंद्रा के खिलाफ धनशोधन का यह दूसरा मामला है। ईडी ने इस साल क्रिप्टो करेंसी मामले में कुंद्रा और शेट्टी की 98 करोड़ की संपत्ति जब्त की थी लेकिन दंपति को ईडी के इस कुर्की आदेश के खिलाफ बंबई हाई कोर्ट से राहत मिल गई थी।

'बांटने वालों के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत'

जम्मु, 1 दिसंबर (भाषा)।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने लोगों को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश करने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट लड़ाई का रविवार को आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि देश में हालात अच्छे नहीं हैं। महात्मा गांधी, पंडित जवाहर लाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद, सरदार (वल्लभभाई) पटेल, आंबेडकर जैसे नेताओं ने इस देश को हिंदुओं, मुसलमानों, सिखों और ईसाइयों के

लिए घर बनाया। गांधी ने इसके लिए अपनी जान तक कुर्बान कर दी। पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा ने कहा कि हालांकि, लोगों को (धर्म के आधार पर) एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया जा रहा है और मुझे अंदेश है कि हमें 1947 जैसी स्थिति की ओर धकेला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को रोजगार, शिक्षा, अच्छे अस्पताल और सड़कें उपलब्ध कराने में विफल रही है और मंदिर खोजने के बहाने मस्जिदों को निशाना बनाकर लोगों का ध्यान भटका रही है। देश में बिल्कुल यही हो रहा है।

हाल में संभल (उत्तर प्रदेश) में चार निर्दोष युवकों की हत्या कर दी गई, लेकिन उनके लिए कौन बोलेगा? ऐसा करने वाले किसी भी व्यक्ति को उमर खालिद की तरह जेल में डाल दिया जाएगा, जो पिछले चार सालों से सलाखों के पीछे है। मौजूदा हालात में कोई सुनने वाला नहीं है। पीडीपी नेता ने एक याचिका का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि अजमेर शरीफ दरगाह एक शिव मंदिर के ऊपर बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि हिंदुओं और सिखों सहित विभिन्न धर्मों के लोग 800 साल पुराने इस दरगाह में जाते हैं जो गंगा-जमुनी संस्कृति का एक शांदावर उदाहरण है।

आरजी कर मामला : सीबीआइ के आरोप पत्र से खुलासा

सदीप ने दो समूहों को ठेके दिलाने में की मदद

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कोलकाता के आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य सदीप घोष ने कथित तौर पर अस्पताल के ठेके हासिल करने में दो गिरोहों की मदद की। पूरे प्रकरण की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने हाल में दाखिल आरोप पत्र में यह दावा किया है।

सीबीआइ मामलों की विशेष अदालत ने आरोपपत्र को रेकार्ड में ले लिया है, लेकिन अभी तक इस पर सजा नहीं लिया है क्योंकि पश्चिम बंगाल सरकार ने घोष और अन्य आरोपियों पर मुकदमा चलाने की मंजूरी नहीं दी है। घोष ने 12 अगस्त को संस्थान परिसर में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार व

सीबीआइ प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में दर्ज किया गया है।

हत्या की घटना के बाद प्राचार्य पद से इस्तीफा दे दिया था। सीबीआइ ने आरोप पत्र में घोष, चिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व हाउस स्टाफ आशिश कुमार पांडे, मां तारा ट्रेडर्स के व्यवसायी बिप्लव सिंह, हाजरा मेडिकल की सुमन हाजरा और ईशान केफे के अफसर अली कोषा को नामजद किया है।

सीबीआइ प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला कोलकाता के आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित कलकत्ता उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में दर्ज किया गया है। सीबीआइ ने आरोप लगाया है कि घोष और पांडे ने नियमों का उल्लंघन कर कई चिकित्सकों को हाउस स्टाफ के रूप में नियुक्त

किया। केंद्रीय एजेंसी ने अलीपुर स्थित विशेष सीबीआइ अदालत में दायर अपने आरोपपत्र में आरोप लगाया कि घोष ने अस्पताल के कई ठेके हासिल करने में दो गिरोहों - एक सिंह और हाजरा द्वारा संचालित तथा दूसरा खान द्वारा संचालित - की मदद की।

विशेष न्यायाधीश ने कहा कि ध्यानपूर्वक अध्ययन करने पर पता चला कि सक्षम प्राधिकारी का मंजूरी आदेश अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है। तदनुसार, बिना मंजूरी के सज्ञान नहीं लिया जा सकता। इसे रेकार्ड में रखा जाए। अस्पताल तब सुखियों में आया जब 10 अगस्त को छाती रोग विभाग के सभागार में एक प्रशिक्षु चिकित्सक मृत पाई गई।

यह बात सामने आई कि 9-10 अगस्त की दरमियानी रात नागरिक स्वयंसेवक संजय राय ने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। घोष ने फरवरी 2021 से सितंबर 2023 तक आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय के प्राचार्य के रूप में कार्य किया।

उन्हें पिछले साल अक्टूबर में आरजी कर से स्थानांतरित कर दिया गया था, लेकिन एक महीने के भीतर ही वे उस पद पर वापस आ गए।

जनसत्ता

व्लासीफाइड

व्यक्तिगत

I Pawanjeet Kaur Sawhney wife of Ankit Sachdeva R/o Flat No 77 The Regal Gohini Del Plot No 24/2 Sector 9 Rohini Delhi 110085 have changed my name to Pawan Jeet Kaur

0050255625-1

I,DEVENDER KUMAR,S/O MOHAN LAL,R/O,H.NO-603,A,STREET,N.O-6,HAIDER PUR,NORTH-WEST DELHI-110088,have changed the name of my minor daughter MUSHKAN alias MUSKAN aged-12-year and she shall hereafter be known as MUSKAN.

0040761686-1

I, Suresh Chand Satija S/O Ganga Ram, R/O 144-145, S/G,Street No-7, South Anarkali, Krishna Nagar, East Delhi, Delhi-110051, have changed my name and shall hereafter be known as Suresh Chand.

0070937685-1

I, Savita Baiyan W/o Dushyant Kumar Balyan R/o Flat-1, 5thfloor, Isha Apartment, Meerut have changed my name to Savita Balyan for all purposes.

0070937709-1

I, Dushyant Kumar Baiyan S/o Farid Singh R/o Flat-1, 5thfloor, Isha Apartment, Meerut have changed my name to Dushyant Kumar for all purposes.

0040761668-1

I MOHAMMED MUSTAFA S/O FARID MIAH R/O NO-5,UPPER G/F BACK SIDE, BLOCK-B,SHIV VIHAR VIKAS NAGAR, UTTAM NAGAR, DELHI-110059. HAVE CHANGED MY NAME TO MD MUSTAFA FOR ALL PURPOSES.

0130047053-1

सार्वजनिक सूचना

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my Client Mrs. Vinita Kapoor wife is the owner of Property at Residential Second Floor, without roof rights, B-10/10 Flat No. 157, land area measuring 125.40 Sq. Mtrs., in Block-C, Situated in the Residential Scheme in the Layout Plan of Naraina New Delhly virtue of Conveyance Deed dated 06.04.1995 executed by IDA in favour of Mrs. Vinita Kapoor wife. No. 4185 in Book No. 1, Vol No. 7859 on pages 44 to 46 on dated 13.01.1995 with the office of the Sub Registrar, New Delhi. The same have been lost. Complaint has been filed on 13.11.2008 duly received by P.S. Now, the said property is to be mortgage with Kotak Mahindra Bank Ltd. Any person finds the same may please return the same in the above mentioned address. Any person, institutions having any claim and/or objection in respect of the notice with documentary evidence in support thereof, failing which all the documents mentioned herein shall not be binding upon the said property or purchaser.
M. K. Hassan, (Advocate)
2E/23, 3rd Floor, Jhandewalan Extn., N. B. 110055, Mob. No. 8810391622.

"IMPORTANT"

Whilst care is taken prior to acceptance of advertising copy, it is not possible to verify its contents. The Indian Express (P) Limited cannot be held responsible for such contents, nor for any loss or damage incurred as a result of transactions with companies, associations or individuals advertising in its newspapers or Publications. We therefore recommend that readers make necessary enquiries before sending any monies or entering into any agreements with advertisers or otherwise acting on an advertisement in any manner whatsoever.

कब्जा सूचना

जबकि, वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुस्थाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत और शक्तियों का प्रयोग करते हुए जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (पूर्व में जनसंघी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) के अधिभूत अधिकारी के रूप में सुस्थाहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (2) के तहत उपचारकर्ताओं/सह-उधारकर्ताओं को मांग सूचना जारी करता है, जिसमें उपचारकर्ताओं से संबंधित नामों के समान उल्लिखित राशि को 60 दिनों के भीतर उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से, भुगतान और/या वस्तु की तारीख तक किए गए प्रासंगिक खातों, लागतों, शुल्कों आदि के रूप में भविष्य के ब्याज सहित कुलाने का आदेश दिया जा।

क्र.	ऋण संख्या	उधारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधकर्ता	13(2) नोटिस दिनांक/बकाया देय (रुपये में)	दैनिक/साप्ताहिक एवं कब्जे का प्रकार
1	45269860041026 और 45269860002294	1) सैरसि, सत्यपाल सिंह यादव, इसके मालिक श्री सत्यपाल सिंह यादव द्वारा प्रतिनिधित्व, 2) श्री सत्यपाल सिंह यादव (उधारकर्ता), 3) श्री युक्तेश यादव (गारंटर)	24.08.2024 र. 50,41,077/- (पचास लाख इकत्तासह हजार सत्ताहतर रुपये मात्र) 24.09.2024 तक	दैनिक 27-11-2024/0207 दोघर प्रतीकलक कब्जा

सुरक्षित संपत्ति का विवरण: शेड्यूल खाता नंबर 387/547, मुस्तालिक नंबर 18, किला नंबर 2/1, कूल क्षेत्रफल मान 153 वर्ग मी, सार्का मीजा उच्चा गांव, भीम सैन कॉलोनी, महासैन बल्लभनगर, जिला - फरीदाबाद, हरियाणा-121004 में स्थित है। जो भीमन मुंदेश यादव पुत्र श्री सतपाल सिंह, नि. नं. 110055, मो. नं. 8810391622, हैं। पूर्व: आम सरता और सीदान हाउस, परिधम: दाल भिड़, उत्तर गली/सरता, दक्षिण: कमल जकाहद हाउस।

जबकि, यहां ऊपर उल्लिखित उपचारकर्ता/सह-उधारकर्ता/गारंटर/बंधकर्ता देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित उपचारकर्ताओं और सामान्य रूप से जनात को सूचित किया जाता है कि जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के अधिभूत अधिकारी ने ऊपर उल्लिखित धारा 13 (4) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर उल्लिखित सुरक्षित संपत्तियों पर सार्वजनिक कब्जा कर लिया है विशेष रूप से ऊपर उल्लिखित उपचारकर्ताओं/सह-उधारकर्ताओं/गारंटरों/बंधकर्ताओं और सामान्य रूप से जनात को सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों के सार्वजनिक-देन न करे और उक्त संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों के साथ कोई भी लेनदेन जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के शुल्क के अधीन होगा।

स्थान: दिल्ली एनसीओआर
दिनांक: 02-12-2024,

हस्ता/-प्राधिकृत अधिकारी,
जना स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक

(एक अनुसूचित जाति/प्रासंगिक बैंक)
पंजीकृत कार्यालय: द फेयरवे, ग्राउंड और प्रथम तल, सर्वे नंबर 10/1, 11/2 और 12/2बी, ऑफ डोमसूर, कोरमंगला इनर रिंग रोड, इंडीएल बिजनेस पार्क के बगल में, चल्लाघटा, बैंगलूर-560071
शाखा कार्यालय : 16/12, द्वितीय तल, डब्ल्यू.ई.ए. आर्य समाज रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005.

फ़ीनिक्स एआरसी प्राइवेट लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: सुदीप तले, वाकेंस टॉवर (पूर्ववर्ती सिंग बिल्डिंग), 138/140/बी/1, अंतिम अंकित सार एंड वेस्टर्न एक्सप्रेस, विले पार्क (पूर्व), मुंबई - 400 057

आपने नीचे उल्लिखित उपचारकर्ता, सह-उधारकर्ता ने अपनी अचल संपत्तियों (प्रतिभूतियों) को गिरेवी रखकर मौतौलाल ओरेंटल होम फाइनेंस लिमिटेड से ऋण/उत्प्रेषण प्राप्त की है, जिसका विशेष वर्णन यहां नीचे किया गया है। यहां आंशिक बूक के परिणामस्वरूप, आपके ऋण खातों को गैर-निष्पादित परिस्थितियों के रूप में वर्गीकृत किया गया था और बाद में नीचे उल्लिखित असाधनमें के अलग-अलग तिथियों के माफ़न में, उक्त ऋण (बूक) का नाम उठाने के लिए आपके द्वारा निर्धारित स्वतंत्रता के अनुसार आपने अपने वाले सभी अधिकारों, शीर्षक, हितों, अधिकार, देय राशि के साथ अनिश्चित सुरक्षा ब्याज के साथ, इसे कौनसे एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (जिसका इच्छा है) के तहत की कृपया ध्यान दें कि उक्त ऋण को गिरेवी रखकर प्राप्त किया गया है। (निर्दिष्ट/सर्वे पाठ में)। कृपया ध्यान दें कि एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के अनुसार, आपकी संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा उपरोक्त हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (अधिनियम) की धारा 13(2) के तहत मांग सूचना 03.09.2024 को निष्पत्ति की है, जिसकी विषयवस्तु प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमवली 2002 के नियम 3(1) के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(2) के अनुसार सेवा के माध्यम से तुरंत उरके रूप में यहां उरके रूप में प्रकाशित की जा रही है। असाधनमें की विधि, इच्छा, उपचारकर्ता, सह-उधारकर्ताओं, गिरेवी रखी गई संपत्तियों, बकाया राशिओं, धारा 13(2) के तहत प्रेषित मांग सूचना और उसके तहत अपेक्षित राशि के विवरण निम्नानुसार दिये गये हैं :

प्रदत्त का नाम	ऋण खाता सं./ उपचारकर्ता, सह-उधारकर्ता का नाम	प्रतिभूतियों के विवरण	30-09-2024 तक मूलबन बकाया	30-09-2024 तक अतिरिक्त ईएमएसआई+अन्य प्रभार	30-09-2024 तक कुल बकाया
कीमत्त वस्तु - शिव भं - 24-16	सैन: LXMOEMERU7122-230649569 उधारकर्ता: सुदीप कुमार सह-उधारकर्ता: रिशु कुमार सह-उधारकर्ता: स्वति सुदीप कुमार	ग्राम मतिव्यास तहसील एवं जिला मेरठ उत्तर प्रदेश 250002, अमेडकर एवं 250002 मेरठ उत्तर प्रदेश में स्थित सारवा नंबर-956 961 962 ए का हिस्सा आंशिक खत नंबर 00 (भाग)	9,36,378/-	1,84,681/-	11,21,059/-

रखिए आरसे, उपचारकर्ता और सह-उधारकर्ताओं/गारंटरों से अनुरोध किया जाता है कि आप इस सूचना के 60 दिनों के भीतर उपरोक्त उल्लिखित मांग की गई राशि को अधिनियम के साथ भुगतान करें, पूरा न करने पर असाधनरतानुसार अनुसूचित प्रतिभूतियों को अग्रिम अचल के हित अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के लिए सजा दी जाएगी। असाधन अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (b) के अंतर्गत की ओर अनर्पित किया जाना है जिसके अन्तर्गत हर आप उपरोक्त प्रस्ताव में निर्दिष्ट अचल के भीतर अतिरिक्त संपत्तियों को असाधनरत करने के लिए सज्जत हैं। कृपया ध्यान दें कि उक्त अधिनियम की धारा 13(1) के अनुसार, आपकी हमारी सहायता के बिना किसी, पड़े के माध्यम से या अन्वयाधिकार संपत्तियों प्रतिभूतियों को हस्तांतरित करने से रोकता जाता है।

स्थान : उत्तर प्रदेश
दिनांक : 02-12-2024

कृ. फ़ीनिक्स एआरसी प्राइवेट लिमिटेड,
प्राधिकृत अधिकारी

Criminal Courts, Ludhiana

In The Court Of Sh Simrandeep Singh Sohi JMJC , Ludhiana
Date: 02-01-2025

next date, purpose of case, orders and judgments as well as other case information is available on http://districts.courts.gov.in/ludhiana
Kotak Mahindra Bank Vs.

dilbag Singh
CNR NO: PBL003-038103-2021
Publication Issued To: Dilbag Singh Address- S/o Avtar Singh, Kot Data Tarn Taran Ratta Guda Tarn Taran 143412 Punjab

Whereas it has provided to the satisfaction of this court that you, the above named accused/accused persons can't be served in the ordinary way of service. Hence this proclamation under 82 of code of criminal procedure is hereby issued against you with a direction that you should appear personally before this court on 02-01-202

This advertisement is for information purposes only and does not constitute an offer or an invitation or a recommendation to purchase, hold or sell securities. This is not an announcement for the offer document. All capitalized terms used herein and not defined herein shall have the meaning assigned to them in the letter of offer dated November 19, 2024 (the "Letter of Offer" or "LOF") filed with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") and the stock exchange, namely BSE Limited ("BSE").



NHC FOODS LIMITED

Our Company was incorporated in the name of "Midpoint Software & Electro Systems Limited" on August 04, 1992, in Mumbai, Maharashtra, as a Public Limited Company under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation issued by the Registrar of Companies – Mumbai, Maharashtra. A certificate of commencement of business was granted to our Company on August 12, 1992 by Registrar of Companies – Mumbai, Maharashtra. Pursuant to the scheme of amalgamation under Section 391-394 and other relevant provisions of the Companies Act, 1956, NHC Industries Private Limited has been merged with our Company with effect from September 07, 2010. Subsequently, the name of our Company was changed to NHC Foods Limited pursuant to a certificate of incorporation dated October 15, 2010 issued by the Registrar of Companies – Mumbai, Maharashtra. For details of change in the name and registered office of the Company, refer chapter titled "General Information" on page 38

Registered Office: Survey No. 777, Umarsadi Desaiwad Road, Village Umarsadi, Taluka Pardi, Valsad - 396175, Gujarat, India

Corporate Office: 419/420, C Wing, Atrium 215, Andheri-Kurla Road, Chakala, Andheri East, J. B. Nagar, Mumbai – 400059, Maharashtra, India **Contact Person:** Mrs. Alesha Hakim Khan, Company Secretary & Compliance Officer;
Tel No: +91 8104472565 **E-Mail ID:** cs@nhcgroup.com; **Website:** www.nhcgroup.com **CIN:** L15122G11992PLC076277

OUR PROMOTER: APOORVA HIMATLAL SHAH

FOR PRIVATE CIRCULATION TO ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS OF NHC FOODS LIMITED ("THE COMPANY" OR "THE ISSUER") ONLY

ISSUE OF UP TO 47,42,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹1/- (RUPEE ONE ONLY) ("RIGHTS EQUITY SHARES") EACH AT A PRICE OF ₹1/- PER RIGHTS EQUITY SHARE AGGREGATING UP TO ₹4,742.00 LAKHS⁽¹⁾ ON A RIGHTS BASIS TO THE ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS OF OUR COMPANY IN THE RATIO OF 4 (FOUR) RIGHTS EQUITY SHARE FOR EVERY 1 (ONE) FULLY PAID-UP EQUITY SHARE HELD BY THE ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS AS ON THE RECORD DATE, TUESDAY, NOVEMBER 26, 2024 ("THE ISSUE"). FOR FURTHER DETAILS, KINDLY REFER TO THE CHAPTER TITLED "TERMS OF THE ISSUE" BEGINNING ON PAGE 214 OF THIS LETTER OF OFFER.

⁽¹⁾ Assuming full subscription

NOTICE TO THE ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS OF THE COMPANY

ISSUE PROGRAMME *

ISSUE OPENS ON
THURSDAY, DECEMBER 05, 2024

LAST DATE FOR ON MARKET RENUNCIATION**
THURSDAY, DECEMBER 12, 2024

ISSUE CLOSES ON***
WEDNESDAY, DECEMBER 18, 2024

* Pursuant to the SEBI Circular on Rights Issue dated 22 January 2020 – Rights Issue Circular, SEBI has introduced the concept of credit of Rights Entitlements into the demat accounts of the Eligible Public Shareholders, which can be renounced by them by way of On Market Renunciation or Off Market renunciation. Further, the credit of Rights Entitlements and Allotment of Rights Equity Shares shall be made only in dematerialised form.

** Eligible Public Shareholders are requested to ensure that renunciation through off-market transfer is completed in such a manner that the Rights Entitlements are credited to the demat accounts of the Renounees on or prior to the Issue Closing Date.

*** Our Board / Rights Issue Committee thereof will have the right to extend the Issue Period as it may determine from time to time, provided that this Issue will not remain open in excess of 30 days from the Issue Opening Date. Further, no withdrawal of Application shall be permitted by any Applicant after the Issue Closing Date.

ASBA*

Simple, Safe, Smart way of Application-Make use of it!!!

*Application Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account, investors can avail the same. For further details check section on ASBA below.

Process for Application in this Issue: In accordance with Regulation 76 of the SEBI ICDR Regulations, SEBI Rights Issue Circulars and ASBA Circulars, all Investors desiring to make an Application in this Issue are mandatorily required to use the ASBA process. Investors should carefully read the provisions applicable to such Applications before making their Application through ASBA. For details, refer "Procedure for Application through the ASBA Process" on page 227 of the Letter of Offer ("LOF").

ASBA facility: Investors can submit either the Application Form in physical mode to the Designated Branch of the SCSBs or online/electronic Application through the website of the SCSBs (if made available by such SCSB) authorizing the SCSB to block the Application Money in an ASBA Account maintained with the SCSB. Application through ASBA facility in electronic mode will only be available with such SCSBs who provide such facility.

Investors applying through the ASBA facility should carefully read the provisions applicable to such Applications before making their Application through the ASBA process. For details, see "Procedure for Application through the ASBA Process" on page no. 227 of the LOF. Please note that subject to SCSBs complying with the requirements of SEBI Circular CIR/CFD/DIL/13/2012 dated September 25, 2012, within the periods stipulated therein, Applications may be submitted at the Designated Branches of the SCSBs.

Further, in terms of the SEBI Circular CIR/CFD/DIL/1/2013 dated January 2, 2013, it is clarified that for making Applications by SCSBs on their own account using ASBA facility, each such SCSB should have a separate account in its own name with any other SEBI registered SCSB(s). Such account shall be used solely for the purpose of making an Application in this Issue and clear demarcated funds should be available in such account for such an Application.

Applicants should note that they should very carefully fill-in their depository account details and PAN in the Application Form or while submitting application through online/electronic Application through the website of the SCSBs (if made available by such SCSB). Please note that incorrect depository account details or PAN or Application Forms without depository account details shall be treated as incomplete and shall be rejected. For details see "Grounds for Technical Rejection" beginning on page 234 of the Letter of Offer. The Company, the Lead Manager, the Registrar and the SCSBs shall not be liable for any incomplete or incorrect demat details provided by the Applicants.

Additionally, in terms of Regulation 78 of the SEBI ICDR Regulations, Investors may choose to accept the offer to participate in this Issue by making plain paper Applications. Please note that Eligible Public Shareholders making an Application in this Issue by way of plain paper applications shall not be permitted to renounce any portion of their Rights Entitlements. For details, see "Application on Plain Paper under ASBA process" beginning from page 228 of the letter of offer.

APPLICATION SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT (ASBA): For the list of banks which have been notified by SEBI to act as SCSBs for the ASBA process, please refer to <https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?doRecognisedFpi=yes&intmid=34>. **ELIGIBLE PUBLIC SHAREHOLDERS UNDER THE ASBA PROCESS MAY PLEASE NOTE THAT THE EQUITY SHARES UNDER THE ASBA PROCESS CAN BE ALLOTTED ONLY IN DEMATERIALIZED FORM AND TO THE SAME DEPOSITORY ACCOUNT IN WHICH THE EQUITY SHARES ARE HELD BY SUCH ASBA APPLICANT ON THE RECORD DATE. FOR DETAILS, SEE "ALLOTMENT ADVICE OR REFUND/ UNBLOCKING OF ASBA ACCOUNTS" ON PAGE 238 OF THE LOF.**

APPLICATION ON PLAIN PAPER: An Eligible Public Shareholder who is eligible to apply under the ASBA process may make an Application to subscribe to the Issue on plain paper. An Eligible Public Shareholder shall submit the plain paper Application to the Designated Branch of the SCSB for authorising such SCSB to block Application Money in the said bank account maintained with the same SCSB.

Applications on plain paper will not be accepted from any address outside India. Please note that the Eligible Public Shareholders who are making the Application on plain paper shall not be entitled to renounce their Rights Entitlements and should not utilize the Application Form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently. The application on plain paper, duly signed by the Eligible Public Shareholder including joint holders, in the same order and as per specimen recorded with his bank, must reach the office of the Designated Branch of the SCSB before the Issue Closing Date and should contain the following particulars:

1. Name of the Company: "NHC FOODS LIMITED"; 2. Name and address of the Eligible Public Shareholder including joint holders (in the same order and as per specimen recorded with the Company or the Depository); 3. Registered Folio No./DP and Client ID No.; 4. Number of Equity Shares held as on Record Date; 5. Allotment option – only dematerialised form; 6. Number of Rights Equity Shares entitled to; 7. Total number of Rights Equity Shares applied for; 8. Number of additional Rights Equity Shares applied for, if any; 9. Total number of Rights Equity Shares applied for; 10. Total amount paid at the rate of ₹1/- for each Rights Equity Shares issued; 11. Details of the ASBA Account such as the account number, name, address and branch of the relevant SCSB; 12. In case of non-resident Eligible Public Shareholders making an application with an Indian address, details of the NRE/FCNR/NRO Account such as the account number, name, address, branch of the SCSB with which the account is maintained and a copy of the RBI approval obtained pursuant to Rule 7 of the Foreign Exchange Management (Non-debt Instruments) Rules, 2019, 13. Except for Applications on behalf of the Central or State Government, the residents of Sikkim and the officials appointed by the courts, PAN of the Eligible Public Shareholder and for each Eligible Public Shareholder in case of joint names, irrespective of the total value of the Rights Equity Shares applied for pursuant to this Issue; 14. Authorisation to the Designated Branch of the SCSB to block an amount equivalent to the Application Money in the ASBA Account; 15. Signature of the Eligible Public Shareholder (in case of joint holders, to appear in the same sequence and order as they appear in the records of the SCSB); and 16. In addition, all such Eligible Public Shareholders are deemed to have accepted the following:

"I/We understand that neither the Rights Entitlement nor the Equity Shares have been, or will be, registered under the United States Securities Act of 1933, as amended (the "US Securities Act") or any United States state securities laws, and may not be offered, sold, resold or otherwise transferred within the United States or to the territories or possessions thereof (the "United States") except in a transaction exempt from, or not subject to, the registration requirements of the US Securities Act. I/we understand the offering to which this application relates is not, and under no circumstances is to be construed as, an offering of any Equity Shares or Rights Entitlement for sale in the United States, or as a solicitation therein of an offer to buy any of the said Equity Shares or Rights Entitlement in the United States. Accordingly, I/we understand that this application should not be forwarded to or transmitted in or to the United States at any time. I/we understand that none of the Company, the Registrar, the Lead Managers or any other person acting on behalf of the Company will accept subscriptions from any person, or the agent of any person, who appears to be, or who we, the Registrar, the Lead Managers or any other person acting on behalf of the Company has reason to believe is in the United States, or if such person is outside India and the United States, such person is not a corporate shareholder, or is ineligible to participate in the Issue under the securities laws of their jurisdiction. I/we will not offer, sell or otherwise transfer any of the Equity Shares which may be acquired by us in any jurisdiction or under any circumstances in which such offer or sale is not authorized or to any person to whom it is unlawful to make such offer, sale or invitation except under circumstances that will result in compliance with any applicable laws or regulations. We satisfy, and each account for which we are acting satisfies, all suitability standards for investors in investments of the type subscribed for herein imposed by the jurisdiction of our residence.

I/we understand and agree that the Rights Entitlement and Equity Shares may not be reoffered, resold, pledged or otherwise transferred except in an offshore transaction in compliance with Regulation S under the US Securities Act ("Regulation S"), or otherwise pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the US Securities Act. I/we (i) am/are, and the person, if any, for whose account I/we am/are acquiring such Rights Entitlement, and/or the Equity Shares, is/are outside the United States, and (ii) is/are acquiring the Rights Entitlement and/or the Equity Shares in an offshore transaction meeting the requirements of Regulation S.

I/we acknowledge that the Company, the Lead Manager, their affiliates and others will rely upon the truth and accuracy of the foregoing representations and agreements." In cases where multiple Application Forms are submitted for Applications pertaining to Rights Entitlements credited to the same demat account or in demat suspense escrow account, including cases where an investor submits Application Forms along with a plain paper Application, such Applications shall be liable to be rejected. Investors are requested to strictly adhere to these instructions. Failure to do so could result in an Application being rejected, with the Company, the Lead Manager and the Registrar not having any liability to the Investor.

I/we acknowledge that the Company, the Lead Manager and the Registrar shall not be responsible if the Applications are not uploaded by SCSB or funds are not blocked in the Investors' ASBA Accounts on or before the Issue Closing Date."

NOTICE TO INVESTORS: The distribution of the Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlements Letter and any other Issue material and the issue of Rights Entitlements and the Rights Equity Shares on a rights basis to persons in certain jurisdictions outside India is restricted by legal requirements prevailing in those jurisdictions. Persons into whose possession the Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form or the Rights Entitlements Letter may come, are required to inform themselves about and observe such restrictions.

Further, the Letter of Offer will be provided, by the Company to any existing Shareholder who make a request in this regard. Investors can also access the Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer and the Application Form from the websites of the Registrar, the Company, the Stock Exchange and Lead Manager to the issue.

NO OFFER IN THE UNITED STATES: The Rights Equity Shares or Rights Entitlements have not been recommended by any U.S. federal or state securities commission or regulatory authority. Furthermore, the foregoing authorities have not confirmed the accuracy or determined the adequacy of the Draft Letter of Offer, Letter of Offer and the CAF. Any representation to the contrary is a criminal offence in the United States. The rights and securities of the Company, including the Rights Equity Shares and Rights Entitlements have not been and will not be registered under the United States Securities Act, 1933, as amended (the "Securities Act"), or any U.S. state securities laws and may not be offered, sold, resold or otherwise transferred within the United States or the territories or possessions thereof (the "United States" or "U.S.") or to, or for the account or benefit of, "U.S. persons" (as defined in Regulation S under the Securities Act ("Regulation S"), except in a transaction exempt from the registration requirements of the U.S. Securities Act. The Rights Equity Share referred to in the Letter of Offer are being offered in India, but not in the United States. The offering to which this Letter of Offer relates is not, and under no circumstances is to be construed as, an offering of any Rights Equity Shares or Rights Entitlements for sale in the United States or as a solicitation therein of an offer to buy any of the said securities or rights. Accordingly, this Letter of Offer/ Abridged Letter of Offer and the enclosed CAF should not be forwarded to or transmitted in or into the United States at any time.

Neither our Company nor any person acting on behalf of our Company will accept subscriptions or renunciation from any person, or the agent of any person, who appears to be, or who our Company or any person acting on behalf of our Company has reason to believe is in the United States when the buy order is made. Envelopes containing an Application Form and Rights Entitlement Letters should not be postmarked in the United States or otherwise dispatched from the United States or any other jurisdiction where it would be illegal to make an offer, and all persons subscribing for the Right Entitlements or the Rights Shares and wishing to hold such Rights Shares in registered form must provide an address for registration of the Equity Shares in India.

LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
<p>Finshore Management Services Limited "Anandlok", Block-A, 2nd Floor, Room No. 207, 227 A.J.C Bose Road, Kolkata-700020, West Bengal, India Telephone: +91 33 2289510; E-mail: info@finshoregroup.com; Investor grievance E-mail: investors@finshoregroup.com; Website: www.finshoregroup.com; Contact person: Mr. S. Ramakrishna Iyengar; SEBI Registration No.: INM000112185; CIN: U74900WB2011PLC169377</p>	<p>Skyline Financial Services Private Limited D-153A, First Floor, Okhla Industrial Area, Phase-I, New Delhi-110020 Telephone: 011-40450193-197; Fax: 011-26812683; Email: ipo@skylinerta.com; Website: https://www.skylinerta.com/; Investor Grievance Email Id: grievances@skylinerta.com, Contact Person: Mr. Anuj Rana; SEBI Registration No: INR00003241; CIN: U74899DL1995PTC071324</p>	<p>NHC Foods Limited Registered Office: Survey No. 777, Umarsadi Desaiwad Road, Village Umarsadi, Taluka Pardi, Valsad - 396175, Gujarat, India Corporate Office: 419/420, C Wing, Atrium 215, Andheri-Kurla Road, Chakala, Andheri East, J. B. Nagar, Mumbai – 400059, Maharashtra, India Contact No.: +91 8104472565 Contact Person: Mrs. Alesha Hakim Khan E-mail ID: cs@nhcgroup.com Website: www.nhcgroup.com</p>

Investors may contact the Registrar to the Issue and/or the Company Secretary and Compliance Officer and/or Lead Manager to the issue, in case of any pre-issue or post-issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, credit of allotted Equity Shares in the respective beneficiary account or refund orders, etc.

Place: Mumbai
Date: November 30, 2024

NHC Foods Limited is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make a rights issue of its Equity Shares to its eligible public shareholders and has filed the LOF with the Stock Exchanges. The LOF shall be available on the websites of SEBI and BSE at www.sebi.gov.in and www.bseindia.com, respectively. The LOF will be available on the website of the Registrar to the Issue at www.skylinerta.com. Potential investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, see the section titled "Risk Factors" on page 19 of the LOF. The securities offered via the Letter of Offer are not being offered to investors outside of India and recipients of the Letter of Offer should refer to the offering restrictions noted therein.

For NHC Foods Limited
Sd/-
Alesha Hakim Khan
Company Secretary & Compliance Officer

सुस्त रफ्तार

जल्दी ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने के दावों के बीच चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में विकास दर 5.4 फीसद रहने के आंकड़े स्वाभाविक रूप से निराशाजनक हैं। हालांकि जुलाई-सितंबर की तिमाही में अक्सर विकास दर सुस्त देखी जाती है, मगर आर्थिक संगठनों और खुद सरकार ने इसके करीब सात फीसद के आसपास रहने का अनुमान लगाया था। अब कहा जा रहा है कि अगली छमाही में विकास दर अच्छी रहेगी। अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही चूँकि त्योहारी मौसम की होती है, इसलिए इसमें वृद्धि देखी ही जाती है। मगर ताजा आंकड़े सकल घरेलू उत्पाद को लेकर चिंता पैदा करते हैं। दूसरी तिमाही में सबसे बुरी गत विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की रही। विनिर्माण क्षेत्र की विकास दर 2.2 फीसद दर्ज हुई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 14.3 फीसद थी। निर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि की 13.6 फीसद से घट कर 7.7 पर पहुंच गई। इसी तरह आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में वृद्धि दर घट कर 3.1 फीसद रह गई, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 12.7 फीसद थी। कृषि जैसे कुछ क्षेत्रों में मामूली वृद्धि को छोड़ दें, तो ज्यादातर क्षेत्रों में विकास दर सुस्त ही दर्ज हुई है।

इस सुस्ती के पीछे तर्क दिए जा रहे हैं कि रेपो दर ऊंची रहने और महंगाई पर काबू न पाए जा सकने की वजह से उपभोक्ता व्यय घटा है। इसके अलावा राजस्व घाटा कम करने के उद्देश्य से सरकारी व्यय भी कम कर दिया गया है। इसका असर सकल घरेलू उत्पाद पर पड़ा है। मगर फिलहाल इन स्थितियों में सुधार की बहुत संभावना फिर नहीं आती। विनिर्माण क्षेत्र में विकास दर सुस्त रहने का अर्थ है कि बड़े पैमाने पर लोगों के सामने रोजगार का संकट बढ़ा है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार उपलब्ध कराता है। रोजगार और लोगों की कमाई घटने का स्वाभाविक असर उपभोक्ता व्यय पर पड़ता है। लोग केवल जरूरी चीजों की खरीद करते हैं, विलासिता की ओर टिकाऊ कही जाने वाली वस्तुओं की खरीद कम होने लगती है। स्वाभाविक ही इससे उत्पादन घट जाता है। यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि पिछले नौ-दस वर्षों में लोगों की मजदूरी और औसत वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। लंबे समय से इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि जब तक लोगों की क्रयशक्ति नहीं बढ़ेगी, तब तक आर्थिक विकास के सारे उपाय तदर्थ ही साबित होंगे।

अर्थव्यवस्था में मजबूती के लिए उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ अन्य पहलुओं पर भी संतुलन साधने की जरूरत होती है। निर्यात के मामले में लगातार निराशाजनक तस्वीरें आती रही हैं। चीन आदि देशों के साथ हमारा व्यापार घाटा निरंतर बढ़ रहा है। इसी तरह, बेशक जीएसटी संग्रह में बढ़ोतरी के आंकड़े दर्ज हो रहे हों, पर हकीकत में राजकोषीय घाटा बढ़ रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकारी व्यय में कटौती करनी पड़ रही है। जिस तरह विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार कमी आ रही है, उससे जाहिर है कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सिकुड़ रहा है। ऐसी स्थिति में विकास परियोजनाओं पर भी बुरा असर पड़ेगा। आर्थिक विकास के ताजा आंकड़े सरकार के लिए चेतावनी हैं कि उसे तदर्थ और अव्यावहारिक उपायों के बजाय बुनियादी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जिसमें रोजगार और लोगों की आय में बढ़ोतरी के अवसर पैदा करने होंगे।

हकदार बनना हकमार

अगर करोड़ों की कीमत वाली बीएमडब्ल्यू कार और घर में वातानुकूलित यंत्रों का इस्तेमाल करने वाले भी गरीब और वंचित तबकों के लिए निर्धारित सहायता का लाभ उठाने से नहीं हिचकते, तो इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है? यह न केवल प्रशासनिक ढांचे में घुले भ्रष्टाचार का उदाहरण है, बल्कि इससे यह भी पता चलता है कि एक समुदाय में समृद्ध या सुविधा-संपन्न माने जाने वाले लोग बहुत कम पैसों के लिए नैतिकता को ताक पर रख सकते हैं, कमजोर तबकों का हक चुराने में कोई शर्म महसूस नहीं करते। गौरतलब है कि केरल में वित्त आयोग ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लाभार्थियों के संबंध में एक समीक्षा की, जिसमें यह खुलासा हुआ कि बीएमडब्ल्यू कारों के मालिक और वातानुकूलित मकानों में रहने वाले लोग भी इस पेंशन का लाभ उठा रहे हैं। राज्य में राजपत्रित अधिकारियों और कालेज के प्रोफेसरों समेत करीब डेढ़ हजार सरकारी कर्मचारियों के फर्जी तरीके से सामाजिक सुरक्षा पेंशन हासिल करने की खबरों से लोगों में स्वाभाविक नाराजगी है।

निश्चित रूप से यह गलत तरीके से लाभ उठाने वालों के साथ राज्य के प्रशासनिक तंत्र के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत का नतीजा है। मगर सवाल है कि यह घोटाला कितने समय से और किसके संरक्षण में चलता रहा! केरल सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना गरीब तबकों के लिए शुरू की थी। इसके तहत बुजुर्ग, विधवाएं, दिव्यांग और गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को हर महीने सोलह सौ रुपए दिए जाते हैं। मगर भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर कुछ समृद्ध लोगों ने समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े गरीबों का हक चुराने में कोई संकोच नहीं किया। दरअसल, केरल के बारे में सामान्य धारणा यही है कि वहां तंत्र के स्तर पर भ्रष्टाचार के उदाहरण कम मिलते हैं और वहां का समाज भी अपेक्षया ईमानदार है। यह एक आम तस्वीर हो सकती है, मगर घोटाले का ताजा मामला यही दर्शाता है कि राज्य के प्रशासन तंत्र में भ्रष्टाचार में लिप्त या उसकी अनदेखी करने वाले लोग भी इतना प्रभाव रखते हैं कि करीब डेढ़ हजार लोग अनुचित और अवैध तरीके से वास्तविक जरूरतमंदों की हकमारी कर रहे थे।

विकास में सहभागिता से दूर युवाशक्ति

इस समय युवा पीढ़ी लगातार उपेक्षित है। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आता है। इसीलिए उनमें से कई युवा देश से पलायन का रास्ता भी तलाशते हैं। वे वैध-अवैध तरीकों से विदेश चले जाना चाहते हैं।

सुरेश सेठ

हमारे देश की आधी आबादी काम करने योग्य युवाओं की है। इस समय भारत की आबादी चीन को पछाड़ कर दुनिया में सबसे अधिक हो चुकी है। इस आबादी में कितनी युवा शक्ति हमारे पास सुरक्षित है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। विसंगति यह है कि हमारा देश पड़ोसी देशों में तेजी से बढ़ी होती हुई आबादी से थिरा हुआ है। चीन की दिक्कत है कि वहां प्रजनन दर इतनी कम हो गई है कि बुजुर्गों की संख्या युवाओं पर भारी हो रही है। अपनी कार्ययोग्य आबादी को चाक-चौबंद रखने के लिए चीन ने 'हम एक हमारा एक' का नारा छोड़ कर अधिक संतान पैदा करने के लिए अपने नागरिकों को प्रेरित किया है। हमारे देश में परिवार नियोजन एक अभियान के रूप में चल रहा है। थोड़ी-सी प्रजनन दर कम भी हुई है, लेकिन फिर भी प्रभावी युवा शक्ति की देश में कमी नहीं। मगर दुखद यह कि युवाओं को यथोचित रोजगार नहीं मिलता। उन्हें अनुकंपा से बहलाया जाता है।

देश में मुपत्तखोरी बनाम 'शाटकट संस्कृति' धीरे-धीरे पनप रही है। नौजवानों में नैतिक मूल्यों का तेजी से क्षरण हो रहा है। 'सब चलता है' का सूत्र वाक्य उनकी मनोवृत्ति पर हावी हो गया है। कोई भी लालफीताशाही से जुड़ा हुआ आम करवाना हो, तो बिचौलियों या दलालों की मदद लेनी पड़ती है। एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में सामने आया था कि यहां लोग काम की जगह आराम करना पसंद करते हैं। अलबत्ता, तरक्की करने के नारे उन्हें बहुत पसंद हैं। इनका बार-बार उत्सव मनाने से वे चूकते नहीं। ये उत्सव उन्हें सच लगें, इसलिए उनकी पेशकश पर मिथ्या आंकड़ों की मीनाकारी भी कर दी जाती है। उन्हें देश की उपलब्धियों के बारे में भाषण सुनना बहुत पसंद है। इस समय युवा पीढ़ी लगातार उपेक्षित है। उन्हें अपना भविष्य अंधकारमय नजर आता है। इसीलिए उनमें से कई युवा देश से पलायन का रास्ता भी तलाशते हैं। वैध-अवैध तरीकों से विदेश चले जाना चाहते हैं। जो नहीं जा पाते, उन्हें हथियार और नशे के सौदागर तथा आतंकवाद को पालने-पोसने वाले आकर्षक जिंदगी का लोभ देकर अपनी ओर खींचते हैं और बाकी बचे लोगों में से अधिकांश युवा अवसादग्रस्त हो जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में युवकों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ी है, क्योंकि उनको भ्रूख न मरने देने की गारंटी तो मिली है, लेकिन उनके हाथों की यथोचित काम या रोजगार का भरोसा नहीं मिला।

पिछली बार प्रधानमंत्री ने लालकिले से देश की युवा शक्ति को राष्ट्र निर्माण के लिए आह्वान किया था। अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि युवाओं को नया देश बनाने की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। प्रधानमंत्री का लक्ष्य अभी एक लाख नौजवानों को राजनीति से जोड़ उसका रंग-रंग बदल कर निर्माणत्मक राजनीति बना देने का है। इसके लिए उन्होंने एक नया कार्यक्रम शुरू करने का संकल्प भी लिया है। इसके लिए ग्यारह-बारह जनवरी को दिल्ली में 'विकसित भारत युवा नेता संवाद' होगा, जिसमें नौजवानों को उनके



अतीत से या स्वाधीनता संग्राम के बलिदानियों की कहानियों से प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत बहुत समृद्ध और राष्ट्रीयता को समर्पित है। हम इसे नौजवानों के लिए संरक्षित करेंगे, ताकि वे भी इसी रास्ते पर आगे बढ़ सकें। प्रधानमंत्री ने नौजवानों से

युवाओं को अवसर अवश्य मिलना चाहिए। ऐसे निश्चित कायदे बनाए जाएं कि उनको मेहनत का उचित मूल्य प्राप्त हो। नौजवान जब अपनी शिक्षा समाप्त कर जीवन समर में उतरे, तो उसके पीछे शोषण के सारे भयभीत करने के लिए न लगे हों। इस समय यह स्थिति है कि युवा शक्ति को तरक्की का सही मार्ग नहीं दिखाया। विद्यालयों में उनकी शिक्षा संदर्भ से अलग होती जा रही है और वे अपने आप को इस डिजिटल व्यवस्था में नाकाम पाते हैं। जल्द ही देश में शिक्षा व्यवस्था और पाठ्य पुस्तकों में बुनियादी परिवर्तन की, बदलते समय के साथ सही मार्गदर्शन देने की, लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। शिक्षा व्यवस्था अन्वेषण की ओर प्रतिबद्ध नहीं दिखती। यही कारण है कि प्रतिभावान युवक खुद को इस माहौल के अनुकूल नहीं पाते हैं। वे किसी भी किसी तरीके से विदेश भागना चाहते हैं या फिर बुराई के रास्ते को सही मान कर उसे अपना लेते हैं। प्रधानमंत्री ने देश को नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के लिए आह्वान तो कर दिया, लेकिन उन्हें रोजी-रोटी और मकान मिलने की गारंटी नहीं। इसीलिए आज युवा पीढ़ी निराश है। इसे राष्ट्र निर्माण के रास्ते पर ले जाना ही सत्ता और समाज का उद्देश्य होना चाहिए।

उभरते-संवरते भारत के लिए अपना योगदान देने के लिए कहा है। यह योगदान राजनीति में होगा, तो आज की आपाधापी से युक्त

ज्ञानेंद्रियों की यात्रा

अनिल त्रिवेदी

मनुष्यों को जन्म के साथ ही प्राकृतिक रूप से वाणी मिलती है। मनुष्यतर अन्य जीवों को भी वाणी तो किसी न किसी रूप में मिलती ही है, पर मनुष्यों में जिस रूप स्वरूप में वाणी द्वारा भाषाओं और संगीत को अपने जीवन को अभिव्यक्त करने वाले साधन के रूप में विस्तार दिया, यह बिंदु मानव सभ्यता के विकास और विस्तार का मूल है। मनुष्यों द्वारा अपने मुख से निकली ध्वनि के माध्यम से वाणी को विभिन्न भाषाओं में विकसित करना पृथ्वी के मनुष्यों का सबसे बड़ा सामूहिक कृतित्व, क्षमता या पराक्रम माना जा सकता है। वाणी, बुद्धि और विवेक के साथ ही सुनने की क्षमता अगर मनुष्य के पास न हो, तो मनुष्य बोल ही नहीं पाता। हालांकि यह क्षमता भी किसी में सामान्य, तो कहीं अलग-अलग तरीके से अमूमन सभी जीवों में होती है। वाणी होते हुए भी मनुष्य बोलना न चाहे या मौन रहना चाहे तो यह भी मनुष्य की अपनी प्राकृतिक शक्ति है।

यही बात या ध्वनि सुनने को लेकर भी है। श्रवणेंद्रिय सुनने के लिए है, पर सुनना न सुनना यह मनुष्य की इच्छा पर है। कई बार हम कुछ सुन तो रहे होते हैं, मगर उसकी ग्राह्यता पर हमारा ध्यान नहीं होता, इसलिए वह न सुनने के बराबर हो जाता है। आंखें देखने के लिए हैं, जिसे हम दृष्टि की संज्ञा देते हैं, पर इस देखने की क्षमता से अलग मनुष्य के पास एक अंतर्दृष्टि भी होती है, जिसे मन की आंखों से देखा, सोचा या प्रत्यक्षीकरण किया जा सकता है। अंतर्दृष्टि के लिए न तो प्रकाश की जरूरत होती है, न आंखों की, केवल सोच-समझ और कल्पना शक्ति से निराकार रूप से सारा कुछ सोचा, समझा और मन ही मन प्रत्यक्षीकरण किया जाता है। साकार चीजें देखने के लिए इंद्रियों की या ज्ञानेंद्रियों की क्रियाशीलता जरूरी है। पर निराकार कल्पना मन और बुद्धि का खेल है।

प्रकृति प्रदत्त ज्ञानेंद्रियों और मनुष्य की सृजनात्मक और विध्वंसात्मक प्रवृत्तियों की निरंतर जुगलबंदी ने आज की दुनिया को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है कि जहां तक पहुंच कर हम समूची सभ्यता की सृजनात्मक शक्ति बढ़ा और नष्ट-भ्रष्ट भी कर सकते हैं। अब वापस फिर प्रागैतिहासिक सभ्यता में कोई एक व्यक्ति या समूचा मानव जगत भी नहीं पहुंच सकता। फिर भी आदिम से लेकर आज तक की कई सभ्यताएं एक साथ इस पृथ्वी पर कहीं न कहीं अपने मूल अस्तित्व को बचाए रखने का अंतहीन संघर्ष करती दिखाई पड़ सकती हैं। मनुष्य कृत सभ्यताओं की समूची कहानी मनुष्य के सोच, विचार और कृतित्व का कमाल है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक और भविष्य में भी

मनुष्य ने अपने जीवन में निरंतर बदलाव करते रहने की दिशा में बढ़ते रहकर सृजनात्मक प्रवृत्तियों को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाया है, जो आज के और भविष्य के मनुष्य के सामने एक तरह से नित नई चुनौतियों की तरह आ खड़ा हुआ है। पर मनुष्य को सृजनात्मक और विध्वंसात्मक प्रवृत्तियों, दोनों को अपनाने में शायद एक अलग तरह का आनंद आता है। निरंतर चुनौतियां सामने न हों तो मानव सभ्यता को आगे बढ़ने का अवसर ही न मिले। यह सिद्धांत भी सामान्य रूप से माना जा सकता है।

मनुष्य की वाणी मूल रूप से ध्वनि के रूप में तो आमतौर पर एक समान ही प्रतीत होती है, पर किस समय किस रूप-स्वरूप और भाव के साथ वाणी का प्रयोग हुआ है, यह वाणी का प्रयोग करने वाले और वाणी को सुनने वाले मनुष्य के मध्य वाणी के प्रत्यक्षीकरण को निर्धारित करता है। भाषा से अपरिचित अबोध बालक अपनी माता या अपने पिता या अन्य निकटवर्ती संबंधियों के भाव और आशय को समझने की प्राकृतिक क्षमता रखता है। यह समूचे मनुष्य जीवन या सभ्यता की अनाखी ज्ञान क्षमता है। तो क्या दृष्टि से मिलने वाले अबोध बालक के ज्ञान और समझ की क्षमताओं के विकास का मूल मनुष्य की देखने-सुनने और समझने की क्षमताओं या प्रत्यक्षीकरण से प्रारंभ होती है? यह भी हमारे सोच-समझ का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

मानव सभ्यता में भाषाओं से ही समूची ज्ञान-यात्रा का उदय हुआ और साहित्य संस्कृति तथा सृजनात्मक सभ्यता के अंतहीन आयामों का रूप-स्वरूप मानव सभ्यता के स्थायी भाव बने। पर भाषा का ध्वनि स्वरूप और लिपि स्वरूप भी मानवीय सभ्यता का एक महत्वपूर्ण आयाम है। लिपि से जो ज्ञान-यात्रा प्रारंभ हुई, उसने समाज को दो रूप और स्वरूपों में विभाजित कर दिया। पढ़े-लिखे और बिना पढ़े-लिखे। बिना पढ़े-लिखे मनुष्य भाषा के ध्वनि-स्वरूप को तो अच्छे से समझते, जानते और बोलते हैं, पर लिपि स्वरूप को नहीं जानते या पढ़ पाते।

इस तरह ज्ञान की इस परंपरा में मानव समाज में फिर से एक भेद का उदय हुआ। प्रकृति प्रदत्त ज्ञानेंद्रियों और मनुष्य की सृजनात्मक और विध्वंसात्मक प्रवृत्तियों की निरंतर जुगलबंदी ने आज की दुनिया को एक ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया है कि जहां तक पहुंच कर हम समूची सभ्यता की सृजनात्मक शक्ति बढ़ा और नष्ट-भ्रष्ट भी कर सकते हैं। अब वापस फिर प्रागैतिहासिक सभ्यता में कोई एक व्यक्ति या समूचा मानव जगत भी नहीं पहुंच सकता। फिर भी आदिम से लेकर आज तक की कई सभ्यताएं एक साथ इस पृथ्वी पर कहीं न कहीं अपने मूल अस्तित्व को बचाए रखने का अंतहीन संघर्ष करती दिखाई पड़ सकती हैं। मनुष्य कृत सभ्यताओं की समूची कहानी मनुष्य के सोच, विचार और कृतित्व का कमाल है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक और भविष्य में भी

इंसाफ का इंतजार

'मु'

कदमों का बोझ और न्याय की गति' (लेख, 29 नवंबर) में सही मुद्दा उठाया गया है। कोई दो राय नहीं कि न्यायिक और पुलिस प्रशासन में समन्वय जरूरी है। मुकदमों का बोझ और न्याय की गति में घनिष्ठ संबंध है अर्थात् जितनी तेज गति से न्याय होगा, मुकदमों का भार खुद ही कम होता जाएगा। पीड़ितों को न्याय होता दिखना भी चाहिए अन्यथा न्यायालयों से विश्वास उठने लगेगा। न्याय में विलंब होना सचमुच चिंता का विषय है। न जाने कितने ऐसे मुकदमे हैं जिनका बरसों से निपटारा नहीं हुआ है। यही वजह है कि इंसाफ के लिए मुकदमे लड़ रहे लोग थक हार कर बैठ जाते हैं। उनका न्यायालय से भरोसा डामगामने लगता है। यह स्वाभाविक ही है, लेकिन विवेकित न्याय के लिए सिर्फ अदालतों को ही जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि पुलिस और अभियोजन का सहयोग तथा न्यायाधीशों की पर्याप्त संख्या के बिना समय पर इंसाफ मिथान संभव नहीं है। शासन की जवाबदेही है कि जजों के रिक्त पदों की पूर्ति प्राथमिकता से की जाए। पुलिस प्रशासन में सियासी हस्तक्षेप समाप्त हो, तभी न्याय प्रणाली में किए जा रहे सुधार कारगर होंगे। नहीं तो स्थिति स्थगित ही रहेगी।



- बीएल शर्मा 'अकिंचन' उज्जैन

विपक्ष की भूमिका

विपक्षी दल चाहते हैं कि न्यायपालिका विपक्ष की भूमिका में रहे। मगर यह कैसे संभव है। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है। न्यायपालिका कानून की समीक्षा करने के लिए है। लोगों को यह नहीं सोचना चाहिए कि संसद या विधानसभाओं की तरह विपक्ष जैसी भूमिका न्यायपालिका भी निभाएगी। प्रधान न्यायाधीश का यह कहना सही है कि न्यायपालिका का कार्य किसी भी कानून की

बैं

क में ग्राहकों की केवाईसी अद्यतन करवाने के लिए लोगों को कई बार बैंकों में जाना पड़ता है। अगर केवाईसी दस्तावेज बैंक में जमा नहीं किए जाते हैं, तो ग्राहकों को खातों के इस्तेमाल से रोक दिया जाता है या निर्लंबित कर दिया जाता है। बंद हुए खातों के संचालन के लिए दोबारा केवाईसी अद्यतन करवानी पड़ती है। मुद्दा यह है कि खाता खोलते समय बैंक ग्राहकों से कुछ दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि पहले ही मांग लेते हैं, तो फिर बाद में

- वेद प्रकाश, गुफ्राम

प्रेक पहल

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान महत्वपूर्ण पहल है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना, बल्कि समाज में समानता, शिक्षा और सम्मान के लिए एक नई सोच विकसित करना भी है। बाल विवाह प्राचीन प्रथा है, जो लड़कियों के शारीरिक, मानसिक और शैक्षिक विकास को बाधित करती है। इसका मूल कारण शिक्षा का अभाव, गरीबी और रूढ़िवादी सोच है। इस प्रथा के कारण लड़कियां न केवल शिक्षा से वंचित होती हैं, बल्कि उनके स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता के अवसर भी सीमित हो जाते हैं। बाल विवाह से उपजे दुष्प्रभाव केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहते, बल्कि यह समाज की प्रति में भी अवरोध पैदा करते हैं। 'बाल विवाह मुक्त भारत अभियान' का उद्देश्य लड़कियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वतंत्रता के अधिकारों का पूरा लाभ देना है।

- आरके जैन 'अरिजीत', बड़वानी



6 दिसंबर - विवाह पंचमी
7 दिसंबर - चम्पा पक्षी
8 दिसंबर - भानु सप्तमी
11 दिसंबर - मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती और गुरुवायु

12 दिसंबर - मत्स्य द्वादशी
14 दिसंबर - दत्तात्रेय जयंती
15 दिसंबर - अन्नपूर्णा जयंती और त्रिपुर भैरवी जयंती, धनु संक्रांति, मार्गशीर्ष पूर्णिमा

7	14	21	28	
1	8	15	22	29
2	9	16	23	30
3	10	17	24	31
4	11	18	25	

पवित्र व शक्तिशाली बंधन कलावा

पवन गौतम

मौली या कलावा बांधना वैदिक परंपरा का हिस्सा है। यज्ञ के दौरान कलावा बांधे जाने की परंपरा तो पहले से ही रही है, लेकिन इसको संकल्प सूत्र के साथ ही रक्षा-सूत्र के रूप में तब से बांधा जाने लगा, जब से असुरों के दानवीर राजा बलि की अमरता के लिए भगवान वामन ने उनकी कलाई पर रक्षा-सूत्र बांधा था। इस रक्षाबंधन का भी प्रतीक माना जाता है, जब देवी लक्ष्मी ने राजा बलि के हाथों में अपने पति की रक्षा के लिए यह बंधन बांधा था। कलावा हर हिन्दू बांधता है। इसे मूलतः 'रक्षा सूत्र' कहते हैं। 'मौली' का शाब्दिक अर्थ है सबसे ऊपर। मौली का तात्पर्य सिर से भी है। मौली को कलाई में बांधने के कारण इसे कलावा कहा जाता है। शंकर भगवान के सिर पर चंद्रमा विराजमान है इसलिए उन्हें चंद्रमौली भी कहा जाता है। मौली सूत से बनाई जाती है। इसमें मूलतः तीन रंग के धागे होते हैं- लाल, पीला और हरा। लेकिन, कभी-कभी यह पांच धागों की भी बनती है, जिसमें नीला और सफेद रंग अतिरिक्त होता है। तीन और पांच का मतलब त्रिदेव या पंचदेव है। मौली को हाथ की कलाई, गले और कमर में बांधा जाता है। इसके अलावा मन्त्र के लिए किसी देवी-देवता के स्थान पर भी बांधा जाता है। जब मन्त्र पूरी हो जाती है तो इसे खोल दिया जाता है। इसे घर में लाई गई नई वस्तु को भी बांधा जाता और इसे पशुओं को भी बांधा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में कलावा बांधना चाहिए। विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में कलावा बांधने का नियम है। जिस हाथ में कलावा बांधा रहे हो, उसकी मुट्ठी बंधी होनी चाहिए और दूसरा हाथ सिर पर होना चाहिए। मौली कहीं पर भी बांधें, एक बात का हमेशा ध्यान रहे कि इस सूत्र को केवल तीन बार ही लेपटना चाहिए। साथ ही, इसके बांधने में वैदिक रीति का प्रयोग करना चाहिए।

त्योहारों के अलावा किसी अन्य दिन कलावा बांधने के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन शुभ माना जाता है। हर मंगलवार और शनिवार को पुरानी मौली को उतारकर नई मौली बांधना उचित माना गया है। उतारी हुई पुरानी मौली को पीपल के वृक्ष के पास रख दें या किसी बहते हुए जल में बहा दें। प्रतिवर्ष की संक्रांति के दिन, यज्ञ की शुरुआत में, कोई इच्छित कार्य के प्रारंभ में, मांगलिक कार्य तथा विवाह आदि हिन्दू संस्कारों के दौरान मौली बांधी जाती है।

मौली बांधने के तीन कारण हैं। पहला आध्यात्मिक, दूसरा चिकित्सीय और तीसरा मनोवैज्ञानिक। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत करते समय या नई वस्तु खरीदने पर हम उसे मौली बांधते हैं ताकि वह हमारे जीवन में शुभता प्रदान करे। हिन्दू धर्म में प्रत्येक धार्मिक कर्म यानी पूजा-पाठ, उद्याटन, यज्ञ, हवन व संस्कार आदि के पूर्व पुरोहितों द्वारा यजमान के दाएं हाथ में मौली बांधी जाती है। इसके अलावा पालतू पशुओं में हमारे गाय, बैल और भैंस को भी पडुवा, गोवर्धन और होली के दिन मौली बांधी जाती है। इसका वैदिक नाम उप मणिबंध भी है। हाथ के मूल में तीन रेखाएं होती हैं, जिनको मणिबंध कहा जाता है। भाग्य व जीवनरेखा का उद्गम स्थल भी मणिबंध ही है। इन तीनों रेखाओं में दैहिक, दैविक व भौतिक जैसे त्रिविध तापों को देने व मुक्त करने की शक्ति रहती है।



परंपरा

मौली बांधने से उसके पवित्र और शक्तिशाली बंधन होने का अहसास होता रहता है और इससे मन में शांति और पवित्रता बनी रहती है। व्यक्ति के मन और मस्तिष्क में बुरे विचार नहीं आते और वह गलत रास्तों पर नहीं भटकता है। कई मौलों पर इससे व्यक्ति गलत कार्य करने से बच जाता है।

एक प्राचीन कथा के अनुसार इंद्र देवता ने अपने शत्रुओं पर विजय पाने के लिए इस रक्षा सूत्र का इस्तेमाल किया था। उन्होंने अपने हाथ में कलावा बांधकर ही शत्रुओं से युद्ध में विजय प्राप्त की थी।

इन मणिबंधों के नाम शिव, विष्णु व ब्रह्मा हैं। इसी तरह शक्ति, लक्ष्मी व सरस्वती का भी यहां साक्षात वास रहता है। जब हम कलावा का मंत्र रक्षा के लिए कलाई में बांधते हैं तो यह तीन धागों का सूत्र त्रिदेवों व त्रिशक्तियों को समर्पित हो जाता है। इससे रक्षा-सूत्र धारण करने वाले प्राणी की सब प्रकार से रक्षा होती है। इस रक्षा-सूत्र को संकल्पपूर्वक बांधने से व्यक्ति पर मारण, मोहन, विद्वेषण, उच्चाटन, भूत-प्रेत और जादू-टोने का असर नहीं होता है। शास्त्रों के अनुसार, मौली द्वारा ब्रह्मा की कृपा से कीर्ति, विष्णु की कृपा से रक्षा तथा शिव की कृपा से दुर्गुणों का नाश होता है। इसी प्रकार लक्ष्मी से धन, दुर्गा से शक्ति एवं सरस्वती की कृपा से बुद्धि प्राप्त होती है। यह मौली किसी देवी या देवता के नाम पर भी बांधी जाती है। इससे संकटों और विपत्तियों से व्यक्ति की रक्षा होती है। मौली बांधकर किए गए संकल्प का उल्लंघन करना अनुचित और संकट में डालने वाला सिद्ध हो सकता है। यदि आपने किसी देवी या देवता के नाम की मौली बांधी है तो उसकी पवित्रता का

'मौली' का शाब्दिक अर्थ है सबसे ऊपर। मौली का तात्पर्य सिर से भी है। मौली को कलाई में बांधने के कारण इसे कलावा कहा जाता है। शंकर भगवान के सिर पर चंद्रमा विराजमान है इसलिए उन्हें चंद्रमौली भी कहा जाता है। मौली सूत से बनाई जाती है। इसमें मूलतः तीन रंग के धागे होते हैं- लाल, पीला और हरा। लेकिन, कभी-कभी यह पांच धागों की भी बनती है, जिसमें नीला और सफेद रंग अतिरिक्त होता है। तीन और पांच का मतलब त्रिदेव या पंचदेव है। मौली को हाथ की कलाई, गले और कमर में बांधा जाता है। **शास्त्रों** के अनुसार पुरुषों एवं अविवाहित कन्याओं को दाएं हाथ में कलावा बांधना चाहिए। विवाहित स्त्रियों के लिए बाएं हाथ में कलावा बांधने का नियम है।

एक अन्य कथा के अनुसार असुरों के राजा बलि ने अपनी रक्षा के लिए भी कलावा का इस्तेमाल किया था। प्राचीन काल में जब राजा महाराजा युद्ध में जाते थे तब उनकी पत्नियों हाथों में कलावा बांधकर उनकी रक्षा का वचन लेती थीं और ईश्वर से उनकी जीत की प्रार्थना करती थीं।

ज्योतिष के अनुसार आप जब भी किसी पूजा पाठ में सम्मिलित हों, किसी भी धार्मिक स्थल से वापस आएं या किसी बड़े काम के लिए घर से बाहर निकलें तब रक्षासूत्र या कलावा अवश्य बांधवाएं। ये धागे आपके भीतर के चक्रों को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

ध्यान रखना भी जरूरी हो जाता है। कमर पर बांधी गई मौली के संबंध में विद्वान लोग कहते हैं कि इससे सूक्ष्म शरीर स्थिर रहता है और कोई दूसरी बुरी आत्मा आपके शरीर में प्रवेश नहीं कर सकती है। बच्चों को अक्सर कमर में मौली बांधी जाती है। यह काला धागा भी होता है। इससे पेट में किसी भी प्रकार के रोग नहीं होते। कलाई, पैर, कमर और गले में मौली बांधे जाने के चिकित्सीय लाभ भी हैं। इससे त्रिदोष अर्थात् वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। पुराने वैद्य और घर-परिवार के बुजुर्ग लोग हाथ, कमर, गले व पैर के अंगुठों में मौली का उपयोग करते थे। रक्तचाप, हृदयाघात, मधुमेह और लकवा जैसे रोगों से बचाव के लिए मौली बांधना हितकर बताया गया है। शरीर की संरचना का प्रमुख नियंत्रण हाथ की कलाई में होता है अतः यहां मौली बांधने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है। उसकी ऊर्जा का ज्यादा क्षय नहीं होता है। शरीर के कई प्रमुख अंगों तक पहुंचने वाली नसें कलाई से होकर गुजरती हैं। कलावा बांधने से इन नसों की क्रिया नियंत्रित रहती है।

राजेश कुमार चौहान

भगवान श्री कृष्ण ने मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। इस उपलक्ष्य में हर वर्ष 11 दिसंबर को गीता जयंती मनाई जाती है। गीता सार पढ़ने और सुनने से ही व्यक्ति संसार की झूठी मोहमाया के जंजाल से छूट जाता है और अपने सांसारिक जीवन को मानवता की सेवा में लगाकर पुण्यकर्म करता है। गीता के अध्याय 06 श्लोक नं. 40 में है कि, पार्थ नैवेह नामुत्र विनाशस्तस्य विद्यते। न हिं कल्याणकृतकश्रीद दुर्गतिं तात गच्छति।। अर्थात् जो व्यक्ति सदा जन कल्याण के लिए ही कार्य करता रहता है, उसका इस लोक व परलोक में कहीं भी विनाश नहीं होता तथा न ऐसा भलाई करने वाला व्यक्ति कभी भी किसी से पराजित होता है।

भीष्म पितामह जब बाण शैष्या पर लेते थे, तब उन्होंने श्रीकृष्ण से पूछा था कि मुझे यह किस पाप की सजा मिल रही कि मुझे बाण शैष्या पर लेटना पड़ रहा है, जबकि मैंने पिछले 100 जन्मों तक शायद कोई पाप नहीं किया है, इस पर श्रीकृष्ण ने उन्हें बताया कि आप 101वें जन्म में जब शिकार करके लौट रहे थे, उस वक्त एक कर्कट पक्षी आपके रथ से गलती से टकरा गया था। इस पर आपने उसे अपने बाण से नीचे गिरा दिया था। यह आपका अब तक आपका पीछा कर रहा है। इसलिए हमें ज़िंदगी में हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए, ताकि हमारा भाग्य हर जन्म में हमारा साथ दे। जिस तरह हम उबलते पानी में अपना चेहरा नहीं देख सकते, उसी तरह हमें घमंड में न तो दूसरों की अच्छाइयां दिखती हैं और न ही अपने बुरे कर्मों को करने की बुरी आदतें। घमंड के कारण कुछ लोगों की बुद्धि इस तरह भ्रष्ट हो जाती है कि उन्हें लगता है कि मैं ही दुनिया में सबसे समझदार और अमीर जादा हूँ।

कहते हैं कि इनसान दुनिया में खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है। लेकिन शायद यह भी सत्य है कि इनसान अपने कर्मों को साथ लेकर दुनिया में आता है और कर्मों को लेकर ही जाता है। जब सभी यह जानते हैं कि दुनिया से धन, दौलत आदि कुछ साथ नहीं लेकर जाना है, अच्छे-बुरे कर्मों को ही साथ

गीता जयंती



जो व्यक्ति सदा जन कल्याण के लिए ही कार्य करता रहता है, उसका इस लोक व परलोक में कहीं भी विनाश नहीं होता तथा न ऐसा भलाई करने वाला व्यक्ति कभी भी किसी से पराजित होता है।

लेकर जाना है तो, फिर धन, दौलत का घमंड क्यों? क्यों धन, दौलत के अहंकार में आकर या फिर इसे पाने के लिए बेईमानी, हेराफेरी क्यों? क्यों धन, दौलत के अहंकार में अपने बड़प्पन की अहंकारी बातों से किसी को परेशान करना? क्यों ऐसा करके पापकर्मों का भगीवार बनना? लेकिन शायद धन, दौलत के अहंकार के वशीभूत होकर इनसान को अच्छे-बुरे का भान नहीं रह जाता। लेकिन अहंकारी लोगों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि समय कभी भी करवट ले सकता है। समय राजा को रूंक बना सकता है।

आज कुछ लोग में की संकीर्ण मानसिकता पाले बैठे हैं। ऐसे लोग इस झूठे भ्रम में भी रहते हैं कि मैं सबसे समझदार, अमीर और सच्चा हूँ, मेरे बिना किसी दूसरे का कोई काम नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी संकीर्ण मानसिकता वालों को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि मैं का अहंकार रावण और कंस के सपरिवार विनाश का कारण बना था।

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को अपनी किसी भी ताकत, चाहे वो धन, दौलत, ज्ञान, सत्ता, शरीर आदि का कभी भी घमंड नहीं करना चाहिए, क्योंकि इन फरेबी शक्तियों के कारण इनसान मानवता से गिर जाता है, और बुरे कर्मों की राह अग्रसर हो जाता है। बुरे कर्म दुख का कारण एक दिन जरूर बनते हैं।

प्रार्थना



बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बंगलुरु के इस्कान मंदिर में रविवार को प्रार्थना करते हुए श्रद्धालु।

जीवन को दिव्यता प्रदान करती है दिव्य ध्वनि

राजेंद्र कुमार शर्मा

विश्व की विभिन्न धार्मिक आस्थाओं और संस्थाओं ने सर्वशक्तिमान परम तत्व को उसके प्रेम में अभिभूत हो कर उसे अलग अलग नामों से संबोधित किया है। प्रत्येक धर्म ने एक निराकर परम शक्ति के अस्तित्व को स्वीकारा है, जिसके कारण पूरा ब्रह्मांड चलायमान हैं। सभी धर्मों ने शब्द, वचन या वाणी तथा एक अदृश्य प्रकाश को इस परम शक्तिमान परमात्मा के समतुल्य माना है। इस प्रकाश और ध्वनि से साक्षात्कार सिर्फ उन भाग्यशाली साधकों से होता है जो प्रेम, कृतज्ञता और समर्पण की भावना से ओत प्रोत रहते हैं।

दिव्य ध्वनि या दिव्यवाणी
ऐसी मान्यता है कि जब वर्धमान महावीर को निर्वाण की प्राप्ति हो गई, उसके साथ ही उनकी सभी दुखों की कारक तुष्णाएं बुझ गईं, वासनार् शांत हो गईं। सभी आंतरिक विकारों से मुक्ति ही निर्वाण है। उनकी निर्मल आत्मा, अनंत ज्ञान के प्रकाश से ज्योतिमय हो उठी। उनके सर्वांग से एक आध्यात्मिक ध्वनि रूपी ऑंकार शब्द का उदय हुआ जिसे दिव्यध्वनि कहा गया। इसी दिव्य ध्वनि की चर्चा सभी धर्मों में अलग अलग रूपों में की गई है। कुछ जैन विद्वानों ने इसे शब्द ब्रह्म कहकर संबोधित किया है। दिव्य ध्वनि मोक्षार्थी के मन में स्थित मोहरूपी अधकार को नष्ट करती हुई, सृष्टि के



शब्द शक्ति

समान सुशोभित होती है।

प्रकृति :

जब हम किसी भी भाषा में कोई वर्णात्मक शब्द या वचन बोलते हैं या सुनते हैं तो वह बाह्य मुख द्वारा बोला जाता है और बाह्य कानों द्वारा सुना जाता है। पर दिव्य ध्वनि या दिव्य वाणी वर्णात्मक न होकर धुनात्मक होती है। इसने तो बाह्य मुख से बोला जाता है और न ही बाह्य कानों से सुना जाता है। यह तो वह आंतरिक वाणी है जो हमारे आंतरिक मुख से उत्पन्न होती है और आंतरिक कानों द्वारा ही सुनी जाती है। जो सिर्फ ध्यान में ही संभव है। दिव्य वाणी, मेधों की गर्जना और प्रकाश रूपी दिव्यशक्ति से ओत प्रोत रहती है और इसको धारण करने वाला या अभ्यास करने वाला, उसी दिव्यशक्ति का स्वामी बन जाता है।

दिव्य ध्वनि एक, नाम अनेक :

दिव्यवाणी, शब्द ब्रह्म, नाद, शब्द, कलाम अल्लाह, लीगोस आदि उसी एक दिव्य ध्वनि के अलग अलग नाम हैं, जिसका प्रयोग अलग अलग धार्मिक मान्यताओं या आस्थाओं में विश्वास रखने वालों ने अपने अपने तरीके से किया। हिंदू संतों ने इसे नाद का नाम दिया तो सिखों ने शब्द या गुरुवाणी कह दिया। सभी धार्मिक मान्यताएं इस एक शब्द पर आकर एक दूसरे में विलीन होती प्रतीत होती हैं, जो बाहरी तौर पर अलग अलग दृष्टिगोचर हो रहा था वह एक ही है। यही दिव्य ध्वनि ही उस परम पिता परमात्मा का स्वरूप है, जिसकी खोज हर धर्म के साधक को है।

प्रभाव :

यह दिव्य ध्वनि या दिव्यवाणी उस पवित्र जल के समान है जो हमारे मन की समस्त मैल को धोने की क्षमता रखता है। यही संसार रूपी समुद्र से पार होने का मार्ग है। बंधन मुक्त गुरु और परमपिता के मुख से निकली हुई दिव्य वाणी के बिना मुक्ति संभव नहीं होती।उपनिषदों में भी दिव्य ध्वनि या अनाहत नाद को मन को वचन में करने वाला अचूक नुस्खा माना है। नादबिन्दुपनिषद् में वर्णित है कि यह मन रूपी आंतरिक विकार, अनाहत नाद या दिव्य ध्वनि को ग्रहण कर, सुहावने नाद की गंध से बंध कर तत्काल सभी इच्छाओं और वासनाओं का परित्याग कर, संसार की भूलकर यह एकाग्र हो, स्थिर हो जाता है। निरन्तर नाद का अभ्यास करने से वासनार् कमजोर हो जाती हैं, मन और प्राण निराकार ब्रह्म में विलीन हो जाते हैं।

सगुण शक्ति की स्रोत हैं माता सीता

मयंक मुरारी

जीवन का पाथेय अगर श्रीराम हैं तो उन तक पहुंचने का पथ केवल माता सीता हैं। वह श्री राम की लीला सहचरी हैं। माता सीता के उदात्त जीवन चरित्र पर ही श्रीराम की पूरी जीवन लीला आधारित है। जनकनंदनी की सगुण शक्ति ही याव्यजीवन प्रभु के कर्मों का पूरा भार उठाती है और कभी उफ भी नहीं करती है। वह हरेक दुख और लांछन को सहती हैं। उनके चरित्र की सहशीलता की असीम गहराई के कारण ही सदियों से भारतीय जनमानस रामगाथा का अवगाहन और अनुशीलन कर रहा है। माता के चरणों की वंदना करते हुए मानस में कहा गया है-सती सिरमेनि सिय गुणाथा। सोई गुन अमल अनूप पाथा।। रामकथा की जो गंगा बह रही है, उसकी निर्मलता सीता के अनुपम गुणों के कारण है। नदियां किनारी भी पवित्र हों, निर्मल नहीं होंगी तो उनके समीप लोग जाने से सकुचापें।जनकनंदनी को रामायण के शब्द और पाठ से

समझना मुश्किल है। माता के जगतजननी के रूप को केवल गहरे ध्यान में ही समझा जा सकता है। प्रभु के चरित्र की मर्यादा को माता सीता की शाश्वत शक्ति के कारण ही स्थायी भाव मिला। अपने जन्म के साथ ही माता जानकी की जीवन यात्रा दो हिस्सों में बंट गई। वह सदैव ऋत (धर्म, विवेक, प्रज्ञा) और सत्य के दो किनारों पर चलती रही। माता के मातृत्व भाव को दिल में संजोये रखा। उनके जीवन में धरती माता का हिस्सा था, जिसके कारण उनमें टोस यथार्थ के गुणों वास रहा।

दूसरी ओर राजर्षि जनक रूपी आकाश के कारण उनका चित्त सदैव ऊर्ध्वगामी रहा। लोक की चिंता के साथ ही प्रजा के शिखर की यात्रा केवल जनक की नंदनी के लिए ही संभव था। वह सदैव ही कर्म और धर्म के संतुलन के लिए समन्वय और सहयोग करती रही। जिसके कारण ही राम ने जीवन में नायक की मर्यादा निर्भाई और ईश्वरीय सत्त को स्वयं के माध्यम से उदघाटित किया। यह महासंतुलन का कार्य माता सीता के समन्वय और सहयोग के कारण ही संभव हो सका। रामविहीन होकर सीता के लिए जीना कठिन था, तो

रामसीता विवाह



सीताविहीन राम की कल्पना भी संभव नहीं। सीता रूपी आधार के धरती में समाते ही श्री राम ने सरयू में समाधि लेकर

माता के मार्ग का ही अनुसरण किया। राम जब मर्यादा का, संयम का और संतुलन का उद्यम कर रहे थे, तब उस संतुलन की डोर को माता ने ही थाम रखा था। वनवास के दौरान माता ने सती अनुसुइया से कहा कि आप मुझे इन चौदह वर्षों के वनवास के दौरान अपनी देह और मन के प्रति सच्चा रहने का बल व आशीष प्रदान करें। माता सीता ने सती अनुसुइया के आशीष को संवल बनाया और सदैव ही अपने सतीत्व को सहज रूप से लिया। देह का न दमन किया और न ही दमन के लिए विचार को आने दिया। माता ने सदैव ही अधुरूपेण को भरने का सफल प्रयास किया।

श्रीराम सदैव सत्कर्म पर रहे, इसके लिए उनको विकसित करने में आधार भूमि के रूप में स्वयं की प्रस्तुत किया। यह उनके चरित्र की निर्मलता का प्रताप था। उनके जीवन में योग और भोग, सुख और दुख दोनों का एक खेल से ज्यादा महत्त्व नहीं रहा। वह हर स्थिति में एकरस रही। वे जगतजननी हैं। सबका कल्याण ही उनके स्वभाव का आधिभाज्य भाव है। माता का आचरण त्याग का आचरण है। वे सदैव दूसरे के लिए विसर्जित होने को तत्पर हैं। राम के साथ सीता का वन

में जाना परमार्थ कार्य था। उन्होंने राम के दुख में सहभागी होने में ही पत्नी का सुख समझा। प्रसन्न होकर दुख झेलने से ही जीवन में आदर्श आता है। व्यक्ति की दिव्यता निखरती है और व्यक्ति स्वयं को ऊंचा उठाता है। राम और सीता दोनों ने तुच्छ सुख के लिए आचरण की क्षुद्रता का वरण नहीं किया। मानव जीवन में श्रेष्ठ आचरण की गरिमा को प्रतिष्ठित किया।

सत्य को स्वीकारना सहज नहीं होता है। लेकिन माता सीता का व्यक्तित्व ही सत्य पर आधारित है। राजा जनक को खेत में पहला सत्य मिला। उन्होंने उसे स्वीकार किया। श्रम आधारित अनुभव ही पहला सत्य होता है। फिर जीवन भर उस सत्य का सामना माता करती रहीं। सामान्यतः लोगों को जीवन में एक दो बार सत्य का अनुभव होता है लेकिन उसको हम धारण नहीं कर पाते हैं। माता सीता जीवन भर न केवल सत्य को संभाला और उसको गहरा किया, बल्कि सुंदरता भी प्रदान की। यह माता के सत्य का सौंदर्य था कि प्रभु श्री राम उस सुवास के प्रति सदैव एकनिष्ठ समर्पित रहे। राम ने कभी सीता के सुवास को अपने जीवन से मिटने नहीं दिया, तब भी जब अश्वमेध के समय दूसरा विवाह को अपरिहार्य बताया गया।

8 जनसत्ता | 2 दिसंबर, 2024 |

संभल जामा मस्जिद मामले में पुरातत्त्व दल ने इमारत से छेड़छाड़ का दावा किया, कहा मस्जिद का नियंत्रण व प्रबंधन हमें सौंपा जाए

संभल, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण की अनुमति देने वाली अदालत में अपना जवाब दाखिल कर दिया है, जिसमें एएसआइ ने मुगलकालीन मस्जिद को संरक्षित विरासत संरचना बताते हुए उसका नियंत्रण व प्रबंधन सौंपने का अनुरोध किया है।

एएसआइ का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील विष्णु शर्मा ने रविवार को बताया कि शुक्रवार को एएसआइ ने अपना जवाब दाखिल किया है, जिसमें कहा गया है कि स्थल का सर्वेक्षण करने में उसे मस्जिद की प्रबंधन समिति और स्थानीय निवासियों से प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। जवाब में 19 जनवरी 2018 की एक घटना का भी जिक्र किया गया है जब मस्जिद की सीढ़ियों पर मनमाने तरीके से स्टील की रेलिंग लगाने के लिए मस्जिद की प्रबंधन समिति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। साल 1920 से एएसआइ के संरक्षित स्थल के

वक्फ की संपत्तियों पर अनधिकृत कब्जे का मामला

संसदीय समिति ने मांगी राज्यों से जानकारी

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति ने विभिन्न राज्य सरकारों से उन वक्फ संपत्तियों की सत्यता और अद्यतन विवरण के बारे में जानकारी मांगी है, जिन पर सच्चर समिति के अनुसार उन्होंने अनधिकृत तरीके से कब्जा कर रखा है। रविवार को सुत्रों ने यह जानकारी दी। हाल ही में संसदीय समिति का कार्यकाल लोकसभा द्वारा अगले बजट सत्र के अंतिम दिन तक बढ़ा दिया गया है।

समिति ने राज्यों से वक्फ अधिनियम की धारा 40 का इस्तेमाल करते हुए वक्फ बोर्डों द्वारा दावा की गई संपत्तियों का विवरण भी मांगा

घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ की दो और बटालियन जम्मू में तैनात

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू क्षेत्र में पाकिस्तान से घुसपैठ रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। बीएसएफस ने क्षेत्र में हाल में बढ़ी आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जम्मू क्षेत्र में 2,000 से अधिक कर्मियों वाली दो नई बटालियन तैनात की हैं।

बीएसएफ के अधिकारियों ने बताया कि इन बटालियन के जवानों को पाकिस्तान से सटी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की तैनाती वाले स्थान के ठीक पीछे ‘रक्षा की दूसरी पंक्ति’ के रूप में तैनात किया गया है।

बल की इन दो बटालियन को हाल में

पेज 1 का बाकी

डालर इस्तेमाल नहीं किया तो लगेगा 100% शुल्क

शामिल नहीं रहा है। ट्रंप ने शनिवार को ब्रिक्स देशों को अपनी मुद्रा लाने के किसी भी कदम को लेकर आगाह किया। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच ‘ट्रथ सोशल’ पर लिखा, ‘ब्रिक्स देश डालर से दूर जाने की कोशिश करें और हम मूकदर्शक बनकर देखते रहें, वह दौर अब समाप्त हो चुका है।’

उन्होंने कहा, ‘हम चाहते हैं कि वे देश वादा करें कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डालर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन पर 100 फीसद शुल्क लगाया जाएगा और उन्हें अद्भुत अमेरिकी बाजारों में अपना सामान बेचने की उम्मीद छोड़ देनी होगी।’ ट्रंप की इस चेतावनी को लेकर शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) ने कहा है कि यह चेतावनी अवास्तविक है। शोध संस्थान

विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप अपने को ढाले पुलिस

धोखाधड़ी, साइबर अपराध और एआइ प्रौद्योगिकी से उत्पन्न संभावित खतरों का प्रतिकार करने के लिए पुलिस नेतृत्व से भारत की कुत्रिम बुद्धिमत्ता और आकांक्षी भारत की दोहरी एआइ शक्ति का उपयोग करके चुनौती को अवसर में बदलने का आ’न किया। मोदी ने शहरी पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए कदमों की सराहना करते हुए सुझाव दिया कि प्रत्येक पहल को एकीकृत किया जाए और देश के 100 शहरों में पूरी तरह से लागू किया जाए। उन्होंने ‘स्मार्ट’ पुलिसिंग के मंत्र का विस्तार किया और पुलिस से रणनीतिक, सतर्क, अनुकूलनीय, विश्वसनीय और पारदर्शी बनने का आह्वान किया।

‘स्मार्ट’ पुलिसिंग का विचार प्रधानमंत्री द्वारा 2014 में गुवाहाटी में आयोजित सम्मेलन में पेश किया गया था। इसमें भारतीय पुलिस को सख्त और संवेदनशील, आधुनिक और मोबाइल, सतर्क और जवाबदेह, विश्वसनीय और



रूप में अधिसूचित शाही जामा मस्जिद एएसआइ के अधिकार क्षेत्र में है इसलिए एएसआइ के नियमों का पालन करते हुए लोगों को मस्जिद में दाखिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए। एएसआइ का तर्क है कि इमारत का नियंत्रण व प्रबंधन तथा किसी भी तरह का संरचनात्मक बदलाव का अधिकार एएसआइ

के पास ही रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि एएसआइ ने यह चिंता भी जताई कि प्रबंध समिति द्वारा मस्जिद के ढांचे में अनधिकृत परिवर्तन गैरकानूनी है और इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। आने वाले दिनों में अदालत द्वारा इस मामले पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। 24 नवंबर को संभल में स्थानीय

है। धारा 40, जो 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्र) सरकार के कार्यकाल के दौरान किया गया संशोधन है, मौजूदा कानून के सबसे विवादित तथ्यों में से एक है क्योंकि इसने वक्फ बोर्डों को यह निर्णय लेने की शक्ति दी है कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं।

प्रस्तावित कानून में मौजूदा अधिनियम में कई अन्य बदलाव करते हुए इस शक्ति पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है।संसदीय समिति ने सच्चर समिति द्वारा उन वक्फ संपत्तियों के बारे में उठाए गए बिंदुओं पर अद्यतन जानकारी मांगने का निर्णय लिया है, जो राज्य सरकारों या उनकी आधिकारिक एजंसियों के कथित तौर पर अनधिकृत कब्जे में हैं।

ओड़ीशा के नक्सल-रोधी अभियान क्षेत्र से हटा लिया गया था और अब इन्हें पूरी तरह से जम्मू क्षेत्र में तैनात कर दिया गया है।

सूत्रों ने बताया कि यह कार्य सर्दियों के शुरू होने से पहले पूरा किया जाना था, जब पाकिस्तान से होने वाली घुसपैठ के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। नई इकाइयों के कर्मियों को सांबां, जम्मू क्षेत्र के अन्य संवेदनशील इलाकों और पंजाब सीमा पर तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों की सुविधा से लैस अनेक तैनाती बिंदु बनाए गए हैं। बीएसएफ भारत के पश्चिमी भाग में जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरने वाली 2,289 किलोमीटर से अधिक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की रक्षा करता है।

जीटीआरआइ ने रविवार को यह विचार रखते हुए कहा कि भारत को एक व्यावहारिक स्थानीय मुद्रा व्यापार प्रणाली विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। जीटीआरआइ ने कहा कि इस पैमाने पर शुल्क से केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही नुकसान होगा क्योंकि इससे आयात की कीमतें बढ़ेंगी, वैश्विक व्यापार बाधित होगा और प्रमुख व्यापारिक साझेदारों से प्रतिशोध का जोखिम होगा। जीटीआरआइ के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, ‘भारत का सर्वोत्तम हित न तो अमेरिकी डालर के प्रभुत्व में है और न ही इस समय ब्रिक्स मुद्रा को पूरी तरह अपनाने में है। अपने स्वयं के वित्तीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाकर, भारत वैश्विक व्यापार की बदलती गतिशीलता को बेहतर ढंग से संचालित कर सकता है।’

उत्तरदायी, तकनीक-प्रेमी और प्रशिक्षित (स्मार्ट) बनाने के लिए प्रणालीगत परिवर्तनों की परिकल्पना की गई है। समेलन में नव-अभिनियमित प्रमुख फौजदारी कानूनों के कार्यान्वयन, पुलिसिंग में पहल और सर्वोत्तम प्रथाओं तथा पड़ोस में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा को अटकलों पर शिंदे ने कहा कि बातचीत चल रही है। पिछले समाह दिल्ली में (केंद्रीय मंत्री) अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। अब हम तीनों गठबंधन सहयोगी सरकार गठन की बारीकियों पर चर्चा करेंगे। भाजपा ने अभी तक अपने विधायक दल के नेता की घोषणा नहीं की है। हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हम लोगों के हित में निर्णय लेंगे। मेरे रुख को दोहराने की कोई जरूरत नहीं है।

राकांपा प्रमुख अजित पवार ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राकांपा से

न्यायिक आयोग के सदस्यों ने किया प्रभावित क्षेत्रों का दौरा
उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले महीने शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग के दो सदस्यों ने रविवार को मस्जिद सहित शहर के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा किया। आयोग के प्रमुख एवं इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा और सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी अरविंद कुमार जैन ने कड़ी सुरक्षा के बीच मस्जिद के पास कोर्ट गयी इलाके का दौरा किया। आयोग के तीसरे सदस्य पूर्व आइएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद मौजूद नहीं थे। मुरादाबाद के मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि आज जांच आयोग के अध्यक्ष और एक अन्य सदस्य ने घटनास्थल का दौरा किया। उनका मुख्य उद्देश्य स्थल का निरीक्षण करना था। उन्होंने उन क्षेत्रों का दौरा किया जहां गड़बड़ी हुई थी। टीम ने घटनास्थल एवं मस्जिद की जांच की और हाई मौजूद कुछ लोगों से बात की। टीम फिर से दौरा करेगी और दौरे का पूरा कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

के पास ही रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि एएसआइ ने यह चिंता भी जताई कि प्रबंध समिति द्वारा मस्जिद के ढांचे में अनधिकृत परिवर्तन गैरकानूनी है और इस पर रोक लगाई जानी चाहिए। आने वाले दिनों में अदालत द्वारा इस मामले पर विचार-विमर्श किए जाने की उम्मीद है। 24 नवंबर को संभल में स्थानीय

है। धारा 40, जो 2013 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्र) सरकार के कार्यकाल के दौरान किया गया संशोधन है, मौजूदा कानून के सबसे विवादित तथ्यों में से एक है क्योंकि इसने वक्फ बोर्डों को यह निर्णय लेने की शक्ति दी है कि कोई संपत्ति वक्फ की है या नहीं।

प्रस्तावित कानून में मौजूदा अधिनियम में कई अन्य बदलाव करते हुए इस शक्ति पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है।संसदीय समिति ने सच्चर समिति द्वारा उन वक्फ संपत्तियों के बारे में उठाए गए बिंदुओं पर अद्यतन जानकारी मांगने का निर्णय लिया है, जो राज्य सरकारों या उनकी आधिकारिक एजंसियों के कथित तौर पर अनधिकृत कब्जे में हैं।

सच्चर समिति को 2005-06 के दौरान विभिन्न राज्य वक्फ बोर्ड द्वारा कथित अनधिकृत कब्जे के बारे में सूचित किया गया था।

संसदीय समिति केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से राज्यों से जानकारी एकत्र कर रही है। इस समिति के कामकाज की शैली को लेकर विपक्ष भी लगातार हमलावर है और हाल ही में समिति के सदस्यों ने मामलों में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के पास शिकायत भी दर्ज कराई है। सूत्रों ने बताया कि भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति ने पाया है कि 2005-06 में सच्चर समिति को दी गई रिपोर्ट में दिल्ली में 316, राजस्थान में 60 और कर्नाटक में 42 ऐसी संपत्तियों के बारे में बताया गया था।

संसद में कामकाज को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा

सरकार नहीं चाहती चर्चा, खुद स्थगित कर रही है सदन

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

संसद में कामकाज को लेकर सोमवार को विपक्षी गठबंधन (इंडिया) के घटक दल बैठक करेंगे। रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार पर ही खुद कार्यवाही बाधित करने का आरोप लगाया है और अब सभी विपक्षी दलों की बैठक बुलाई है। यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अगुआई में सोमवार को सुबह दस बजे संसद परिसर में होगी।

संसद में अडाणी व अन्य मुद्दों को लेकर लगातार गतिरोध हो रहा है और अब तक

मंदिर-मस्जिद पर भागवत की सलाह नहीं सुन रही भाजपा

एकता का आह्वान करते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी आम लोगों के खिलाफ हैं क्योंकि वह उनसे नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई उस नफरत के खिलाफ है और इसीलिए राजनीतिक शक्ति महत्त्वपूर्ण है।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि (अदालत द्वारा) एक फैसला दिया गया, जिसने देश में भानुमती का पिटाया खोल दिया है। अब, मस्जिदों के विपक्ष के नेता ने कहा कि आपके नेता कह रहे हैं कि अब जब राम मंदिर बन गया है तो हर मस्जिद में शिवालय दूढ़ने की जरूरत नहीं है। मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री अमित) शाह अपने ही नेता की बात नहीं सुन रहे हैं, जिनके समर्थन से उन्हें सत्ता मिली है, मुझे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का फैसला भाजपा करेगी, मेरा पूरा समर्थन

मुख्यमंत्री पद पर लिया गया निर्णय मुझे और शिवसेना को स्वीकार्य होगा और मेरा पूरा समर्थन होगा। शिंदे ने कहा कि हम ऐसी सरकार देंगे, जो लोग चाहते हैं। पिछले द्वाइ साल में हमारे काम के बदले, जो भारी जनಾದेश मिला है, उसके कारण अब हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। अपने बेटे और लोकसभा सदस्य श्रोकॉत शिंदे के उप मुख्यमंत्री बनने की अटकलों पर शिंदे ने कहा कि बातचीत चल रही है। पिछले समाह दिल्ली में (केंद्रीय मंत्री) अमित शाह के साथ बैठक हुई थी। अब हम तीनों गठबंधन सहयोगी सरकार गठन की बारीकियों पर चर्चा करेंगे। भाजपा ने अभी तक अपने विधायक दल के नेता की घोषणा नहीं की है। हम लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेंगे। हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। हम लोगों के हित में निर्णय लेंगे। मेरे रुख को दोहराने की कोई जरूरत नहीं है।

राकांपा प्रमुख अजित पवार ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री भाजपा से होगा, जबकि शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और राकांपा से

नई दिल्ली — 447

देश

‘संस्थाओं को नष्ट करने वाली ताकतों के खिलाफ लड़ रहे हैं’

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रविवार को कहा कि आज हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं, जो हमारे देश की संस्थाओं को नष्ट करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। यह ताकत लोगों के अधिकारों को कमजोर कर रही है और जो उनका हक है, उसे सत्ता के करीबी कुछ व्यापारियों को सौंप रही है।

प्रियंका गांधी ने रविवार को मर्नटवाड़ी, सुल्तान बत्तरी तथा कल्पेष्ट्रा में जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कहा कि अभी देश की भावना को बचाने की लड़ाई चल रही है। आज, हम अपने देश की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। हम अपने संविधान के मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं, जिन पर हमारा देश बना है। हम जनता के मजबूत भविष्य के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि क्षेत्र के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, मेडिकल कालेज के निर्माण में तेजी



मेहनत
जम्मू के बाहरी इलाके में रविवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत में धान के दाने अलग करते किसान।

संसाधनों को बचाने की लड़ाई चल रही है। आज, हम अपने देश की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। हम अपने संविधान के मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं, जिन पर हमारा देश बना है। हम जनता के मजबूत भविष्य के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि क्षेत्र के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, मेडिकल कालेज के निर्माण में तेजी

लगातार दोनों सदनों में कार्यवाही बाधित रही है। इस मामले में सत्तापक्ष व विपक्ष एक दूसरे पर सदन नहीं चलने का आरोप मढ़ रहे हैं।

मामले में रविवार को कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम सदन नहीं चलने देते ये उनका (सरकार) आरोप है। मेरा आरोप ये है कि दो मिनट में कार्यवाही स्थगित होती है और सरकार खुद सदन स्थगित कर रही है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए सवाल किया कि कभी आपने सुना है कि पांच मिनट में कार्यवाही स्थगित हो गई है? इनने लोग वहां चुन कर आए हैं उनकी बात सुने बिना कार्यवाही स्थगित होती है। ये उनकी गलती है, हमारी नहीं।उन्होंने कहा कि विपक्ष को विश्वास में लेकर सदन चलाना

चाहिए। इससे पहले कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि हम बहस चाहते हैं कि सरकार 15 बिल लेकर आई है और हम चर्चा चाहते हैं। सदन चलाना सरकार का काम है और विपक्ष का काम लोगों के मुद्दे उठाना है। हम सिर्फ मुद्दे उठा रहे हैं, नोटिस दे रहे हैं और वह भी अलगा नियमों के तहत नोटिस दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मैंने 20 साल में देखा है कि शोर-शराबे के बावजूद चर्चा होती है, सदन चलता है, प्रश्नकाल होता है, विधेयक पास होते हैं लेकिन पिछले चार दिनों से मैं देख रहा हूँ कि सरकार खुद हंस रही है, भाजपा सांसदों के चेहरे पर मुस्कान है। वे सदन स्थगित कराने आते हैं, हम मुद्दे उठाने जाते हैं।

यही आप चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं ‘एक हैं तो सफे हैं’, लेकिन वह किसी को भी सुरक्षित नहीं रहने दे रहे हैं। सच तो यह है कि आप ही हमें बांट रहे हैं। राज्यसभा के विपक्ष के नेता ने कहा कि आपके नेता कह रहे हैं कि अब जब राम मंदिर बन गया है तो हर मस्जिद में शिवालय दूढ़ने की जरूरत नहीं है। मोदी और (केंद्रीय गृह मंत्री अमित) शाह अपने ही नेता की बात नहीं सुन रहे हैं, जिनके समर्थन से उन्हें सत्ता मिली है, मुझे

लगता है कि मोहन भागवत सार्वजनिक रूप से कुछ बातें कहते हैं, लेकिन भाजपा नेताओं से कुछ नहीं कहते। इसलिए मुझे लगता है कि वे दोहरे चरित्र वाले हैं।

खरगे ने कहा कि जब भाजपा-संघ से जुड़े लोग ऐसी बातें कह रहे हैं तो फिर सर्वेक्षण के नाम पर विवाद क्यों पैदा किया जा रहा है? कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा नैतिकता की बात करती है, लेकिन बार-बार अनैतिक गतिविधियों में लिस रहती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा ईवीएम के जरिए आपके वोट चुरा रही है और महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखंड और मणिपुर में विधायकों को भी चुरा रही है। भाजपा चुनी हुई सरकारों और आपकी पेंशन को भी चुरा

नई दिल्ली

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने रविवार को कहा कि आज हम एक ऐसी ताकत के खिलाफ लड़ रहे हैं, जो हमारे देश की संस्थाओं को नष्ट करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है। यह ताकत लोगों के अधिकारों को कमजोर कर रही है और जो उनका हक है, उसे सत्ता के करीबी कुछ व्यापारियों को सौंप रही है।

प्रियंका गांधी ने रविवार को मर्नटवाड़ी, सुल्तान बत्तरी तथा कल्पेष्ट्रा में जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कहा कि अभी देश की भावना को बचाने की लड़ाई चल रही है। आज, हम अपने देश की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। हम अपने संविधान के मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं, जिन पर हमारा देश बना है। हम जनता के मजबूत भविष्य के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि क्षेत्र के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, मेडिकल कालेज के निर्माण में तेजी



मेहनत
जम्मू के बाहरी इलाके में रविवार को भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक खेत में धान के दाने अलग करते किसान।

संसाधनों को बचाने की लड़ाई चल रही है। आज, हम अपने देश की आत्मा के लिए लड़ रहे हैं। हम अपने संविधान के मूल्यों के लिए लड़ रहे हैं, जिन पर हमारा देश बना है। हम जनता के मजबूत भविष्य के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि क्षेत्र के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, मेडिकल कालेज के निर्माण में तेजी

नई दिल्ली

लाने, पर्यटन को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलाने में मदद करने जैसे मुद्दे ही मेरी प्राथमिकता है। आदिवासी लोगों को स्वास्थ्य व शिक्षा सुविधाओं की आवश्यकता है, किसान सरकार की गलत नीतियों के कारण पीड़ित हैं और उन्हें अपनी फसलों का सही मूल्य नहीं मिल रहा है। उन्होंने मानव-पशु संघर्ष का भी जिक्र किया, जिसके कारण उनकी फसलें खरों में पड़ जाती हैं और अक्सर जानवर उन्हें खा जाते हैं या नष्ट कर देते हैं।

उन्होंने बताया कि जिन होमस्टे मालिकों ने खूबसूरत होमस्टे बनाए हैं, उन्हें भी भूखलन के बाद बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अगर हम यहां पर्यटन को मजबूत करते हैं और दुनिया को यहां की खूबसूरती की प्रदर्शित करते हैं, तो वायनाड के लोगों को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे और उनकी आमदनी बढ़ेगी। आप मेरी जिम्मेदारी हैं और आपके लिए लड़ना और आपको अगले पांच वर्षों व उससे भी आगे एक बेहतर भविष्य देना मेरा कर्तव्य है।

‘जीडीपी वृद्धि दर दो साल में सबसे नीचे 5.4 तक आई’

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (ब्यूरो)।

भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति को लेकर रविवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा और चिंता जताई। राहुल गांधी ने ‘एक्स’ पर लिखा कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) दर दो साल में सबसे नीचे 5.4 फीसद पर आ गई है। इससे साफ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तब तक तरक्की नहीं कर सकती, जब तक इसका फायदा सिर्फ गिने-चुने अरबवर्तियों को मिल रहा हो।

उन्होंने कहा कि सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, तभी हमारी अर्थव्यवस्था का पहिया आगे बढ़ेगा। किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस स्थिति को राहुल गांधी ने कुछ आंकड़ों से समझाने की कोशिश की उन्होंने लिखा कि तथ्यों बताते हैं कि देश की स्थिति कितनी चिंताजनक है। खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसद पर पहुंच गई है, बीते साल अक्तूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 बढ़ गई है और रुपया 84.50 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने लिखा कि बेरोजगारी पहले ही 45 वर्षों का कीर्तिमान बना चुकी है और रेकार्ड तोड़ चुकी है, पिछले पांच वर्षों में मजदूरों, कर्मचारियों व छोटे व्यापारियों की आमदनी या तो ठहर गई है या काफी कम हो गई है। इसी प्रकार आमदनी कम होने से मांग में भी कमी आई है।

उन्होंने कहा कि सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, तभी हमारी अर्थव्यवस्था का पहिया आगे बढ़ेगा। किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस स्थिति को राहुल गांधी ने कुछ आंकड़ों से समझाने की कोशिश की उन्होंने लिखा कि तथ्यों बताते हैं कि देश की स्थिति कितनी चिंताजनक है। खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसद पर पहुंच गई है, बीते साल अक्तूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 बढ़ गई है और रुपया 84.50 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने लिखा कि बेरोजगारी पहले ही 45 वर्षों का कीर्तिमान बना चुकी है और रेकार्ड तोड़ चुकी है, पिछले पांच वर्षों में मजदूरों, कर्मचारियों व छोटे व्यापारियों की आमदनी या तो ठहर गई है या काफी कम हो गई है। इसी प्रकार आमदनी कम होने से मांग में भी कमी आई है।

उन्होंने कहा कि सबको समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा, तभी हमारी अर्थव्यवस्था का पहिया आगे बढ़ेगा। किसान, मजदूर, मध्यमवर्ग और गरीब तरह-तरह की आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस स्थिति को राहुल गांधी ने कुछ आंकड़ों से समझाने की कोशिश की उन्होंने लिखा कि तथ्यों बताते हैं कि देश की स्थिति कितनी चिंताजनक है। खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसद पर पहुंच गई है, बीते साल अक्तूबर की तुलना में इस वर्ष आलू और प्याज की कीमत लगभग 50 बढ़ गई है और रुपया 84.50 के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने लिखा कि बेरोजगारी पहले ही 45 वर्षों का कीर्तिमान बना चुकी है और रेकार्ड तोड़ चुकी है, पिछले पांच वर्षों में मजदूरों, कर्मचारियों व छोटे व्यापारियों की आमदनी या तो ठहर गई है या काफी कम हो गई है। इसी प्रकार आमदनी कम होने से मांग में भी कमी आई है।

उन्होंने कहा कि हम केवल निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं और मर्तों की चोरी नहीं होनी चाहिए। हमें पूरे देश से शिक्षार्थी मिली हैं क्योंकि एक घंटे में हजारों वोट डाले जाते हैं। ईवीएम में बैटरी की समस्या भी है। इसलिए लोकतंत्र को बचाए रखना जरूरी है और जब आपके पास सत्ता होगी तो जाति जनगणना भी होगी।

उन्होंने कहा कि हम केवल निष्पक्ष चुनाव की मांग कर रहे हैं और मर्तों की चोरी नहीं होनी चाहिए। हमें पूरे देश से शिक्षार्थी मिली हैं क्योंकि एक घंटे में हजारों वोट डाले जाते हैं। ईवीएम में बैटरी की समस्या भी है। इसलिए लोकतंत्र को बचाए रखना जरूरी है और जब आपके पास सत्ता होगी तो जाति जनगणना भी होगी।

इस बाबत समूह ने कहा कि यह विचार ही हास्यास्पद है कि एक भिक्षुक संत, एक फकीर, जो भारतीय उपमहाद्वीप के अद्वितीय सुफुी/भक्ति आंदोलन का एक अभिन्न अंग था और करुणा, सहिष्णुता एवं सद्भाव का प्रतीक था, अपने अधिकार का दावा करने के लिए किसी भी मंदिर को नष्ट कर सकता था।

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा यह दावा करने के बाद कि दरगाह मूल रूप से एक शिव मंदिर थी, अजमेर की एक सिविल अदालत ने 27 नवंबर को अजमेर दरगाह समिति, केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को नोटिस जारी किया था। इस मामले को लेकर सियासी सरगामी भी तेज हो गई है।

This is an advertisement for information purposes only and not for publication, distribution or release, directly or indirectly, outside India. This is not an announcement for the offer document. All capitalized terms used and not defined herein shall have the meaning assigned to it in the letter of offer dated November 20, 2024 (the "Letter of Offer" or "LOF") filed with the Securities and Exchange Board of India ("SEBI") and the Stock Exchanges, namely BSE Limited ("BSE") and National Stock Exchange of India Limited ("NSE"), and together with BSE, the "Stock Exchanges".



UPL LIMITED



Please scan this QR code to view the Letter of Offer

UPL Limited (the "Company" or the "Issuer") was originally incorporated as "Vishwanath Commercial Limited" on January 2, 1985 at Mumbai, Maharashtra as a public limited company under the Companies Act, 1956, and was granted the certificate of incorporation by the Registrar of Companies, Maharashtra at Mumbai. Our Company received the certificate for commencement of business from the Registrar of Companies, Maharashtra at Mumbai on January 14, 1985. Subsequently, the name of our Company was changed to "Search Chem Industries Limited" and a fresh certificate of incorporation consequent upon change of name was granted by the Registrar of Companies, Maharashtra at Mumbai on February 17, 1994. Thereafter, the name of our Company was changed to "United Phosphorus Limited" and a fresh certificate of incorporation was granted by the Registrar of Companies, Gujarat at Ahmedabad ("RoC") on October 15, 2003. Lastly, the name of our Company was changed to UPL Limited and a fresh certificate of incorporation was granted by the RoC on October 11, 2014. For details in relation to the changes in the name of our Company and the address of registered office of our Company, please refer "General Information" on page 71 of the LOF.

Registered Office: 3-11, G.I.D.C., Vapi, Valsad - 396 195, Gujarat. Corporate Office: Uniphos House, Chitrakar Dhurandhar Road, 11th Road, Near Madhu Park Garden, Khar (West), Mumbai - 400052, Maharashtra, India. Telephone: +91 22 6856 8000; Contact Person: Sandeep Mohan Deshmukh, Company Secretary and Compliance Officer
E-mail: upl.investors@upl-ltd.com; Website: www.upl-ltd.com; Corporate Identity Number: L24219GJ1985PLC025132

OUR PROMOTERS : RAJNIKANT DEVIDAS SHROFF, NERKA CHEMICALS PRIVATE LIMITED, JAIDEV RAJNIKANT SHROFF AND VIKRAM RAJNIKANT SHROFF

FOR PRIVATE CIRCULATION TO ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS OF UPL LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") ONLY

ISSUE OF UP TO 9,38,25,955* PARTLY PAID-UP EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 2 EACH OF OUR COMPANY (THE "RIGHTS EQUITY SHARES") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ 360 PER RIGHTS EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ 358 PER RIGHTS EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ 3,377.74 CRORES* ON A RIGHTS BASIS TO THE HOLDERS OF THE EQUITY SHARES OF OUR COMPANY AS ON THE RECORD DATE ("ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS") IN THE RATIO OF ONE RIGHTS EQUITY SHARE FOR EVERY EIGHT FULLY PAID-UP EQUITY SHARES HELD BY THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS ON THE RECORD DATE, THAT IS, ON NOVEMBER 26, 2024 ("RECORD DATE") (THE "ISSUE"). FOR FURTHER DETAILS, PLEASE REFER "TERMS OF THE ISSUE" ON PAGE 503 OF THE LOF.
*Assuming full subscription in the issue and receipt of all Call Monies with respect to the Rights Equity Shares. Subject to finalisation of Basis of Allotment. For further details on Payment Schedule, please refer "Terms of the Issue - Terms of Payment" on page 522 of the LOF.

NOTICE TO ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS OF OUR COMPANY

**ISSUE OPENS ON
THURSDAY, DECEMBER 5, 2024**

**LAST DATE FOR ON MARKET RENUNCIATION*
WEDNESDAY, DECEMBER 11, 2024**

**ISSUE CLOSES ON*
TUESDAY, DECEMBER 17, 2024**

*Eligible Equity Shareholders are requested to ensure that renunciation through off-market transfer is completed in such a manner that the Rights Entitlements are credited to the demat account of the Renouncee(s) on or prior to the Issue Closing Date.

*Our Board of Rights Issue Committee will have the right to extend the Issue period as it may determine from time to time, but not exceeding 30 (thirty) days from the Issue Opening Date (inclusive of the Issue Opening Date). Further, no withdrawal of Application shall be permitted by any Applicant after the Issue Closing Date.

ASBA*

Simple, Safe, Smart way of Application!!

*Application Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to issues by simply blocking the fund in the bank account. For further details check section on ASBA below.

Facilities for Application in this Issue

(i) ASBA Facility:

In accordance with Regulation 76 of the SEBI ICDR Regulations, the SEBI ICDR Master Circular and the ASBA Circulars, all Investors desiring to make an Application in this Issue are mandatorily required to use the ASBA process. Investors should carefully read the provisions applicable to such Applications before making their Application through ASBA. For details refer to "Terms of the Issue - Process of making an Application in the Issue" on page 505 of the Letter of Offer.

Please note that subject to SCSBs complying with the requirements of the SEBI circular bearing reference number CIR/CFD/DIL/13/2012 dated September 25, 2012, within the periods stipulated therein, Applications may be submitted at the Designated Branches of the SCSBs. Further, in terms of the SEBI circular bearing reference number CIR/CFD/DIL/11/2013 dated January 2, 2013, it is clarified that for making Applications by SCSBs on their own account using ASBA facility, each such SCSB should have a separate account in its own name with any other SEBI registered SCSB(s). Such account shall be used solely for the purpose of making an Application in this Issue and clear demarcated funds should be available in such account for such an Application.

CREDIT OF RIGHTS ENTITLEMENTS IN DEMAT ACCOUNTS OF ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS

Pursuant to provisions of the SEBI ICDR Regulations and the SEBI ICDR Master Circular and in terms of the Letter of Offer, the Rights Entitlements of the Eligible Equity Shareholders will be credited in their respective demat account and shall be admitted for trading on the Stock Exchanges under the ISIN: INE828A20010 subject to requisite approvals. For details of credit of the Rights Entitlements, please refer "Terms of the Issue - Credit of Rights Entitlements in demat accounts of Eligible Equity Shareholders" on page 519 of the Letter of Offer, whose Rights Entitlements are credited in demat suspense escrow account opened by the Company.

In accordance with Regulation 77A of the SEBI ICDR Regulations read with the SEBI ICDR Master Circular, the credit of Rights Entitlements and Allotment of Rights Equity Shares shall be held in dematerialized form only. Prior to the Issue Opening Date, our Company has credited the Rights Entitlements to the demat accounts of the Eligible Equity Shareholders holding the Equity Shares in Dematerialised form.

Eligible Equity Shareholders are requested to provide relevant details (such as copies of self-attested PAN and client master sheet of demat account etc., details/ records confirming the legal and beneficial ownership of their respective Equity Shares) to our Company or the Registrar to the Issue not later than two clear Working Days prior to the Issue Closing Date, i.e., by December 17, 2024 to enable the credit of their Rights Entitlements by way of transfer from the demat suspense escrow account to their demat account at least one day before the Issue Closing Date. To enable such Eligible Equity Shareholders to make an application in this Issue, and this communication shall serve as an intimation to such Eligible Equity Shareholders in this regard. Such Eligible Equity Shareholders are also requested to ensure that their demat account, details of which have been provided to our Company or the Registrar to the Issue account is active to facilitate the aforementioned transfer. In the event that the Eligible Equity Shareholders are not able to provide relevant details to our Company or the Registrar by the end of two clear Working Days prior to the Issue Closing Date, Rights Entitlements credited to the Demat Suspense Account shall lapse and extinguished in due course and such Eligible Equity Shareholder shall not have any claim against our Company and our Company shall not be liable to any such Eligible Equity Shareholder in any form or manner.

Eligible Equity Shareholders holding Equity shares in physical form, can update the details of their respective demat accounts on the website of the Registrar (i.e. www.linkintime.co.in). Such Eligible Equity Shareholders can make an Application only after the Rights Entitlements is credited to their respective demat accounts.

PLEASE NOTE THAT THE RIGHTS EQUITY SHARES APPLIED FOR IN THIS ISSUE CAN BE ALLOTTED ONLY IN DEMATERIALIZED FORM AND TO THE SAME DEPOSITORY ACCOUNT IN WHICH OUR EQUITY SHARES ARE HELD BY SUCH INVESTOR ON THE RECORD DATE AND OR DP/CLIENT ID THROUGH WHICH RIGHTS ISSUE BID/APPLICATION HAS BEEN MADE HAVING SAME ORDER OF HOLDING AND PAN. FOR DETAILS, PLEASE REFER "ALLOTMENT ADVICE OR REFUND/ UNBLOCKING OF ASBA ACCOUNTS" ON PAGE 531 OF THE LETTER OF OFFER.

APPLICATIONS SUPPORTED BY BLOCKED AMOUNT (ASBA):

An Investor wishing to participate in this Issue through the ASBA facility, is required to have an ASBA enabled bank account with an SCSB, prior to making the Application. Investors may submit the Application Form in physical mode to the Designated Branches of the SCSB or online/ electronic Application through the website of the SCSBs (if made available by such SCSB) for authorizing such SCSB to block Application Money payable on the Application in their respective ASBA Accounts. Investors should ensure that they have correctly submitted the Application Form and have provided an authorisation to the SCSB, via the electronic mode, for blocking funds in the ASBA Account equivalent to the Application Money mentioned in the Application Form. The case may be, at the time of submission of the Application. For the list of banks which have been notified by SEBI to act as SCSBs for the ASBA process, please refer to <https://www.sebi.gov.in/sebiweb/other/OtherAction.do?do=RecognisedDFPIyes&intmid=34>.

MAKING OF AN APPLICATION BY ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS HOLDING EQUITY SHARES IN PHYSICAL FORM: An Eligible Equity Shareholder in India who is eligible to apply under the ASBA process may make an Application to subscribe to this Issue on plain paper, in accordance with Regulation 76 of the SEBI ICDR Regulations in case of non-receipt of Application Form as detailed above. In such cases of non-receipt of the Application Form through e-mail or physical delivery (where applicable) and the Eligible Equity Shareholder not being in a position to obtain it from any other source may make an Application to subscribe to this Issue on plain paper with the same details as per the Application Form that is available on the website of the Registrar, Stock Exchanges or the Lead Managers. An Eligible Equity Shareholder shall submit the plain paper Application to the Designated Branch of the SCSB for authorizing such SCSB to block Application Money in the said bank account maintained with the same SCSB. Applications on plain paper will not be accepted from any address outside India.

Please note that in terms of Regulation 78 of the SEBI ICDR Regulations, the Eligible Equity Shareholders who are making the Application on plain paper shall not be entitled to renounce their Rights Entitlements and should not utilize the Application Form for any purpose including renunciation even if it is received subsequently. The Application on plain paper, duly signed by the Eligible Equity Shareholder including joint holders, in the same order and as per specimen recorded with his/her bank, must reach the office of the Designated Branch of the SCSB before the Issue Closing Date and should contain the following particulars:

1. Name of our Company, being UPL Limited; 2. Name and address of the Eligible Equity Shareholder including joint holders (in the same order and as per specimen recorded with our Company or the Depository); 3. Folio number (in case of Eligible Equity Shareholders who hold Equity Shares in physical form as on Record Date) DP and Client ID; 4. Except for Applications on behalf of the Central or State Government, the residents of Sikkim and the officials appointed by the courts, PAN of the Eligible Equity Shareholder and for each Eligible Equity Shareholder in case of joint names, irrespective of the total value of the Equity Shares applied for pursuant to this Issue 5. Number of Rights Equity Shares held as on Record Date; 6. Allotment option - only dematerialised form; 7. Number of Rights Equity Shares applied to; 8. Number of Rights Equity Shares applied for within the Rights Entitlements; 9. Number of Additional Rights Equity Shares applied for, if any (applicable only if entire Rights Entitlements have been applied for); 10. Total number of Rights Equity Shares applied for; 11. Total amount paid at the rate of ₹ 360.00 per Rights Equity Share; 12. Details of the ASBA Account such as the SCSB account number, name, address and branch of the relevant SCSB; 13. In case of non-resident Eligible Equity Shareholders making an application with an Indian address, details of the NRE/FNCR/NRO account such as the account number, name, address and branch of the SCSB with which the account is maintained; 14. Authorisation to the Designated Branch of the SCSB to block an amount equivalent to the Application Money in the ASBA Account; 15. Authorisation to the Designated Branch of the SCSB to block the requisite amount specifically mentioned in the plain paper Application; 16. Signature of the Eligible Equity Shareholder (in case of joint holders, to appear in the same sequence and order as they appear in the records of the SCSB); 17. An approval obtained from any regulatory authority, if required, shall be obtained by the Eligible Equity Shareholders and a copy of such approval from any regulatory authority, as may be required, shall be sent to the Registrar to the Issue at: Link Intime India Private Limited, C-101, 1st Floor, 247 Park, L.B.S. Marg, Surya Nagar, Gandhi Nagar, Vikhroli (West), Mumbai - 400083 and 18. All such Eligible Equity Shareholders are deemed to have accepted the following:

*Purchaser Representations and Transfer Restrictions

Any person who acquires Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, by its acceptance of this Letter of Offer / Abridged Letter of Offer or of the Rights Entitlements or Rights Equity Shares, will be deemed to have declared, represented, warranted and agreed with our Company and the Lead Managers as follows:

• It will comply with all laws, regulations and restrictions (including the transfer restrictions contained herein) which may be applicable in your jurisdiction and it has obtained or will obtain any consent, approval or authorization required for it to purchase and accept delivery of Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, and it acknowledges and agrees that none of us or the Lead Managers and their respective affiliates shall have any responsibility in this regard; • It certifies that it is, or at the time the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares are purchased will be, (a) the beneficial owner of such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, it is located outside the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia, and it has not purchased the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares for the account or benefit of any person in the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia, or entered into any arrangement for the transfer of Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares or an economic interest therein to any person in the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia, or (b) it is a broker-dealer acting on behalf of a customer and its customer has confirmed to it that (i) such customer, or (ii) the time the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares are purchased will be, the beneficial owner of such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, (ii) such customer is located outside the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia, and (iii) such customer has not purchased the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares for the account or benefit of any person in the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia, or entered into any arrangement for the transfer of the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares or an economic interest therein to any person in the United States, Canada, the People's Republic of China, South Africa and Australia; • It understands and agrees (or if it is a broker-dealer acting on behalf of a customer, its customer has confirmed to it that such customer understands and agrees) that the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares are being offered in a transaction not involving any public offering within the meaning of the Securities Act, have not been and will not be registered under the Securities Act or any state securities laws in the United States; • In the future, it decides to offer, resell, renounce, pledge or otherwise transfer such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, or any economic interest therein, such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares or any economic interest therein may be offered, sold, renounced, pledged or otherwise transferred only (A) outside the United States in a transaction complying with Rule 903 or Rule 904 of Regulation S and in accordance with all applicable laws of any other jurisdiction, including India, or (B) in the United States pursuant to an exemption from the registration requirement of the Securities Act and applicable state securities laws; • It is not an affiliate of our Company or a person acting on behalf of an affiliate; • It agrees (or if it is a broker-dealer acting on behalf of a customer, its customer has confirmed to it that such customer agrees) that neither it, nor any of its affiliates, nor any person acting on its behalf, are purchasing the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares as a result of any "directed selling efforts" (as defined in Regulation S under the Securities Act); • It will base its investment decision on a copy of the Letter of Offer and the Abridged Letter of Offer. It acknowledges that neither the Company nor any of its affiliates nor any other person (including the Lead Manager) or any of their respective affiliates has made or will make any representations, express or implied, to it with respect to the Company, the Issue, the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, the accuracy, completeness or adequacy of any financial or other information concerning the Company, the Issue or the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, other than (in the case of the Company only) the information contained in the Letter of Offer and the Abridged Letter of Offer, as it may be supplemented; • It is a sophisticated investor and has such knowledge and experience in financial, business and investments as to be capable of evaluating the merits and risks of the investment in the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares. It is experienced in investing in private placement transactions of securities of companies in similar jurisdictions. It and any accounts for it is subscribing to the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares for (i) are each able to bear the economic risk of the investment in the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares, (ii) will not look to the Company or the Lead Managers or any of their respective shareholders, directors, officers, employees, counsels, advisors, representatives, agents or affiliates for all or part of any such loss or losses that may be suffered, (iii) are able to sustain a complete loss on the investment in the Rights Equity Shares, (iv) have no need for liquidity with respect to the investment in the Rights Equity Shares, and (v) have no reason to anticipate any change in its or their circumstances, financial or otherwise, which may cause or require any sale or distribution by it or them of all or any part of the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares. It acknowledges that an investment in the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares involves a high degree of risk and that the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares are, therefore, a speculative investment. It is seeking to subscribe to the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares in this Issue for its own investment and not with a view to

distribution. • It will notify any transferee to whom it subsequently offers, sells, renounces, pledges or otherwise transfers and the executing broker and any other agent involved in any resale of the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares of the foregoing restrictions applicable to the Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares and instruct such transferee, broker or agent to abide by such restrictions. • It acknowledges that our Company will not recognize any offer, sale, renunciation, pledge or other transfer of such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares made other than in compliance with the above-stated restrictions; and • It acknowledges that our Company, the Lead Manager, their respective affiliates and others will rely upon the truth and accuracy of the foregoing acknowledgements, representations and agreements and agrees that, if any of such acknowledgements, representations and agreements deemed to have been made by virtue of its acquisition of Rights Entitlements and the Rights Equity Shares, are no longer accurate, it will promptly notify our Company, and if it is acquiring any of such Rights Entitlements and / or Rights Equity Shares as a fiduciary or agent for one or more accounts, it represents that it has sole investment discretion with respect to each such account and that it has full power to make the foregoing acknowledgements, representations and agreements on behalf of such account.

In cases where Multiple Application Forms are submitted for Applications pertaining to same set of Rights Entitlements credited to the same demat account or in demat suspense escrow account, as applicable, including cases where an Investor submits Application Forms along with a plain paper Application, such Applications shall be liable to be rejected. Investors are requested to strictly adhere to these instructions. Failure to do so could result in an Application being rejected, with our Company, the Lead Managers and the Registrar to the Issue not having any liability to the Investor. The plain paper Application form will be available on the website of the Registrar to the Issue at www.linkintime.co.in. Our Company, the Lead Managers and the Registrar to the Issue shall not be responsible if the Applications are not uploaded by the SCSB or funds are not blocked in the Investors' ASBA Accounts on or before the Issue Closing Date.

OVERSEAS SHAREHOLDERS: The distribution of the Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and any other offering material and the issue of the Rights Entitlement and the Rights Equity Shares on a rights basis to persons in certain jurisdictions outside India are restricted by legal requirements prevailing in those jurisdictions. The Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and any other material relating to the Issue (collectively, the "Issue Materials") will be sent/ dispatched only to the Eligible Equity Shareholders who have provided an Indian address to our Company. In case such Eligible Equity Shareholders have provided their valid e-mail address to us, the Issue Materials will be sent only to their valid e-mail address and in case such Eligible Equity Shareholders have not provided their e-mail address, then the Issue Material will be physically dispatched, on a reasonable effort basis, to the Indian addresses provided by them. Those overseas shareholders who do not update our records with their Indian address or the address of their duly authorised representative in India, prior to the date on which we propose to dispatch the Issue Materials, shall not be sent the Issue Materials.

Our Company, in consultation with the Lead Managers, reserves the right to treat as invalid any Application Form which: (i) appears to our Company or its agents to have been executed in, electronically transmitted from or dispatched from the United States or any other jurisdiction where the offer and sale of the Rights Equity Shares is not permitted under laws of such jurisdictions; (ii) does not include the relevant certifications set out in the Application Form, including to the effect that the person submitting and/or renouncing the Application Form is outside the United States and such person is eligible to subscribe for the Rights Equity Shares under applicable securities laws and is complying with laws of jurisdictions applicable to such person in connection with this Issue; or (iii) where either a registered Indian address is not provided; or (iv) where our Company believes acceptance of such Application Form may infringe applicable legal or regulatory requirements; and our Company shall not be bound to issue or allot any Rights Equity Shares in respect of any such Application Form.

LAST DATE FOR APPLICATION: The last date for submission of the duly filled in the Application Form or a plain paper Application is, December 17, 2024, i.e., Issue Closing Date. Our Board / Rights Issue Committee, may extend the said date for such period as it may determine from time to time, subject to the Issue period not exceeding 30 days from the Issue Opening Date (inclusive of the Issue Opening Date).

If the Application Form is not submitted with an SCSB, uploaded with the Stock Exchanges and the Application Money is not blocked with the SCSB, on or before the Issue Closing Date or such date as may be extended by our Board / Rights Issue Committee, the invitation to offer contained in this Letter of Offer shall be deemed to have been declined and our Board / Rights Issue Committee, shall be at liberty to dispose of the Equity Shares hereby offered, as set out in "Basis of Allotment" on page 530 of the LOF. Please note that on the Issue Closing Date, Applications will be uploaded until 5.00 p.m. (Indian Standard Time) or such extended time as permitted by the Stock Exchanges.

ALLOTMENT ONLY IN DEMATERIALIZED FORM: Please note that in accordance with Regulation 77A of the SEBI ICDR Regulations read with the SEBI ICDR Master Circular, the credit of Rights Entitlements and Allotment of Rights Equity Shares shall be made in dematerialised form only. Accordingly, Eligible Equity Shareholders holding Equity Shares in physical form as on Record Date and desirous of subscribing to Rights Equity Shares in this Issue are advised to furnish the details of their demat account to the Registrar or our Company at least two clear Working Days prior to the Issue Closing Date, i.e. Tuesday, December 17, 2024 to enable the credit of their Rights Entitlements in their respective demat accounts at least one day before the Issue Closing Date, i.e. Tuesday, December 17, 2024. Prior to the Issue Opening Date, the Rights Entitlements of those Eligible Equity Shareholders, among others, who hold Equity Shares in physical form, and/or whose demat account details are not available with our Company or the Registrar, shall be credited in the Demat Suspense Account opened by the Company. Such resident Eligible Equity Shareholders must check the procedure for application by physical shareholders in the section entitled, "Terms of the Issue - Making of an Application by Eligible Equity Shareholders holding Equity Shares in physical form" and "Terms of the Issue - Allotment Advice or Refund/Unblocking of ASBA accounts" beginning on pages 512 and 531 respectively of the Letter of Offer.

INVESTORS MAY PLEASE NOTE THAT THE EQUITY SHARES CAN BE TRADED ON THE STOCK EXCHANGE ONLY IN DEMATERIALIZED FORM

Procedure for Renunciation of Rights Entitlements

The Eligible Equity Shareholders may renounce the Rights Entitlements, credited to their respective demat accounts, either in full or in part (a) by using the secondary market platform of the Stock Exchanges (the "On Market Renunciation"); or (b) through an off-market transfer (the "Off Market Renunciation"), during the Renunciation Period. The Investors should have the demat Rights Entitlements credited / lying in his/her own demat account prior to the renunciation. The trades through On Market Renunciation and Off Market Renunciation will be settled by transferring the Rights Entitlements through the depository mechanism.

Investors may be subject to adverse foreign, state or local tax or legal consequences as a result of trading in the Rights Entitlements. Investors who intend to trade in the Rights Entitlements should consult their tax advisor or stock-broker regarding any cost, applicable taxes, charges and expenses (including brokerage) that may be levied for trading in Rights Entitlements.

Please note that the Rights Entitlements which are neither renounced nor subscribed by the investors on or before the Issue Closing Date shall lapse and shall be extinguished after the Issue Closing Date.

LISTING: The existing Equity Shares of our Company are listed on BSE Limited ("BSE") and National Stock Exchange of India Limited ("NSE"), and together with BSE, the "Stock Exchanges". Our Company has received "in-principle" approval from BSE and NSE for listing the Rights Equity Shares proposed to be issued pursuant to the Issue pursuant to their respective letters, each dated November 14, 2024. Our Company will also make application to BSE and NSE to obtain trading approval for the Rights Entitlements as required under the SEBI ICDR Master Circular, along with any subsequent circulars or notifications issued by SEBI in this regard. For the purposes of the Issue, the Designated Stock Exchange is BSE Limited.

DISCLAIMER CLAUSE OF SEBI: Submission of the LOF to SEBI should not in any way be deemed or construed that SEBI has cleared or approved the LOF. Investors are advised to refer to the full text of the "Disclaimer Clause of SEBI" beginning on page 494 of the LOF.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (Designated Stock Exchange): It is to be distinctly understood that the permission given by BSE Limited should not, in anyway, be deemed or construed that the Letter of Offer has been cleared or approved by BSE Limited; nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Letter of Offer. Investors are advised to refer to the Letter of Offer for the full text of the "Disclaimer Clause of BSE" beginning on page 496 of the LOF.

DISCLAIMER CLAUSE OF NSE: It is to be distinctly understood that the permission given by NSE should not in any way be deemed or construed that the Letter of Offer has been cleared or approved by NSE; nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Letter of Offer. Investors are advised to refer to the Letter of Offer for the full text of the "Disclaimer clause of NSE" on page 498 of the LOF.

BANKER TO THE ISSUE: Axis Bank Limited

MONITORING AGENCY TO THE ISSUE: CARE Ratings Limited

DISPATCH AND AVAILABILITY OF ISSUE MATERIALS: In accordance with the SEBI ICDR Regulations, SEBI ICDR Master Circular, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and other issue material will be sent/ dispatched only to the Eligible Equity Shareholders who have provided a registered address in India or who have provided an Indian address to our Company. In case such Eligible Equity Shareholders have provided their valid e-mail address, this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and other issue material will be sent only to their valid e-mail address irrespective of the address registered with Company / Depositories and in case such Eligible Equity Shareholders have not provided their e-mail address, this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Application Form, the Rights Entitlement Letter and other issue material will be dispatched, on a reasonable effort basis, only to the Indian addresses provided by them. Further, this Letter of Offer will be sent/ dispatched to the Eligible Equity Shareholders who have provided their Indian address and who have made a request in this regard. In accordance with the above, the dispatch of the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter along with the Application Form has been completed on November 29, 2024 by the Registrar to the Issue.

Investors can access this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer and the Application Form (provided that the Eligible Equity Shareholder is eligible to subscribe for the Rights Equity Shares under applicable laws) on the websites of: (i) our Company at <https://www.upl-ltd.com/investors/shareholder-center/rights-issue>; (ii) the Registrar to the Issue at www.linkintime.co.in; (iii) the Lead Managers, i.e., (a) Axis Capital Limited at www.axiscapital.co.in, (b) BNP Paribas at www.bnpparibas.co.in, (c) J.P. Morgan India Private Limited at www.jpmi.com, (d) JM Financial Limited at www.jmfi.com, and (e) Morgan Stanley India Company Private Limited at www.morganstanley.com; (iv) the Stock Exchanges at www.bseindia.com and www.nseindia.com.

Eligible Equity Shareholders can also obtain the details of their respective Rights Entitlements from the website of the Registrar (i.e., www.linkintime.co.in) by entering their DP ID and Client ID or folio number (for Eligible Equity Shareholders who hold Equity Shares in physical form as on Record Date) and PAN. The link for the same shall also be available on the website of our Company at <https://www.upl-ltd.com/investors/shareholder-center/rights-issue>.

Please note that neither our Company nor the Registrar nor the Lead Managers shall be responsible for not sending the physical copies of Issue materials, including this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter and the Application Form or delay in the receipt of this Letter of Offer, the Abridged Letter of Offer, the Rights Entitlement Letter or the Application Form attributable to non-availability of the e-mail addresses of Eligible Equity Shareholders or electronic transmission delays or failures, or if the Application Forms or the Rights Entitlement Letters are delayed or misplaced in the transit.

The Investors can visit following links for the below-mentioned purposes: a) Frequently asked questions and online/ electronic dedicated investor helpdesk for guidance on the Application process and resolution of difficulties faced by the Investors: www.linkintime.co.in b) Update of Indian address/ e-mail address/ phone or mobile number in the records maintained by the Registrar or our Company: www.linkintime.co.in c) Update of demat account details by Eligible Equity Shareholders holding shares in physical form: www.linkintime.co.in d) Submission of self-attested PAN, client master sheet and demat account details by non-resident Eligible Equity Shareholders: www.linkintime.co.in

The LOF is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, BSE at www.bseindia.com, NSE at www.nseindia.com, and on the Company's website at <https://www.upl-ltd.com/investors/shareholder-center/rights-issue>, the Lead Managers' websites at www.axiscapital.co.in, www.bnpparibas.co.in, www.jpmi.com, www.jmfi.com and www.morganstanley.com, respectively.

Capitalized terms not specifically defined herein shall have the meaning ascribed to them in the LOF.

LEAD MANAGERS TO THE ISSUE				REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER	
<p>AXIS CAPITAL 1st Floor, Axis House, P.B. Marg Worli, Mumbai - 400 025, Maharashtra, India Telephone: +91 22 4325 2183 E-mail: upl.rights@axiscap.in Investor Grievance ID: complaints@axiscap.in Website: www.axiscapital.co.in Contact Person: Pratik Pednekar SEBI Registration No.: INM000012029</p>	<p>BNP PARIBAS 1 North Avenue, Maker Maxity, Bandra-Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai - 400 051, Maharashtra, India Telephone: +91 22 3370 4000 E-mail: DL.UPL.Rights@bnpparibas.com Investor Grievance E-mail: indianinvestors.care@asia.bnpparibas.com Website: www.bnpparibas.co.in Contact Person: Mahabir Kochar SEBI Registration No.: INM000011534</p>	<p>J.P. MORGAN INDIA PRIVATE LIMITED J.P. Morgan Tower, Off CST Road, Kalina Santacruz East, Mumbai - 400 098, Maharashtra, India Telephone: +91 22 6157 3000 E-mail: UPL_RIGHTS@jpmorgan.com Investor Grievance ID: investorsmb.jpmi@jpmorgan.com Website: www.jpmi.com Contact Person: Saarthak Soni / Vidit Jain SEBI Registration No.: INM00002970</p>	<p>JM FINANCIAL LIMITED 7th Floor, Energy, Appasaheb Marathe Marg, Prabhadevi, Mumbai - 400 025, Maharashtra, India Telephone: +91 22 6630 3030 Email: upl.rights@jmfi.com Investor Grievance Email: grievance.tbd@jmfi.com Website: www.jmfi.com Contact Person: Prachee Dhuri SEBI Registration No.: INM000010361</p>	<p>MORGAN STANLEY INDIA COMPANY PRIVATE LIMITED 18th Floor, Tower 2 One World Centre, Plot 841, Jupiter Textile Mill Compound, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai - 400 013, Maharashtra, India Telephone: +91 22 6118 1000 E-mail: uplrights@morganstanley.com Investor Grievance E-mail: investors_india@morganstanley.com Website: www.morganstanley.com Contact Person: Aayush Aganwal SEBI Registration Number: INM000011203</p>	<p>LINK INTIME INDIA PRIVATE LIMITED C-101, 247 Park, L.B.S. Marg, Surya Nagar, Gandhi Nagar, Vikhroli (West), Mumbai - 400083, Maharashtra, India Telephone: +91-22-810 811 4949 E-mail: uplrights2024@linkintime.co.in Investor grievance e-mail: uplrights2024@linkintime.co.in Website: www.linkintime.co.in Contact Person: Shanti Gopalakrishnan SEBI Registration No.: INR00004058</p>	<p>Mr. Sandeep Mohan Deshmukh Company Secretary and Compliance Officer Uniphos House, Chitrakar Dhurandhar Road, 11th Road, Near Madhu Park Garden, Khar (West), Mumbai - 400052, Maharashtra, India Telephone: +91 22 6856 8000</p>

खबर कोना

निर्माणधीन सुरंग का हिस्सा ढहा, एक की मौत

जयपुर, 1 दिसंबर (भाषा)।

राजस्थान में कोटा जिले के रामगंज मंडी क्षेत्र में निर्माणधीन सुरंग का एक हिस्सा ढहने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (कोटा ग्रामीण) सुजीत शंकर ने बताया कि कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर निर्माणधीन सुरंग का एक हिस्सा शनिवार रात ढह गया जिसके मलबे में दबने से एक मजदूर की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। सुरंग के ढहने से तीन मजदूर मलबे में फंस गए और बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उन्होंने बताया कि शमशेर सिंह (33) को मृत घोषित कर दिया गया और दो घायल मजदूरों का अस्पताल में इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह हादसा रामगंज मंडी के मोड़क इलाके में हुआ। घटना के बाद पुलिस और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

नवंबर माह में 21,612 करोड़ रुपए निवेशकों ने निकाले

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

विदेशी निवेशकों ने नवंबर में भारतीय इंडिटी बाजार से 21,612 करोड़ रुपए (2.56 अरब अमेरिकी डालर) निकाले। विश्वेशकों के मुताबिक अमेरिकी बांड प्रतिफल में बढ़ोतरी, डालर की मजबूती और घरेलू अर्थव्यवस्था में मंदी के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली जारी है। हालांकि, शुद्ध निकासी अक्टूबर की तुलना में काफी कम हो गई है, जब एफपीआई ने 94,017 करोड़ रुपए (11.2 अरब अमेरिकी डालर) की बिकवाली की थी। एफपीआई ने 2024 में अब तक कुल 15,019 करोड़ रुपए की शुद्ध निकासी की है। मार्गिस्टार इवेंट्स एंड रिसर्च इंडिया के संयुक्त निदेशक शोध प्रबंधन हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि आने वाले समय में डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में लागू होने वाली नीतियों, मुद्रास्फीति और ब्याज दर से एफपीआई का रुख तय होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों का तीसरी तिमाही का आय प्रदर्शन भी निवेशकों का रुख तय करने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

कोयला उत्पादन नवंबर में 7.2 फीसद बढ़ा, ढुलाई करीब चार फीसद बढ़ी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारत का कुल कोयला उत्पादन नवंबर में 7.2 फीसद बढ़कर 9.06 करोड़ टन हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 8.45 करोड़ टन था। कोयला मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। अंतिम आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में कोयला उत्पादन 6.21 फीसद बढ़कर 62.80 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 59.13 करोड़ टन था। नवंबर में निजी और अन्य संस्थाओं से कोयला उत्पादन बढ़कर 1.71 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर, 2023 में 1.24 करोड़ टन था। इलाहाबाद के अनुसार, 'इसके अतिरिक्त, नवंबर 2024 में कोयला ढुलाई में लगातार सुधार हुआ। यह नवंबर, 2023 में 8.20 करोड़ टन से बढ़कर 8.52 करोड़ टन (अंतिम) तक पहुंच गया। यह 3.85 फीसद की वृद्धि दर्शाता है। कुल मिलाकर, चालू वित्त वर्ष में नवंबर तक कोयला ढुलाई बढ़कर 65.77 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 62.37 करोड़ टन था।

सुरत

ईवीएम सेंधमारी के दावे पर आयोग ने दर्ज कराई एफआइआर

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

मुंबई पुलिस की साइबर शाखा ने इलेक्ट्रॉनिक वॉटिंग मशीन (ईवीएम) की 'फ्रीडोम' से छेड़छाड़ कर ईवीएम को हैक कर सकने का दावा करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आयोग बताया कि महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने मामले में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि आरोपी सैयद शुजा द्वारा किया गया दावा झूठा और निराधार है। अधिकारी ने बताया कि 30 नवंबर को दक्षिण मुंबई के साइबर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) अधिनियम के तहत 'इस वीडियो में दिखा रहे व्यक्ति के खिलाफ' प्राथमिकी दर्ज की गई।

सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें एक व्यक्ति को यह दावा करते सुना जा सकता है कि वह महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में ईवीएम की 'फ्रीडोम' से छेड़छाड़ कर उसे (ईवीएम को) हैक कर

सकता है, जिसके बाद निर्वाचन आयोग ने यह कार्रवाई की। निर्वाचन आयोग ने 2019 में भी इसी तरह का दावा करने के लिए शुजा के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के

कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि झूठे दावों से जुड़ी इसी तरह की एक घटना में आयोग के निर्देश पर 2019 में दिल्ली में इसी व्यक्ति (शुजा) के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जो किसी अन्य देश में छिपा हुआ है।

जीएसटी संग्रह 8.5% बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

एकीकृत आइजीएसटी 91,828 और उपकर 13,253 करोड़ रहा

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने से नवंबर में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.5 फीसद बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है।

रविवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपए, राज्य जीएसटी 43,047 करोड़ रुपए, एकीकृत आइजीएसटी 91,828 करोड़ रुपए और उपकर 13,253 करोड़ रुपए रहा। नवंबर में कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.5 फीसद बढ़कर 1.82 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 1.68 लाख करोड़ रुपए था।

अक्तूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह नौ फीसद वार्षिक वृद्धि के साथ



अक्तूबर में 1.87 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी संग्रह नौ फीसद वार्षिक वृद्धि के साथ दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था।

दूसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह था। अब तक का सबसे अधिक संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपए से अधिक था। समीक्षाधीन महीने के दौरान घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 9.4 फीसद बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयात पर कर से राजस्व लगभग छह फीसद बढ़कर 42,591 करोड़ रुपए हो गया।

इस महीने के दौरान 19,259 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.9 फीसद कम है। रिफंड समायोजित करने के बाद, शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 फीसद बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपए हो गया। डेलायट इंडिया के साइबर एम एस मणि ने कहा कि चालू वित्त वर्ष (2024-25) में सात प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि चालू वित्त वर्ष के शेष चार महीनों में जीएसटी संग्रह के लिए अच्छी है।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों में संग्रह वित्त वर्ष 2024-25 से एक लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है और वित्त वर्ष 2024-25 के बजट अनुमानों से आगे है। चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध जीएसटी संग्रह 12.90 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले साल अप्रैल-नवंबर की अवधि में 11.81 लाख करोड़ रुपए का संग्रह हुआ था।

'जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमान में कमी का अनुमान'

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) इस सप्ताह के अंत में अपनी द्विपक्षीय मौद्रिक नीति समीक्षा में प्रमुख ब्याज दर को एक बार फिर अपरिवर्तित रख सकता है। विशेषज्ञों ने यह अनुमान जताते हुए कहा कि मुद्रास्फीति सहनशील सीमा के ऊपरी स्तर को पार कर गई है, और दूसरी

तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि के निराशाजनक आंकड़ों को देखते हुए केंद्रीय बैंक वृद्धि पूर्वानुमान को कम कर सकता है।

रिजर्व बैंक गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह

सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4-6 दिसंबर, 2024 को होने वाली है। बैठक के निर्णय की घोषणा छह दिसंबर को गवर्नर शक्तिशाली दास करेंगे।

आमतौर पर ऐसा मानना है कि आरबीआई जल्द ही प्रधान ब्याज दरों को कम करना शुरू कर देगा, लेकिन केंद्रीय बैंक के पास इस बार बहुत कम विकल्प होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि खुदरा मुद्रास्फीति छह प्रतिशत से ऊपर है। रिजर्व बैंक ने फरवरी 2023 से रेपो दर या लघु अवधि की उधारी दर को 6.5 फीसद पर बरकरार रखा है।

आरबीआई मौद्रिक नीति की बैठक की तैयारी।

तेलंगाना से भाजपा विधायक टी राजा के बिगड़े बोल, कहा

भूमि जिहादियों को सबक सिखाए राज्य सरकार

जनसत्ता संवाददाता

उत्तरकाशी, 1 दिसंबर।

तेलंगाना के गोशाहल से भाजपा के विधायक टी राजा ने रविवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से उत्तर प्रदेश के उनके समकक्ष योगी आदित्यनाथ की तरह भूमि जिहादियों को सबक सिखाने को कहा। राजा ने यहां उत्तरकाशी में एक मस्जिद के खिलाफ रामलीला मैदान में हिंदूवादी संगठन 'देवभूमि विचार मंच' की ओर से आयोजित महापंचायत को संबोधित करते हुए कहा कि वह हैदराबाद से यहां मुख्यमंत्री धामी से कहने आए हैं कि वह योगी आदित्यनाथ से चाय पर चर्चा करें।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी जी जिस प्रकार से भूमि जिहादियों को सबक सिखाते हैं, आपको (धामी) भी उत्तराखंड में कुछ बुलडोजर खरीदने की आवश्यकता है। राजा ने धामी को प्रदेश के एक करोड़ हिंदुओं का समर्थन होने का दावा करते हुए कहा कि उन्हें उनकी भावनाएं समझनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वे (हिंदू) भूमि जिहाद मुक्त उत्तराखंड चाहते हैं। उत्तराखंड स्वर्ग

राजा ने उत्तरकाशी में एक मस्जिद के खिलाफ रामलीला मैदान में हिंदूवादी संगठन 'देवभूमि विचार मंच' की ओर से आयोजित महापंचायत को संबोधित किया

है लेकिन उसे नर्क बनाने का जो षडयंत्र भूमि जिहादियों द्वारा किया जा रहा है, हमारे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री को सावधान होकर उन सभी को सबक सिखाने की आवश्यकता है। राजा ने महापंचायत में मौजूद लोगों से कहा कि जो राजनीतिक दल उनसे वोट मांगने आए, वे उन्हें यह अहसास करावा दें कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें भूमि जिहादियों को वहां से खदेड़ना होगा। यह केवल उत्तरकाशी का नहीं बल्कि संपूर्ण उत्तराखंड का मुद्दा है और भूमि जिहाद व लव जिहाद से बचने के लिए सबको एक होने की जरूरत है। यह बात आप यहां के एक करोड़ हिंदुओं के दिमाग में बैठे दो कि हम एक हैं और 25 लाख जो रोहिया और बांग्लादेशी घुसपैठियों को जो मार के भगाएगा, हमारा आशीर्वाद उनको मिलेगा।

पंचकूला से चंडीगढ़ की तरफ भारी वाहनों पर रोक लगाई

चंडीगढ़, 1 दिसंबर (जनसत्ता)।

चंडीगढ़ में तीन दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आ रहे हैं। इसके लिए यातायात पुलिस ने विशेष परामर्शी जारी की है।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पंचकूला से चंडीगढ़ में सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक भारी वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। यातायात पुलिस के आला

अधिकारियों ने बताया कि इस दिन पंचकूला की ओर से आने वाले वाहन चालकों को

जीरकपुर और अन्य वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश की ओर जाने वाले वाहनों पर कोई रोक नहीं होगी। यदि कोई वाहन चालक हिमाचल से पंचकूला होकर चंडीगढ़ जाना चाहता है, तो उसे जीरकपुर के रास्ते से यात्रा करनी होगी। इसी तरह, अंबाला से पंचकूला के रास्ते चंडीगढ़ जाने वाले भारी वाहन भी जीरकपुर के वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करेंगे।

यातायात पुलिस ने अपील की है कि वे निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें।

डाक के जरिए मिला पत्र, खुद को लारेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया भाजपा नेता से 10 करोड़ की रंगदारी मांगी

बलिया, 1 दिसंबर (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में भाजपा के नेता और नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष को पत्र भेजकर 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रविवार को मुकदमा दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि व्यक्ति ने खुद को लारेंस बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया। उभाव शान प्रभारी विपिन सिंह ने रविवार को बताया कि बिलथरा रोड नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन दिनेश कुमार गुप्ता की तहरीर पर रविवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा

भाजपा नेता बिलथरा रोड नगर पंचायत की चेयरमैन रेनु गुप्ता के पति व उनके प्रतिनिधि दिनेश गुप्ता ने बताया कि 28 नवंबर को डाकघर से पोस्टमैन ने साधारण डाक लगा हुआ एक-एक पत्र दिया। उसमें लिखा है कि 'हमारे धंधे में 10 करोड़ की आवश्यकता है, जल्द चाहिए। एल बिश्नोई गैंग।' लिफाफे पर एक तरफ भेजने वाला आरपन सिंह, जीकेपी, पिन- 273002 लिखा है। पत्र मिलते ही थाने और चौकी को सूचना दे दी थी। इस खत के मजमूत को पढ़ने के बाद परिवार में भय व दहशत का माहौल है।

351(4) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। गुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि उन्हें तीन दिन पहले डाक के जरिए एक पत्र मिला, जिसमें आरोपी ने खुद को बिश्नोई गिरोह का सदस्य करार देते हुए उनसे 10 करोड़ रुपए की

फिरौती मांगी। पीड़ित ने बताया कि उनकी पत्नी रेनु गुप्ता वर्तमान समय में भाजपा की बिलथरा रोड नगर पंचायत की अध्यक्ष हैं। बिलथरा रोड नगर पंचायत के दो बार अध्यक्ष रहे गुप्ता व्यवसायी हैं। साथ ही वह भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के गोरक्षा प्रांत के सह संयोजक भी हैं।

पायलट की सूझबूझ से बची सैकड़ों यात्रियों की जान

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के दौरान चेन्नई हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश नाकाम होने पर पायलट ने अपनी सूझबूझ से सैकड़ों यात्रियों ने जान बचाई। मुंबई से चेन्नई पहुंचने के बाद इंडिगो के विमान को शनिवार को पायलट ने जब उतराने की कोशिश की, तेज हवा की वजह से विमान ने कई बार कलाबाजी खाई, जिससे सभी यात्री डर गए। लेकिन तत्काल दोबारा उड़ान भरी जिससे बड़ा हादसा बच गया।

उधर, हालात में सुधार होने के बाद देर रात विमानों का आवागमन भी दोबारा शुरू कर दिया गया। इंडिगो की उड़ान के उतरने से तुरंत पहले तेज हवा की वजह से इसे दोबारा उड़ान भरनी पड़ी। जोखिम के बावजूद पायलट ने अहम

चेन्नई हवाई अड्डे पर बचा हादसा, आवागमन भी दोबारा शुरू कर दिया गया।

भूमिका निभाते हुए अपनी टीम सहित यात्रियों की जान बचाई। इस बारे में इंडिगो के प्रवक्ता ने कहा है कि चालक दल ने पूरे सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए इसे अंजाम दिया। इसकी प्रसारित हो रही वीडियो से यह साफ हो रहा है कि अगर चंद्र सेंकेंड की देरी होती तो चक्रवाती तूफान 'फेंगल' के दौरान चेन्नई हवाई अड्डे पर बड़ा हादसा हो सकता था।

खराब मौसम के कारण इंडिगो के काकपिट कू फ्लाइट 6इ 683 ने शनिवार को मुंबई से चेन्नई की फ्लाइट में दोबारा उड़ान भरने (गो-अराउंड) का निर्णय लिया।

आंध्र के बाद तेलंगाना भी दो बच्चों की नीति खत्म कर सकता है

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

जनसंख्या नियंत्रण पर बहस के बीच और आंध्र प्रदेश द्वारा अपनी 'दो-बच्चा नीति' को खत्म करने के हफ्तों बाद पड़ोसी राज्य तेलंगाना भी ऐसा ही फैसला लागू करने की तैयारी में है।

आंध्र ने वह प्रावधान रद्द कर दिया था, जिसमें दो से अधिक बच्चों वाले लोगों पर स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने से रोक थी। इस तरह का प्रावधान लागू करने के लिए तेलंगाना को आंध्र प्रदेश की तरह अपने पंचायत राज अधिनियम, 2018 में संशोधन करना होगा। एक आला अधिकारी के मुताबिक, 'पर्याप्त सबूत हैं जो बताते हैं कि हम उस समय की ओर बढ़ रहे हैं जब राज्य की आबादी बढ़ी हो जाएगी। अब समय आ गया है कि पहले लागू किए गए कुछ परिवार नियोजन उपायों को वापस लिया जाए।' उन्होंने आगे कहा कि 2047 तक तेलंगाना को अधिक युवाओं या बच्चों की आवश्यकता होगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पहले कहा था कि उनकी सरकार ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहन

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पहले कहा था कि उनकी सरकार ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहन देगी, यह नीति कई यूरोपीय देशों ने भी अपनाई है।

देगी, यह नीति कई यूरोपीय देशों ने भी अपनाई है। आंध्र प्रदेश ने नीति को रद्द करते हुए कम प्रजनन दर और बढ़ती उम्र की आबादी के बारे में भी चिंता जताई थी। राज्य के सूचना और जनसंपर्क मंत्री की तरह अपने पंचायत राज अधिनियम, 2018 में संशोधन करना होगा। एक आला अधिकारी के मुताबिक, 'पर्याप्त सबूत हैं जो बताते हैं कि हम उस समय की ओर बढ़ रहे हैं जब राज्य की आबादी बढ़ी हो जाएगी। अब समय आ गया है कि पहले लागू किए गए कुछ परिवार नियोजन उपायों को वापस लिया जाए।' उन्होंने आगे कहा कि 2047 तक तेलंगाना को अधिक युवाओं या बच्चों की आवश्यकता होगी।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पहले कहा था कि उनकी सरकार ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों को प्रोत्साहन

विमान ईंधन 1.45 फीसद महंगा हुआ

वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमत 16.5 रुपए बढ़ी

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

विमान ईंधन या एटीएफ 1.45 फीसद महंगा हो गया है, जबकि होटल और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में 16.5 रुपए प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर की वृद्धि हुई। सार्वजनिक क्षेत्र की ईंधन विपणन कंपनियों ने रविवार को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुसार अपने मासिक संशोधन के तहत उक्त मूल्य वृद्धि की।

राष्ट्रीय राजधानी में एटीएफ की कीमत 1,318.12 रुपए प्रति किलोलीटर या 1.45 फीसद बढ़कर 91,856.84 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई। विमान ईंधन की



ईंधन विपणन कंपनियों ने रविवार को कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों के अनुसार अपने मासिक संशोधन के तहत उक्त मूल्य वृद्धि की।

कीमतों में यह लगातार दूसरी मासिक वृद्धि है। इससे पहले एक नवंबर को दरों में 2,941.5 रुपए प्रति किलोलीटर (3.3 फीसद) की वृद्धि की गई थी। मुंबई में एटीएफ की कीमत

84,642.91 रुपए से बढ़कर 85,861.02 रुपए प्रति किलोलीटर हो गई। तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत भी 16.5 रुपए बढ़ाकर 1818.50 रुपए प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर कर दी। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में यह लगातार पांचवीं मासिक बढ़ोतरी है। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अब मुंबई में 1771 रुपए प्रति सिलेंडर, कोलकाता में 1,927 रुपए प्रति सिलेंडर और चेन्नई में 1,980 रुपए प्रति सिलेंडर है। हालांकि, घरेलू इस्तेमाल वाली रसोई गैस की कीमत 803 रुपए प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर अपरिवर्तित रही। पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं।



विरोध

बांग्लादेश में हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के खिलाफ रविवार को बंगलुरु में प्रदर्शन करते इस्कान के सदस्य।

खबर कोना

घरों पर चढ़ान गिरने से पांच से सात लोगों के फंसे होने की आशंका तिरुवनमलई, 1 दिसंबर (भाषा)।

तमिलनाडु के तिरुवनमलई जिले में भारी बारिश के बाद मशहूर अनामलाईयार पहाड़ी की निचली ढलानों पर स्थित कुछ घरों पर चढ़ान गिर जाने से वहां पांच से सात लोगों के मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है। अधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि अधिकारी राहत एवं बचाव कार्यों में लगे हुए हैं। जिला अधिकारी डी भास्कर पांडियन और पुलिस अधीक्षक एम सुधाकर ने रविवार शाम घटनास्थल का निरीक्षण किया। अग्निशामन एवं बचाव सेवा के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी को बताया कि पहाड़ी की निचली ढलान पर स्थित झोपड़ियों पर एक बड़ी चढ़ान गिर गई।



वेंगलपट्ट में रविवार को बाढ़ग्रस्त इलाके में निवासियों को राहत सामग्री प्रदान करता सेना का जवान।

हसीना पर हमले के मामले में खालिदा के बेटे समेत सभी आरोपी बरी

ढाका, 1 दिसंबर (भाषा)।

बांग्लादेश में ढाका उच्च न्यायालय ने रविवार को निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए 2004 में अदामी लीग की नेता शेख हसीना की रैली में हुए हथगोले से हमले के मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान और पूर्व राज्य मंत्री लुत्फोज्जामा बाबर सहित सभी 49 आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने जनरल कार्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को रद्द कर दिया और तारिक रहमान सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया। रहमान (57) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष हैं। ढाका के बंगबंधु एवेन्यू में अदामी लीग की रैली पर ग्रेनेड हमले के बाद दो मामले-एक हत्या का और दूसरा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज किए गए थे। इस मामले में 24 लोग मारे गए और लगभग 300 लोग घायल हुए। न्यायमूर्ति एकेएम असदुज्जामा और न्यायमूर्ति सैयद इनायत हुसैन की पीठ ने मामले के सभी 49 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि मामलों में निचली अदालत का फैसला 'अवैध' था।

पुतिन ने रक्षा खर्च 28.3 फीसद से अधिक बढ़ाया

कीव, 1 दिसंबर (एपी)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत 2025 तक रक्षा खर्च को रेकार्ड स्तर तक बढ़ा दिया जाएगा। इस कदम को मास्को द्वारा युद्ध में यूक्रेन से बढ़त हासिल करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। रविवार को सरकारी वेबसाइट पर पोस्ट किए गए बजट का लगभग 32.5 फीसद राष्ट्रीय रक्षा के लिए आवंटित किया गया है, जो मौजूदा वर्ष के 28.3 फीसद से अधिक है। रूसी संसद के दोनों सदनों - स्टेट ड्यूमा और फेडरेशन काउंसिल - के सांसदों ने बजट योजनाओं को मंजूरी दे दी है। रूस-यूक्रेन युद्ध फरवरी 2022 में शुरू हुआ था।

त्रिपुरा के परिवहन मंत्री का आरोप, ट्रक चालक ने जानबूझकर मारी टक्कर

बांग्लादेश में भारतीय बस पर क्रिया गया हमला, यात्री सहमे

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

त्रिपुरा के परिवहन मंत्री सुशांत चौधरी ने आरोप लगाया कि अगरतला से कोलकाता जा रही एक बस पर बांग्लादेश में हमला किया गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया जिले के विश्व रोड पर हुई। चौधरी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर बस की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, 'त्रिपुरा से कोलकाता जा रही श्यामली परिवहन बस पर बांग्लादेश के ब्राह्मणबारिया में विश्व रोड पर हमला किया गया। इस घटना से बस में सवार भारतीय यात्री सहम गए। बस अपनी लेन में चल रही थी, तभी एक ट्रक ने जानबूझकर उसे टक्कर मार दी। इस दौरान एक आटोरिक्शा बस के सामने आ गया और बस एवं आटोरिक्शा की टक्कर हो गई।

उन्होंने कहा, 'इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस में सवार भारतीय यात्रियों को धमकाना शुरू कर दिया। उन्होंने भारत विरोधी नारे भी लगाए और भारतीय यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार किया तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मैं पड़ोसी देश के प्रशासन से भारतीय यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूँ।

कोलकाता और अगरतला के बीच बसों का संचालन ढाका के रास्ते किया जाता है क्योंकि इससे सफर की दूरी आधी से भी कम हो जाती है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने कहा कि उन्हें बस पर हमले की सूचना मिली तथा वह इस बारे में ज्यादा जानकारी जुटाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया देख रही है कि बांग्लादेश में हिन्दुओं को किस तरह उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा है।

इस्कान के कई सदस्यों को भारत आने से रोका

ढाका, 1 दिसंबर (भाषा)।

वैध यात्रा दस्तावेजों के साथ भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे इस्कान के दर्जनों सदस्यों को रविवार को बांग्लादेश की आत्रजन पुलिस ने बेनापोल सीमा पर वापस भेज दिया। एक मीडिया रपट में यह जानकारी दी गई। 'डेली स्टार' अखबार ने अपनी खबर में बेनापोल आत्रजन पुलिस के प्रभारी अधिकारी इम्तियाज अहसानुल कादिर भुइयां के हवाले से कहा कि हमने पुलिस की विशेष शाखा से परामर्श किया और उच्च अधिकारियों से निर्देश

मिले कि उन्हें (सीमा पार करने की) अनुमति न दी जाए। भुइयां ने बताया कि इस्कान के सदस्यों के पास कथित तौर पर वैध पासपोर्ट और वीजा थे, लेकिन उनके पास यात्रा के लिए आवश्यक 'विशिष्ट सरकारी अनुमति नहीं थी।' उन्होंने कहा कि वे ऐसी मंजूरी के बिना आगे नहीं बढ़ सकते। विभिन्न जिलों से आए श्रद्धालुओं समेत 54 सदस्य शनिवार रात और रविवार सुबह जांच चौकी पर पहुंचे। हालांकि, अनुमति के लिए घंटों इंतजार करने के बाद उन्हें बताया गया कि उनकी यात्रा अधिकृत नहीं है।

चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर सुनवाई कल

बांग्लादेश की एक अदालत ने पिछले साह राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किए गए हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास की जमानत पर सुनवाई के लिए तीन दिसंबर की तारीख तय की है। मीडिया में आई खबर में यह जानकारी दी गई है। चर्चावांग मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अतिरिक्त उपयुक्त मोफिज-उर-रहमान के अनुसार, मंगलवार की सुनवाई मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफ-उल-इस्लाम द्वारा की जाएगी। चर्चावांग की अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि सुनवाई की तारीख पहले ही तय कर दी गई थी, लेकिन भुववार और गुरुवार को वकीलों की हड़ताल के कारण घोषणा में देरी हुई। 'बीडीन्यूज24 डट काम' की रपट के अनुसार, सुनवाई तीन दिसंबर को होगी।

बांग्लादेश से आने वाली उड़ानों की संख्या में कमी आई: अधिकारी

पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश से कोलकाता की ओर आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार कमी आ रही है और यात्रियों की संख्या भी घट रही है। एनएससीबीआई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने रविवार को बताया कि भारत की एक एअरलाइन ने भी कोलकाता और ढाका के बीच उड़ान सेवा शुरू करने की अपनी योजना को फिलहाल रद्द कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी देश की निजी विमान कंपनी 'यूस-बांग्ला एअरलाइंस' द्वारा संचालित कोलकाता आने वाली उड़ानों की संख्या जुलाई में 84 थी लेकिन नवंबर में यह घटकर 24 रह गई। 'यूस-बांग्ला एअरलाइंस' के विमानों द्वारा जुलाई में 7,391 कोलकाता आए थे जबकि नवंबर में केवल 1,646 यात्री ही यहां आए।

निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने संबंधी याचिका पर सुनवाई आज

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

सुप्रीम कोर्ट दो दिसंबर को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करेगा जिसमें प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ इंदु प्रकाश सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी, जिन्होंने अगस्त 2024 में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दो निर्देश को चुनौती दी है, जिसमें भारत भर में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में प्रति मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या बढ़ाने की बात कही गई है। सिंह ने दलील दी है कि प्रति

मतदान केंद्र मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का निर्णय मनमाना है और किसी भी डेटा पर आधारित नहीं है। शीर्ष अदालत ने 24 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग को कोई नोटिस जारी करने से इनकार कर दिया, लेकिन याचिकाकर्ता को आयोग के स्थायी वकील को प्रति देने की अनुमति दी ताकि इस मुद्दे पर उसका रुख पता चल सके।

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि मतदाताओं की संख्या 1,200 से बढ़ाकर 1,500 करने से वंचित समूह चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो जाएंगे, क्योंकि

किसी व्यक्ति को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में अधिक समय लगेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि मतदान केंद्र पर लंबी कतारें और लंबे इंतजार से मतदाता वोट डालने से परहेज करेंगे।

घाटी के कई हिस्सों में छाया घना कोहरा कश्मीर में पारा शून्य से नीचे पहुंचा

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

उत्तर भारत में ठंड शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तापमान गिर रहा है। सुबह-शाम ठंड बढ़ गई है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले हफ्ते ठंड और बढ़ेगी। उधर, कश्मीर के कई इलाकों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जबकि एक दिन पहले हुई ताजा बर्फबारी के बाद घाटी में कई स्थानों पर भीता रात तापमान शून्य से नीचे चला गया। अधिक ऊंचाई पर स्थित श्रीनगर वायु स्टेशन घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा जहां पारा शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि घने कोहरे के कारण श्रीनगर और कश्मीर

श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.3 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 2.6 डिग्री नीचे दर्ज किया गया, जबकि दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में पारा शून्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। घाटी के प्रवेशद्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 1.8 डिग्री सेल्सियस नीचे तथा कुपवाड़ा में न्यूनतम पारा शून्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। उधर मध्य प्रदेश में बर्फनी हवाओं से टिठुरन बढ़ गई है। भोपाल में शनिवार रात का तापमान आठ डिग्री तक पहुंच गया। पिछले 36 साल में नवंबर में यह सबसे कम तापमान रहा। मौसम विभाग के अनुसार, कश्मीर में बर्फबारी हो रही है।

के कुछ अन्य स्थानों पर दृश्यता 50 मीटर से नीचे पहुंच गई। शनिवार को हुई ताजा बर्फबारी के कारण घाटी में कई स्थानों पर भीता रात तापमान शून्य से नीचे चला गया। अधिक ऊंचाई पर स्थित श्रीनगर वायु स्टेशन घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा जहां पारा शून्य से 3.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि

फ्रांस की विदेश व्यापार मंत्री सोफी प्राइमस को उम्मीद

भारत के साथ आर्थिक समझौता करने पर विचार

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

फ्रांस की विदेश व्यापार मंत्री सोफी प्राइमस ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में घनिष्ठ साझेदारी के बाद भारत और फ्रांस अब विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा, नई प्रौद्योगिकियों और विमानन जैसे क्षेत्रों में आर्थिक और व्यापार संबंधों को पर्याप्त रूप से मजबूत करने पर विचार कर रहे हैं। भारत की अपनी तीन दिवसीय यात्रा के अंत में प्राइमस ने कहा कि फ्रांस 'पारस्परिक रूप से लाभकारी' मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए नई दिल्ली और यूरोपीय संघ के बीच आगे की बातचीत की उम्मीद कर रहा है जो दो-तरफा आर्थिक संबंध का विस्तार कर सकता है। उधर सोफी ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा रणनीतिक

संबंध

व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध

सोफी ने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारा रणनीतिक आपूर्ति शृंखलाओं को बढ़ाएगा, आर्थिक एवं ऊर्जा क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ावा देगा तथा यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता का स्रोत होगा। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन कार्बन कर पर 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के रुख सहित कई अन्य कारणों से बातचीत लंबी खिंच गई।

आपूर्ति शृंखलाओं को बढ़ाएगा, आर्थिक एवं ऊर्जा क्षेत्रों में सुरक्षा को बढ़ावा देगा तथा यह क्षेत्रीय शांति और स्थिरता का स्रोत होगा। भारत और यूरोपीय संघ ने आठ साल से अधिक के अंतराल के बाद जून 2022 में महत्वाकांक्षी व्यापार समझौते के लिए बातचीत फिर से शुरू की, लेकिन कार्बन कर पर 27 देशों

वाले यूरोपीय संघ के रुख सहित कई अन्य कारणों से बातचीत लंबी खिंच गई। प्राइमस ने समाचार एजेंसी से कहा कि मैं यह भी जोड़ना चाहूंगी कि यूरोपीय संघ के स्तर पर, हम यूरोपीय संघ और भारत के बीच एक व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम वैमानिकी, सतत विकास और उभरती जो पारस्परिक रूप से लाभप्रद है और जिसके

अपने विरोधियों के खिलाफ प्रतिशोध की इच्छा

एफबीआई निदेशक पद के लिए ट्रंप की पसंद बने काश पटेल

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक पद के लिए अपने निकट सहयोगी एवं विश्वासपात्र काश पटेल को नामित किया। यह चयन ट्रंप के इस दृष्टिकोण के अनुरूप है कि सरकार की कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। साथ ही ट्रंप ने अपने विरोधियों के विरुद्ध प्रतिशोध की इच्छा जताई है। ऐसे में इस पद के लिए पटेल का चयन मायने रखता है। पटेल के बारे में ट्रंप की घोषणा का अर्थ है कि मौजूदा एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे को या तो इस्तीफा देना होगा या 20 जनवरी को ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया जाएगा।

ट्रंप ने शनिवार रात सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'पटेल ने रूस के संबंध में फैलाए गए झूठ को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह सच्चाई, जवाबदेही एवं संविधान के समर्थक के रूप में खड़े रहे।' ट्रंप ने अपने स्वामित्व वाले सोशल मीडिया मंच 'ट्रूथ सोशल' पर कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि कश्यप काश पटेल एफबीआई के अगले निदेशक के रूप में काम करेंगे। काश एक बेहतरीन वकील, जांचकर्ता और 'अमेरिका को प्राथमिकता देने वाले' योद्धा हैं, जिन्होंने अपने करिअर के दौरान भ्रष्टाचार को उजागर किया और न्याय तथा अमेरिका के लोगों की रक्षा की।'

पटेल (44) ने 2017 में तत्कालीन ट्रंप प्रशासन के अंतिम कुछ हफ्तों में अमेरिका के कार्यवाहक रक्षा मंत्री के 'चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में काम किया था। ट्रंप ने कहा, 'काश ने मेरे पहले कार्यकाल के दौरान



ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर कहा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि कश्यप काश पटेल एफबीआई के अगले निदेशक के रूप में काम करेंगे। काश एक बेहतरीन वकील, जांचकर्ता और 'अमेरिका को प्राथमिकता देने वाले' योद्धा हैं, जिन्होंने अपने करिअर के दौरान भ्रष्टाचार को उजागर किया और न्याय तथा अमेरिका के लोगों की रक्षा की।'

शानदार काम किया। इस दौरान वह रक्षा मंत्रालय में चीफ आफ स्टाफ, राष्ट्रीय खुफिया उपनिदेशक और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में आतंकवाद रोधी विभाग के वरिष्ठ निदेशक रहे। काश ने अदालत में हुई 60 से अधिक सुनवाईयों में प्रशासन की तरफ से पैरवी भी की। न्यूयार्क में जन्मे पटेल का नाता गुजरात से है। हालांकि उनकी मां पूर्वी अफ्रीका में तंजानिया से और पिता युगांडा से हैं। वह 1970 में कनाडा से अमेरिका आ गए थे। पटेल ने पूर्व में एक साक्षात्कार में कहा था, 'हम गुजराती हैं।'



अभियान

कारगिल में रविवार को जोजिला दर्र पर बर्फ हटाने का अभियान चलाते सीमा सड़क संगठन के कर्मचारी।

बोफोर्स मामले में जल्द अमेरिका को न्यायिक अनुरोध भेजेगा सीबीआई

जनसत्ता ब्यूरो

नई दिल्ली, 1 दिसंबर।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) बोफोर्स मामले में निजी जासूस माइकल हर्शमैन से जानकारी मांगने के लिए जल्द ही अमेरिका को एक न्यायिक अनुरोध भेजेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हर्शमैन ने 1980 के दशक के 64 करोड़ रुपए के कथित बोफोर्स रिश्वत कांड के बारे में महत्वपूर्ण विवरण भारतीय एजेंसियों के साथ साझा करने की इच्छा व्यक्त की थी।

सीबीआई ने एक विशेष अदालत को भी इस घटनाक्रम के बारे में सूचित किया है, जो मामले में आगे की जांच के लिए एजेंसी की याचिका पर सुनवाई कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि 'लेटर रोगेटरी' (एलआर) भेजने की प्रक्रिया इस वर्ष अक्टूबर में शुरू की गई थी और अमेरिका को

औपचारिक अनुरोध भेजने में लगभग 90 दिन लगने की संभावना है, जिसका उद्देश्य कथित रिश्वत मामले की आगे की जांच के लिए सूचना प्राप्त करना है। लेटर रोगेटरी एक लिखित अनुरोध है जो एक देश की अदालत द्वारा किसी आपराधिक मामले की जांच या अभियोजन में सहायता प्राप्त करने के लिए दूसरे देश की अदालत को भेजा जाता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2004 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को इस मामले में बरी कर दिया था। उसने एक साल बाद राजनीतिक रूप से संवेदनशील इस मामले में हिंदुजा बंधुओं सहित शेष आरोपियों के खिलाफ सभी आरोपों को खारिज कर दिया था।

इतालवी व्यवसायी एवं कथित तौर पर रिश्वत मामले में विचौलिये ओतावियो व्नात्रोची को 2011 में एक अदालत ने बरी कर दिया था। अदालत ने सीबीआई को उनके खिलाफ अभियोजन वापस लेने की अनुमति दी थी।

विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बढ़ रही है : ओम बिरला

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (ब्यूरो)।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि भारत निरंतर विकास और तकनीकी क्षमता के साथ अब अवसरों की धरती बन चुका है। आईटी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में भारतीय युवा वैश्विक स्तर पर प्रमुख पदों पर आसीन हैं, जिससे विश्व पटल पर भारत की उपस्थिति बढ़ रही है। बिरला चेन्नई में एक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के युवा अपने ज्ञान और कौशल के साथ दुनिया में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। बिरला ने कहा कि सफलता और विफलता जीवन का हिस्सा हैं और हमें दोनों से सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विफलता सीखने का अवसर होती है, और प्रत्येक असफलता हमें नए सपनों और लक्ष्यों के पास ले जाती है।



THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

RAJPUTANA BIODIESEL LIMITED



(Please scan this QR code to view the Prospectus)

Our Company was originally incorporated as "Rajputana Biodiesel Private Limited" a private limited company under the Companies Act, 2013 with the Registrar of Companies ("ROC"), Jaipur pursuant to Certificate of Incorporation dated November 10th, 2016. Subsequently, our company was converted into Public Limited Company and name of company was changed from "Rajputana Biodiesel Private Limited" to "Rajputana Biodiesel Limited" pursuant to a special resolution passed by our shareholders at the Extra Ordinary General Meeting held on May 13, 2024 and a fresh certificate of incorporation was issued by the Central Processing Centre, Manesar dated July 06th, 2024. The CIN of the Company is U74999RJ2016PLC056359. For further details please refer to the chapter titled "History and Corporate Structure" beginning on Page No. 118 of this Prospectus.
 Registered Office: Jaipuria Mansion Panch Batti, M.I. Road, Jaipur, Rajasthan, India, 302001. Telephone: +91-9509222333; Email: cs@rajputanabiodiesel.com; Website: https://rajputanabiodiesel.com/
 Contact Person: Rohit Kumar Gautam, Company Secretary and Compliance Officer. Corporate Identification Number: U74999RJ2016PLC056359

OUR PROMOTERS: SARTHAK SONI, MADHURI SONI, SUDEEP SONI AND TANAY ATTAR

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF 19,00,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH ("EQUITY SHARES") OF RAJPUTANA BIODIESEL LIMITED (THE "COMPANY" OR "RAJPUTANA" OR "RBDL" OR "ISSUER") AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 130/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING A SHARE PREMIUM OF ₹ 120/- PER EQUITY SHARE) FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ 2,47,00,000 LACS ("PUBLIC ISSUE") OUT OF WHICH 1,41,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 130/- PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ 183.30 LACS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"), THE PUBLIC ISSUE LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E NET ISSUE OF 17,59,000 OF EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10/- EACH, AT AN ISSUE PRICE OF ₹ 130 PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UP TO ₹ 2286.7 LACS IS HEREINAFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE PUBLIC ISSUE AND NET ISSUE WILL CONSTITUTE 27.01% AND 25.01% RESPECTIVELY OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE IS ₹ 10/- AND ISSUE PRICE IS ₹ 130/-.

THE ISSUE PRICE IS 13.0 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARE

ANCHOR INVESTOR ISSUE PRICE: ₹ 130 PER EQUITY SHARE THE ISSUE PRICE IS 13.00 TIMES OF THE FACE VALUE

Risks to Investors:

- Our business is subject to government policies. If we fail to comply with the applicable regulations prescribed by governments and regulatory agencies, our business, results of operations and financial condition could be adversely affected.
- If we are not able to obtain, renew or maintain the statutory and regulatory permits and approvals required to operate our business it may have a material adverse effect on our business.
- We may face resistance to change from existing users of conventional fossil fuel.
- Our production is based on competitive bidding process by government authorities/bodies. We may not be able to qualify for, compete and win future projects, which could adversely affect our business and results of operations.
- The availability, quality and timely delivery of raw material is an important factor for our business, any fluctuation, delay or increase in cost in same may affect our business and prices.
- Our financial performance is dependent primarily on the sale of Biodiesel.
- Prices of bio-fuel might be more than non-renewable conventional fossil fuel. Moreover, decline in price of fossil fuel may affect the demand for bio-fuel.
- Absence of entry barriers into bio-fuel production may attract many players from both organized and unorganized sectors which will escalate competition and resultant price pressure on the products.
- Our top ten customers contribute majority of our revenues from operations. Any loss of business from one or more of them may adversely affect our revenues and profitability.

BID/ ISSUE PERIOD

ANCHOR INVESTOR BIDDING DATE WAS: MONDAY, NOVEMBER 25, 2024

BID/ ISSUE OPENED ON: TUESDAY, NOVEMBER 26, 2024 | BID/ ISSUE CLOSED ON: THURSDAY, NOVEMBER 28, 2024

The Issue is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net Issue shall be allocated on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), provided that our Company may, in consultation with the Book Running Lead Managers, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion. Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Issue shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders and not less than 35% of the Net Issue shall be available for allocation to Retail Individual Bidders in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Issue Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of RIBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI Mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Issue through the ASBA process. For details, see "Issue Procedure" beginning on page 184 of Prospectus.

The bidding for Anchor Investors opened and closed on November 25, 2024. The Company received 4 Anchor Investor Application Forms from 4 Anchor Investors (including Nil mutual funds through Nil Mutual Fund schemes) for 5,15,000 Equity Shares. The Anchor Investor Allocation price was finalized at Rs. 130/- per Equity Share. A total of 5,15,000 Equity Shares were allotted under the Anchor Investor portion aggregating to Rs. 669.5 Lakhs.

The Issue (excluding Anchor Investors Portion) received 5,15,858 Applications for 13,85,000 Equity Shares (before technical rejections) resulting in 704.56 times subscription (including reserved portion of market maker). The details of the Applications received in the Issue from various categories are as under (before technical rejections):

Detail of the Applications Received:

S. No.	Category	No. of Applications	No. of Equity Shares applied	Equity Shares Reserved as per Prospectus	No. of times Subscribed	Amount (in Rs.)
1.	Retail-Individual Investors	472410	47,24,61,000	6,29,000	751,1303657	61,41,04,92,000
2.	Non-Institutional Investors	43377	36,50,24,000	2,70,000	1351,940741	47,45,10,80,000
3.	Market Maker	1	1,41,000	1,41,000	1	1,83,30,000
4.	Qualified Institutional Buyers (Excluding Anchor Investors)	70	6,11,16,000	3,45,000	177,1478261	7,94,50,80,000
5.	Anchor Investors	4	8,18,000	5,15,000	1,588,349515	106340000
	Total	515862	89,95,60,000	19,00,000	197.35	116931302000

Final Demand

A summary of the final demand as per NSE as on the Bid/ Issue Closing Date at different Bid prices is as under:

Bid Price	No Of Equity Shares	% of Total	Cumulative Total	Cumulative % of Total
123	658000	0.07	658000	0.07
124	48000	0.00	706000	0.07
125	216000	0.02	922000	0.09
126	96000	0.01	1018000	0.10
127	116000	0.01	1134000	0.12
128	313000	0.03	1447000	0.15
129	350000	0.04	1797000	0.18
130	642078000	65.80	643875000	65.98
Cutoff Price(130)	331945000	34.02	975820000	100.00
Total	975820000	100		

The Basis of Allotment was finalised in consultation with the Designated Stock Exchange, being National Stock Exchange of India Limited on November 29, 2024.

1) Allotment to Retail Individual Investors (After Technical Rejections)

The Basis of Allotment to the Retail Individual Investors, who have Bid at cut-off Price or at or above the Issue Price of Rs. 130/- per Equity Share, was finalised in consultation with National Stock Exchange of India Limited. The category has been subscribed to the extent of 745.91 times. The total number of Equity Shares Allotted in this category is 6,29,000 Equity Shares to 4,69,180 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category is as under:

No. of Shares Applied for (Category Wise)	No. of application received	% of Total	Total No. of shares applied	% of Total	No. of Equity Shares Allotted per Applicant	Ratio	Total No. of Shares Allotted
Retail Individual Investor	4,69,180	100	46,91,80,000	100	1000	629.469180	6,29,000

2) Allotment to Non-Institutional Investors (After Technical Rejections)

The Basis of Allotment to the Non-Institutional Investors, who have Bid at cut-off Price or at or above the Issue Price of Rs. 130/- per Equity Share, was finalised in consultation with National Stock Exchange of India Limited. The category has been subscribed to the extent of 1335.06 times. The total number of Equity Shares Allotted in this category is 42765 Equity Shares to 42765 successful applicants. The details of the Basis of Allotment of the said category is as under:

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category Wise)	Number of applications received	% to Total	Total No. of Shares applied in each category	% to Total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant (Before rounding off)	Ratio of allottees to applicants	Number of Successful applicants (after rounding off)	% to Total	Total No. of Shares allocated/ allotted	% to Total	Surplus/ Deficit (7)-(14)		
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	(8)	(9)	-10	-11	-12	-13	-14	-15	-16
1	2000	18842	44.43	37684000	10.45	28226.38	1	1000	14	9421	28	10.37	28000	10.37	-226
2	3000	3602	8.48	10806000	2.99	8094	2	1000	4	1801	8	2.96	8000	2.96	-94
3	4000	1072	2.51	4288000	1.18	3211.83	3	1000	3	1072	3	1.11	3000	1.11	-212
4	5000	1189	2.78	5945000	1.64	4452.97	4	1000	5	1189	5	1.85	5000	1.85	547
5	6000	1336	3.12	8016000	2.22	6004.21	4	1000	3	668	6	2.22	6000	2.22	-4
6	7000	4923	11.51	34461000	9.56	25812.27	5	1000	26	4923	26	9.63	26000	9.62	188
7	8000	5757	13.46	46056000	12.77	34497.25	6	1000	35	5757	35	12.96	35000	12.96	503
8	9000	955	2.23	8595000	2.38	6437.9	7	1000	7	955	7	2.59	7000	2.59	562
9	10000	1266	2.96	12660000	3.51	9482.7	7	1000	5	633	10	3.7	10000	3.7	517
10	11000	331	0.77	3641000	1.01	2727.21	8	1000	3	331	3	1.11	3000	1.11	273
11	12000	202	0.47	2424000	0.67	1815.64	9	1000	1	101	2	0.74	2000	0.74	184
12	13000	180	0.42	2340000	0.64	1752.73	10	1000	1	90	2	0.74	2000	0.74	247
13	14000	176	0.41	2464000	0.68	1845.61	10	1000	1	88	2	0.74	2000	0.74	154
14	15000	386	0.9	5790000	1.6	4336.87	11	1000	2	193	4	1.48	4000	1.48	-337
15	16000	201	0.47	3216000	0.89	2408.88	12	1000	2	201	2	0.74	2000	0.74	-409
16	17000	106	0.25	1802000	0.49	1349.75	13	1000	1	106	1	0.37	1000	0.37	-350
17	18000	132	0.31	2376000	0.65	1779.69	13	1000	1	66	2	0.74	2000	0.74	220
18	19000	104	0.24	1976000	0.54	1480.08	14	1000	1	52	2	0.74	2000	0.74	520
19	20000	225	0.53	4500000	1.24	3370.63	15	1000	1	75	3	1.11	3000	1.11	-371
20	21000	71	0.17	1491000	0.41	1116.8	16	1000	1	71	1	0.37	1000	0.37	-117
21	22000	57	0.13	1254000	0.34	939.28	16	1000	1	57	1	0.37	1000	0.37	61
22	23000	83	0.19	1909000	0.52	1429.9	17	1000	2	83	2	0.74	2000	0.74	570
23	24000	80	0.19	1920000	0.53	1438.13	18	1000	1	40	2	0.74	2000	0.74	562
24	25000	102	0.24	2550000	0.7	1910.02	19	1000	1	51	2	0.74	2000	0.74	90
25	26000	31	0.07	806000	0.22	603.72	19	1000	1	31	1	0.37	1000	0.37	396
26	27000	37	0.09	999000	0.27	748.28	20	1000	1	37	1	0.37	1000	0.37	252
27	28000	29	0.07	812000	0.22	608.21	21	1000	1	29	1	0.37	1000	0.37	392
28	29000	20	0.05	580000	0.16	434.44	22	1000	1	20	1	0.37	1000	0.37	566
29	30000	89	0.21	2670000	0.74	1999.91	22	1000	2	89	2	0.74	2000	0.74	0
30	31000	33	0.08	1023000	0.28	766.26	23	1000	1	33	1	0.37	1000	0.37	234
31	32000	22	0.05	704000	0.19	527.32	24	1000	1	22	1	0.37	1000	0.37	473
32	33000	10	0.02	330000	0.09	247.18	25	1000	0	1	0	0	0	0	-247
33	34000	15	0.04	510000	0.14	382	25	1000	0	1	0	0	0	0	-382
34	35000	27	0.06	945000	0.26	707.83	26	1000	1	27	1	0.37	1000	0.37	292
35	36000	38	0.09	1368000	0.37	1024.67	27	1000	1	38	1	0.37	1000	0.37	-25
36	37000	28	0.07	1036000	0.28	775.99	28	1000	1	28	1	0.37	1000	0.37	224
37	38000	44	0.1	1672000	0.46	1252.38	28	1000	1	44	1	0.37	1000	0.37	-252
38	39000	33	0.08	1287000	0.35	964	29	1000	1	33	1	0.37	1000	0.37	36
39	40000	65	0.15	2600000	0.72	1947.47	30	1000	2	65	2	0.74	2000	0.74	53
40	41000	10	0.02	410000	0.11	307.1	31	1000	0	1	0	0	0	0	-307
41	42000	14	0.03	588000	0.16	440.43	31	1000	1	14	1	0.37	1000	0.37	560
42	43000	14	0.03	602000	0.16	450.92	32	1000	1	14	1	0.37	1000	0.37	549
43	44000	6	0.01	264000	0.07	197.74	33								

...continued from previous page.

Sr. No.	No. of Shares applied for (Category Wise)	Number of applications received	% to Total	Total No. of Shares applied in each category	% to Total	Proportionate shares available	Allocation per Applicant		Ratio of allottees to applicants	Number of Successful applicants (after rounding off)	% to Total	Total No. of Shares allocated/ allotted	% to Total	Surplus/ Deficit (7)-(14)	
							Before rounding off	After rounding off							
-1	-2	-3	-4	-5	-6	-7	(8)	(9)	-10	-11	-12	-13	-14	-15	-16
139	160000	4	0.01	640000	0.17	479.38	120	1000	1	4	1	0.37	1000	0.37	521
140	161000	2	0	322000	0.08	241.19	121	1000	0	1	0	0	0	0	-241
141	163000	2	0	326000	0.09	244.18	122	1000	0	1	0	0	0	0	-244
142	165000	1	0	165000	0.04	123.59	124	1000	0	1	0	0	0	0	-124
143	170000	1	0	170000	0.04	127.33	127	1000	0	1	0	0	0	0	-127
144	173000	1	0	173000	0.04	128.58	130	1000	0	1	0	0	0	0	-130
145	177000	1	0	177000	0.04	132.58	133	1000	0	1	0	0	0	0	-133
146	178000	1	0	178000	0.04	133.33	133	1000	0	1	0	0	0	0	-133
147	180000	1	0	180000	0.04	134.83	135	1000	0	1	0	0	0	0	-135
148	183000	1	0	183000	0.05	137.07	137	1000	0	1	0	0	0	0	-137
149	184000	3	0.01	552000	0.15	413.46	138	1000	0	1	0	0	0	0	-138
150	185000	1	0	185000	0.05	138.57	139	1000	0	1	0	0	0	0	-139
151	187000	1	0	187000	0.05	140.07	140	1000	0	1	0	0	0	0	-140
152	189000	2	0	378000	0.1	283.13	142	1000	0	1	0	0	0	0	-283
153	190000	1	0	190000	0.05	142.32	142	1000	0	1	0	0	0	0	-142
154	192000	2	0	384000	0.1	287.63	144	1000	0	1	0	0	0	0	-288
155	193000	2	0	386000	0.1	289.12	145	1000	0	1	0	0	0	0	-289
156	198000	1	0	198000	0.05	148.31	148	1000	0	1	0	0	0	0	-148
157	200000	8	0.02	1600000	0.44	1198.45	150	1000	1	8	1	0.37	1000	0.37	-198
158	202000	2	0	404000	0.11	302.61	151	1000	0	1	0	0	0	0	-303
159	205000	1	0	205000	0.05	153.55	154	1000	0	1	0	0	0	0	-154
160	206000	1	0	206000	0.05	154.3	154	1000	0	1	0	0	0	0	-154
161	212000	1	0	212000	0.05	158.79	159	1000	0	1	0	0	0	0	-159
162	215000	2	0	430000	0.11	322.08	161	1000	0	1	0	0	0	0	-322
163	220000	4	0.01	880000	0.24	659.14	165	1000	1	4	1	0.37	1000	0.37	341
164	221000	1	0	221000	0.06	165.54	166	1000	0	1	0	0	0	0	-166
165	223000	1	0	223000	0.06	167.03	167	1000	0	1	0	0	0	0	-167
166	227000	1	0	227000	0.06	170.03	170	1000	0	1	0	0	0	0	-170
167	230000	2	0	460000	0.12	344.55	172	1000	0	1	0	0	0	0	-345
168	231000	4	0.01	924000	0.25	692.1	173	1000	1	4	1	0.37	1000	0.37	308
169	232000	1	0	232000	0.06	173.77	174	1000	0	1	0	0	0	0	-174
170	233000	1	0	233000	0.06	174.52	175	1000	0	1	0	0	0	0	-175
171	238000	1	0	238000	0.06	178.27	178	1000	0	1	0	0	0	0	-178
172	240000	1	0	240000	0.06	179.77	180	1000	0	1	0	0	0	0	-180
173	241000	1	0	241000	0.06	180.52	181	1000	0	1	0	0	0	0	-181
174	248000	3	0.01	744000	0.2	557.28	186	1000	1	3	1	0.37	1000	0.37	443
175	250000	1	0	250000	0.06	187.26	187	1000	0	1	0	0	0	0	-187
176	252000	1	0	252000	0.06	188.76	189	1000	0	1	0	0	0	0	-189
177	258000	1	0	258000	0.07	193.25	193	1000	0	1	0	0	0	0	-193
178	261000	1	0	261000	0.07	195.5	196	1000	0	1	0	0	0	0	-196
179	270000	1	0	270000	0.07	202.24	202	1000	0	1	0	0	0	0	-202
180	271000	3	0.01	813000	0.22	608.96	203	1000	1	3	1	0.37	1000	0.37	391
181	274000	1	0	274000	0.07	205.23	205	1000	0	1	0	0	0	0	-205
182	275000	1	0	275000	0.07	205.98	206	1000	0	1	0	0	0	0	-206
183	292000	1	0	292000	0.08	218.72	219	1000	0	1	0	0	0	0	-219
184	300000	1	0	300000	0.08	224.71	225	1000	0	1	0	0	0	0	-225
185	301000	1	0	301000	0.08	225.46	225	1000	0	1	0	0	0	0	-225
186	302000	1	0	302000	0.08	226.21	226	1000	0	1	0	0	0	0	-226
187	310000	1	0	310000	0.08	232.2	232	1000	0	1	0	0	0	0	-232
188	321000	1	0	321000	0.08	240.44	240	1000	0	1	0	0	0	0	-240
189	322000	1	0	322000	0.08	241.19	241	1000	0	1	0	0	0	0	-241
190	325000	1	0	325000	0.09	243.43	243	1000	0	1	0	0	0	0	-243
191	327000	1	0	327000	0.09	244.93	245	1000	0	1	0	0	0	0	-245
192	331000	1	0	331000	0.09	247.93	248	1000	0	1	0	0	0	0	-248
193	333000	1	0	333000	0.09	249.43	249	1000	0	1	0	0	0	0	-249
194	338000	3	0.01	1014000	0.28	759.51	253	1000	1	3	1	0.37	1000	0.37	240
195	346000	1	0	346000	0.09	259.16	259	1000	0	1	0	0	0	0	-259
196	358000	1	0	358000	0.09	268.15	268	1000	0	1	0	0	0	0	-268
197	360000	1	0	360000	0.09	269.65	270	1000	0	1	0	0	0	0	-270
198	367000	1	0	367000	0.1	274.89	275	1000	0	1	0	0	0	0	-275
199	369000	1	0	369000	0.1	276.39	276	1000	0	1	0	0	0	0	-276
200	383000	2	0	766000	0.21	573.76	287	1000	1	2	1	0.37	1000	0.37	426
201	384000	1	0	384000	0.1	287.63	288	1000	0	1	0	0	0	0	-288
202	387000	1	0	387000	0.1	289.87	290	1000	0	1	0	0	0	0	-290
203	396000	1	0	396000	0.11	296.62	297	1000	0	1	0	0	0	0	-297
204	397000	2	0	794000	0.22	594.73	297	1000	1	2	1	0.37	1000	0.37	405
205	399000	1	0	399000	0.11	298.86	299	1000	0	1	0	0	0	0	-299
206	400000	1	0	400000	0.11	299.61	300	1000	0	1	0	0	0	0	-300
207	401000	1	0	401000	0.11	300.36	300	1000	0	1	0	0	0	0	-300
208	403000	1	0	403000	0.11	301.86	302	1000	0	1	0	0	0	0	-302
209	404000	1	0	404000	0.11	302.61	303	1000	0	1	0	0	0	0	-303
210	418000	1	0	418000	0.11	313.09	313	1000	0	1	0	0	0	0	-313
211	419000	1	0	419000	0.11	313.84	314	1000	0	1	0	0	0	0	-314
212	423000	1	0	423000	0.11	316.84	317	1000	0	1	0	0	0	0	-317
213	425000	1	0	425000	0.11	318.34	318	1000	0	1	0	0	0	0	-318
214	447000	1	0	447000	0.12	334.82	335	1000	0	1	0	0	0	0	-335
215	460000	1	0	460000	0.12	344.55	345	1000	0	1	0	0	0	0	-345
216	461000	1	0	461000	0.12	345.3	345	1000	0	1	0	0	0	0	-345
217	477000	1	0	477000	0.13	357.29	357	1000	0	1	0	0	0	0	-357
218	481000	1	0	481000	0.13	360.28	360	1000	0	1	0	0	0	0	-360
219	500000	1	0	500000	0.13	374.51	375	1000	0	1	0	0	0	0	-375
220	501000	1	0	501000	0.13	375.26	375	1000	0	1	0	0	0	0	-375
221	502000	1	0	502000	0.13	376.01	376	1000	0	1	0	0	0	0	-376
222	504000	1	0	504000	0.13	377.51	378	1000	0	1	0	0	0	0	-378
223	511000	2	0	1022000	0.28	765.51	383	1000	1	2	1	0.37	1000	0.37	234
224	517000	1	0	517000	0.14	387.25	387	1000	0	1	0	0	0	0	-387
225	531000	1	0	531000	0.14	397.73	398	1000	0	1	0	0	0	0	-398

3) Allotment to QIBs excluding Anchor Investors (After Technical Rejections)
Allotment to QIBs, who have bid at the Issue Price of Rs. 130/- per Equity Share or above, has been done on a proportionate basis in consultation with National Stock Exchange of India Limited. This category has been subscribed to the extent of 177.15 times of QIB portion. The total number of Equity Shares allotted in the QIB category is 3,45,000 Equity Shares, which were allotted to 70 successful Applicants.

Category	Fi's/Banks/AIF/ FIIs/FPIs/ NBFC'S	TOTAL
QIB	70	3,45,000

4) Allotment to Anchor Investors (After Technical Rejections)
The Company in consultation with the BRLM has allocated 5,15,000 Equity Shares to 4 Anchor Investors at the Anchor Investor ISSUE PRICE of Rs. 130/- per Equity Shares in accordance with the SEBI ICDR Regulations. This represents 60% of the QIB Category.

Category	Fi's/BANKS	MF'S	IC	AIF	Fi's/FPIs	NBFC'S	TOTAL
Anchor	80,000	-	-	3,20,000	1,15,000	-	5,15,000

खबर कोना

नीतीश ने भारतीय महिला हाकी टीम को सम्मानित किया

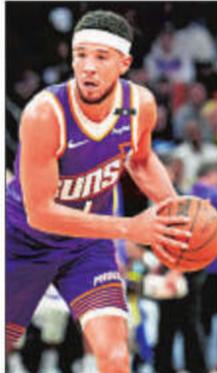
पटना, 1 दिसंबर (भाषा)।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को भारतीय महिला हाकी टीम की सदस्यों को सम्मानित किया जिन्होंने पिछले महीने राजगीर में आयोजित महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में खिताब जीता था। एक आधिकारिक बयान में इसकी जानकारी दी गई। भारतीय महिला हाकी टीम ने 20 नवंबर को राजगीर में फाइनल में चीन को 1-0 से हराया था। नीतीश ने भारतीय महिला टीम की खिलाड़ियों और मुख्य कोच को 10-10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया।

महिला जूनियर एशिया कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (एजेंसी)।

हाकी इंडिया ने सात से 15 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले आगामी महिला जूनियर एशिया कप के लिए रविवार को यहां ज्योति सिंह की अगुआई में 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा की। पिछले साल दक्षिण कोरिया को 2-1 से हरा कर अपना पहला खिताब हासिल करने के बाद गत चैंपियन भारत बड़ी हुई उम्मीदों के साथ इस टूर्नामेंट में भाग लेगा। यह टूर्नामेंट एफआईएफए हाकी जूनियर विश्व कप 2025 के लिए क्वालीफायर का काम करेगा। इस विश्व कप के लिए मेजबान देश का चयन होना बाकी है।



अमेरिका : बास्केटबाल के दूसरे हाफ के दौरान फीनिक्स सनस के डेविन बुकर गोल्डन स्टेट वारियर्स के खिलाफ गेंद को गोल की ओर ले जाते हुए।

प्रो कबड्डी लीग : दबंग दिल्ली ने तमिल थलाईवाज को हराया

जनसत्ता खेल नोएडा, 1 दिसंबर।

नवीन कुमार के शानदार प्रदर्शन से दबंग दिल्ली ने रविवार को यहां प्रो कबड्डी लीग के नोएडा चरण में तमिल थलाईवाज को 32-21 से शिकस्त दी। नवीन ने 11 रेट डाइंड हासिल किए, यह उनका सत्र का दूसरा सुपर 10 स्कोर रहा। इस जीत से दिल्ली की टीम अंक तालिका में पुणे की टीम के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गई। दोनों टीमों पहले हाफ में 12-12 की बराबरी पर थीं।

ओडीशा एफसी ने बंगलुरु एफसी को 4-2 से शिकस्त दी

भुवनेश्वर, 1 दिसंबर (भाषा)।

ओडीशा एफसी ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत रविवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) मैच में बंगलुरु एफसी को 4-2 से शिकस्त दी। ओडीशा एफसी के लिए डिपगो मौरिसियो ने 45, 3वें और 60वें मिनट में दो गोल दागे। दो अन्य गोल जेरी मार्वाहिंगिया ने 10वें और मूर्ताल फाल ने 27वें मिनट में किए। बंगलुरु एफसी के लिए सुनील छेत्री ने 52वें मिनट और एडगर मंडेज ने 88वें मिनट में गोल किया।



अमेरिका : एमएलएस कप वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस फाइनल मैच में एलए गैलेक्सी के रिकी पुडग (दाएं) से गेंद को नियंत्रित करने की कोशिश करते सिएटल साउंडर्स के क्रिस्टियन रोल्डन और जार्डन मारिस।

फुटबाल

प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत छह विकेट से जीता गिल ने जड़ा अर्धशतक, मध्यक्रम में उतरे रोहित

कैनबरा, 1 दिसंबर (भाषा)।

शुभमन गिल ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ वर्षों से प्रभावित गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि अभ्यास मैच में अर्धशतक के साथ अपनी अंगुठे की चोट से जुड़ी चिंताओं को दूर किया, जबकि कप्तान रोहित शर्मा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे। भारत ने यह मैच छह विकेट से जीता।

यह देखना होगा कि रोहित एडीलेड में शुक्रवार से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में पारी का आगाज करने के लिए उतरते हैं या नहीं। प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ पहले दिन का खेल बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे दिन मैच को 46 ओवर का किया गया। प्रधानमंत्री एकादश ने भारत को जीत के लिए 241 रन का लक्ष्य दिया, जो टीम ने 42.5 ओवर में चार विकेट गंवाकर हासिल कर लिया। टीम ने इसके बाद पूरे ओवर बल्लेबाजी की और 46 ओवर में पांच विकेट पर 257 रन बनाए।

प्रधानमंत्री एकादश की ओर से आस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने के दावेदार सलामी बल्लेबाज सैम कोन्सटास ने 97 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 107 रन की पारी खेली। भारतीय टीम प्रबंधन ने रणनीति के तहत विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को मुकाबले के लिए नहीं उतारा और इन दोनों ने नेट पर एक दूसरे का सामना किया।

पर्थ टेस्ट से बाहर रहने वाले रविचंद्रन अश्विन ने भी नेट पर कोहली को गेंदबाजी की। अश्विन ने 2020-21 में एडीलेड में भारत के गुलाबी गेंद के पिछले टेस्ट में चार विकेट चटकए थे। रविंद्र जडेजा ने अभ्यास मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की। उन्होंने पांच ओवर में 32 रन पर एक

क्रिकेट



शुभमन गिल।

भारत के लिए गिल ने शानदार बल्लेबाजी की। साथ ही जायसवाल ने 59 गेंद में 45 रन, नीतीश कुमार रेंड्री ने 32 गेंद में 42 रन और वाशिगटन सुंदर ने 36 गेंद में नाबाद 42 की उम्दा पारियां खेली। **भारतीय** विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे, जिससे मनुका ओवल में मौजूद लगभग एक हजार भारतीय प्रशंसकों को निराशा हाथ लगी।

विकेट चटकाने के अलावा 27 रन भी बनाए। रोहित ने यशस्वी जायसवाल और लोकेश राहुल को ही सलामी जोड़ी के रूप में उतारा और खुद चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की। भारतीय कप्तान सिर्फ तीन रन बनाने के बाद चाली एंडरसन की गेंद पर स्लिप में ओलिवर डेविस को कैच दे बैठे।

फाइनल में सिंधु ने लुओ, लक्ष्य ने जिया को हरा कर खिताब जीता त्रीसा-गायत्री की जोड़ी ने चीन की ली-कियान को पछाड़ा

लखनऊ, 1 दिसंबर (एजेंसी)।

शीर्ष वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने रविवार को सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः महिला और पुरुष एकल खिताब अपनी झोली में डाले। वहीं, त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 में हरा कर अपना पहला सुपर 300 खिताब जीता।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने चीन की वू लुओ यू को 21-14, 21-16 से मात देकर तीसरी दफा इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया और लंबे समय से चले आ रहा खिताब का सूखा समाप्त किया। वह इससे पहले 2017 और 2022 में भी ट्राफी जीत चुकी हैं। पुरुष एकल फाइनल में 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने दबदबे भरा प्रदर्शन करते हुए खिलावी भिड़त में सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तंह को 21-6, 21-7 से मात दी। पूर्व विश्व चैंपियन 29 वर्ष की सिंधु ने दो साल और चार महीने के अंतराल के बाद पॉइंटियम का शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने आखिरी खिताब जुलाई 2022 में सिंगापुर ओपन में जीता था। इस साल वह मई में मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 के फाइनल में भी पहुंची।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक के प्लेआफ में मिली निराशाजनक हार के बाद लक्ष्य की जीत राहत देने वाली है। इस जीत से निश्चित रूप से

सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट



पीवी सिंधु।

लक्ष्य सेन।

पृथ्वी-प्रतीक, तनीषा-ध्रुव टूर्नामेंट के उप विजेता बने

पृथ्वी कृष्णमूर्ति राय और साइ प्रतीक की पुरुष युगल जोड़ी को चीन के हुआंग डि और लियू यांग से हार का सामना करना पड़ा।

तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की मिश्रित युगल जोड़ी को थाईलैंड के डेवापोल और सुपिसारा की जोड़ी ने पराजित किया।

नए सत्र से पहले उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। भारतीय बैडमिंटन को दिन में जश्न मनाने का एक और मौका मिला जब त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी ने बाओ ली जिंग और ली कियान की चीन की जोड़ी को महज 40 मिनट में 21-18, 21-11 में हरा कर अपना पहला

सुपर 300 खिताब जीता। राष्ट्रमंडल खेलों के कांस्य पदक विजेता जोड़ी के लिए यह जीत ऐतिहासिक है क्योंकि त्रीसा और गायत्री इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला युगल जोड़ी बन गईं। यह जोड़ी 2022 चरण में उपविजेता रही थी।

जय शाह ने आइसीसी प्रमुख का कार्यभार संभाला कोरिया को 8-1 से हरा कर भारत पूल ए में शीर्ष पर

दुबई, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) के निवर्तमान सचिव जय शाह ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया। शाह का तात्कालिक लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी को लेकर उत्पन्न गतिरोध को समाप्त करने का होगा। इसके साथ उनके सामने क्रिकेट को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य ओलंपिक खेल बनाने की चुनौती होगी।

वह इस वैश्विक संस्था का नेतृत्व करने वाले पांचवें भारतीय हैं। छत्तीस साल के शाह पिछले पांच वर्षों से बीसीसीआइ सचिव हैं। वह आइसीसी के निदेशक मंडल की सर्वसम्मत् पसंद थे। शाह ने न्यूजीलैंड के वकील ग्रेग बार्केल का स्थान लिया, जो लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने के इच्छुक नहीं थे। शाह से पहले व्यवसायी दिवंगत जगमोहन डालमिया, राजनेता शरद पवार, वकील

क्रिकेट

चैंपियंस ट्रॉफी के शुरू होने में 100 से भी कम दिन बचे हैं और वैश्विक निकाय के प्रमुख के रूप में शाह को बिना किसी परेशानी के टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए 'स्वीकार्य समाधान' के लिए पीसीबी और बीसीसीआइ में अपने पूर्व सहयोगियों दोनों के साथ समन्वय बनाना होगा।

शशांक मनोहर और उद्योगपति एन श्रीनिवासन विश्व क्रिकेट संस्था का नेतृत्व करने वाले भारतीयों में शामिल रहे हैं।

भारत के गृह मंत्री अमित शाह के बेटे जय शाह का कार्यकाल चुनौतियों के साथ शुरू होगा क्योंकि आइसीसी को पाकिस्तान में निर्धारित चैंपियंस ट्रॉफी के लिए 'हाइब्रिड माडल' को लागू करने के लिए एक

क्रिकेट



जय शाह।

भारतीय टीम ने सरकार से मंजूरी नहीं मिलने का हवाला देते हुए पहले ही पाकिस्तान की यात्रा करने से इनकार कर दिया है।

स्वीकार्य समाधान खोजने की जरूरत है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए फिलहाल 'हाइब्रिड माडल' को स्वीकार करने का फैसला किया है, जिसके तहत भारत दुबई में अपने मैच खेलेगा। पीसीबी इस फैसले के बदले यह चाहता है कि 2031 तक उन सभी चार आइसीसी टूर्नामेंटों में पाकिस्तान को भी यही सम्मान दिया जाए।

मस्कट, 1 दिसंबर (भाषा)।

पहले ही सेमी फाइनल में पहुंच चुकी गत चैंपियन भारतीय टीम ने रविवार को यहां अर्शदीप सिंह की हैट्रिक की बदौलत पुरुषों के जूनियर एशिया कप टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया को 8-1 से हरा कर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। अर्शदीप ने नौवें, 44वें और 60वें मिनट में गोल किए, जबकि अरायजौत सिंह हुंडल (तीसरे और 37वें मिनट) ने दो गोल किए। गुरजोत सिंह (11वें), रोसन कुजूर (27वें) और रोहित (30वें मिनट) ने टीम के आखिरी पूल मैच में एक-एक गोल किया। कोरिया के लिए एकमात्र गोल किम ताएहयोन (18वें) ने किया। भारत के चार जीत से 12 अंक हैं। जापान

ने नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम के रूप में पूल ए से सेमी फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। इसमें तीन जीत और एक हार शामिल है।

मंगलवार को सेमी फाइनल में भारत का सामना पूल बी की दूसरे स्थान की टीम मलेशिया से होगा जिसने चार मैचों में सात अंक हासिल किए हैं। रविवार को मलेशिया को 4-1 से हराने वाला पाकिस्तान अपने सभी चार मैच जीतकर 12 अंक के साथ पूल बी में शीर्ष पर है और अब उसका सामना मंगलवार को दूसरे सेमी फाइनल में जापान से होगा।

भारत को मैच में पांच पेनल्टी कान्नर मिले। उसने इनमें से दो को भुनाया जबकि कोरिया ने एकमात्र पेनल्टी कान्नर हासिल किया लेकिन वह गोल नहीं कर सका।

नवीनतम विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर एरिगेसी

शतरंज

ओलंपियाड में व्यक्तिगत स्पर्धा में जीता था स्वर्ण

ईएलओ रेटिंग में आनंद के बाद दूसरे भारतीय बने अर्जुन

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी रविवार को गोल्ड स्तर की 2800 ईएलओ रेटिंग हासिल करने वाले शतरंज के बादशाह विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय और दुनिया के 16वें खिलाड़ी बने। वह नवीनतम शतरंज विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं।

इस साल बेहतरीन फार्म में चल रहे 21 साल के एरिगेसी ने हाल में शतरंज ओलंपियाड में भारत के ऐतिहासिक प्रदर्शन के दौरान व्यक्तिगत स्पर्धा पदक जीतने के अलावा टीम को खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी। शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे ने 'एक्स' पर लिखा, 'अर्जुन एरिगेसी क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800 ईएलओ रेटिंग के आंकड़े को पार करने



वाले इतिहास के 16वें खिलाड़ी बन गए हैं। फिडे ने कहा, 'अर्जुन एरिगेसी पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद यह उपलब्धि

विश्व रैंकिंग में अब एरिगेसी से आगे सिर्फ नार्वे के दिग्गज मैग्नस कार्लसन (2831), अमेरिका के फाबियानो करुआना (2805) और अमेरिका के ही हिकारू नाकामूरा (2802) हैं।

सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दे रहे भारत के गोकेश 2783 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। लिरेन (2728) 22वें पायदान पर हैं।

फिडे ने कहा, दिसंबर 2024 की फिडे रेटिंग सूची में अर्जुन की रेटिंग 2801 है। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी हैं। खिलाड़ी ने 45वें शतरंज ओलंपियाड में टीम और व्यक्तिगत स्पर्धा जीता था।

हासिल करने वाले दूसरे भारतीय हैं। दिसंबर 2024 की फिडे रेटिंग सूची में उनकी रेटिंग 2801 है और वह वर्तमान में दुनिया के चौथे नंबर के

खिलाड़ी हैं। इस 21 साल के खिलाड़ी ने इसी साल 45वें शतरंज ओलंपियाड में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम और व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता था। तेलंगाना के वारंगल में जन्में एरिगेसी ने 14 साल 11 महीने 13 दिन की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल किया था। सितंबर 2024 में वह भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बने थे। विश्व रैंकिंग में अब एरिगेसी से आगे सिर्फ नार्वे के दिग्गज मैग्नस कार्लसन (2831), अमेरिका के फाबियानो करुआना (2805) और अमेरिका के ही हिकारू नाकामूरा (2802) हैं। सिंगापुर में विश्व शतरंज चैंपियनशिप मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को चुनौती दे रहे भारत के 18 वर्षीय डी गोकेश 2783 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर हैं। लिरेन (2728) 22वें पायदान पर हैं।

नई दिल्ली, 1 दिसंबर (भाषा)।

भारत की टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव पारिवारिक समारोह में भाग लेने के लिए दो सप्ताह का 'ब्रेक' लेने के बाद मुंबई की तरफ से तीन दिसंबर को आंध्र के खिलाफ होने वाले सैयद मुस्ताक अली ट्रॉफी के मैच से वापसी करेंगे। जैसा कि पहले भी देखने को मिला है, सूर्यकुमार संभवतः इस मैच में कप्तानी नहीं करेंगे और श्रेयस अय्यर ही कप्तान संभालेंगे। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने हाल में दक्षिण अफ्रीका को 3-1 से हरा कर श्रृंखला जीती थी। वह सोमवार को हैदराबाद में मुंबई की टीम से जुड़ेंगे। उन्होंने पारिवारिक समारोह में भाग लेने के लिए मुंबई के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाने के बारे में मुंबई क्रिकेट संघ को पहले ही अवगत करा दिया था।